जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

हिण्डौन सिटी

Rashtradoot

फोनः- 230200, 230400 फैक्सः- 07469-230600 वर्षः 17 संख्याः 300 प्रभात हिण्डौन सिटी, बुधवार 03 सितम्बर, 2025 पो. रजि.SWM-RJ-6069/2017-18 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

चीन, रुस नॉर्थ कोरिया व ईरान, एस.सी.ओ. के नये ''कोर ग्रुप'' के रुप में उभरा

भारत, इस नई व्यवस्था का महत्वपूर्ण सदस्य तो है, पर ''कोर ग्रुप'' से अलग सा भी है

- साहौर्द्र व मैत्री के सार्वजनिक इज़हार के बावजूद चीन व भारत के बीच कई भारी मतभेद भी हैं, जिनकी अनदेखी सदा के लिये नहीं की जा सकती।
- अतः अमेरिका व पश्चिमी देशों के समूह व चीन के नेतृत्व वाले एस.सी.ओ. संगठन के बीच भारत अकेला सा खड़ा है।
- कुछ ऐसी ही स्थिति रुस की है। जो, शीत युद्ध के ज़माने के ''सुपर पावर'' के गरिमापूर्ण पद से अब केवल चीन की ओर देखने वाला राष्ट्र हो गया है। जो चीन की ओर, धन, हथियार व स्पेयर पार्ट्स के लिये देखता है। रुस, ईरान का भी आभारी है, क्योंकि ईरान द्वारा भेजे गए आधुनिक ''ड्रोन्स'' की उसे बहुत आवश्यकता है, यूक्रेन के ''फायर पावर'' का मुकाबला करने के लिये। नॉर्थ कोरिया भी ''कोर ग्रुप'' का महत्वपूर्ण सदस्य इसलिए है, क्योंकि, उसने रुस की तरफ से लड़ने के लिये कोरिया से अपने सैनिक भेजे हैं।
- एक अजीबोगरीब बात यह भी है कि अमेरिका का प्रयास था, कि वह रुस को अलग-थलग कर देगा देशों की अर्न्तराष्ट्रीय पंचायत से। पर, उल्टा हो गया। अमेरिका, अलग-थलग पड़ गया है, और यूरोप व पश्चिमी देशों के बाड़े में कैद हो गया है, तथा रुस, कमज़ोर ही सही ''अन्य देशों'' की मंडली में आराम से बैठा है।

-अंजन रॉय-
-अमेरिका में राष्ट्रदूत के प्रतिनिधि-

वॉशिंगटन, 2 सितम्बर। शंघाई को-ऑपरेशन ऑर्गनाइजेशन (एससीओ) कभी ऐसा संगठन माना जाता था, जिसकी सालाना बैठकें होती तो थीं, लेकिन उनका कोई खास महत्व नहीं होता था। तथापि, इस बार चीन के बंदरगाह शहर तियानजिन में हो रही बैठक पूरी दुनिया का ध्यान खींच रही है और यह ऐलान कर रही है कि एक नया वैश्विक ढांचा बन रहा है, और जो मिलकर एक ऐसी ताकत बनने जा रहा है जिसे नज़रअंदाज़ करना मुश्किल होगा। यह वैकल्पिक व्यवस्था, जो अब तक अमेरिका और पश्चिमी देशों के दबदबे में थी, अब पूरी तरह चीन के इर्द-गिर्द घूम रही है। इससे साफ हो गया है कि चीन अब अमेरिका का असली मुकाबला करने वाली ताकत बन चुका है और यूरोप हाशिये पर चला गया है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, जो बीजिंग में एस.सी.ओ. बैठक में भाग ले रहे हैं, के लिए यह स्थिति बेहद दुखद है। वह एक तरह से चीन के अधीनस्थ दिखाई दे रहे हैं। रूस अब चीन पर निर्भर रहने वाला देश बनता जा रहा है।

राष्ट्रपति पुतिन ने जो सपना देखा था, रूस की ''शाही ताकत'' को फिर से पाने और अमेरिका को टक्कर देने वाली एकमात्र महाशक्ति बनने का, वह बिल्कुल उल्टा साबित हुआ है। अब रूस

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'अदालत के आदेश के बाद भी कर्मचारी के बकाया का भुगतान क्यों नहीं हुआ'

जयपुर, 2 सितंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने अदालती आदेश के बावजूद चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी को बकाया भुगतान नहीं करने पर नाराजगी जताई है। इसके साथ ही अदालत ने कहा है कि 11 सितंबर को याचिकाकर्ता को बकाया भुगतान करने का दस्तावेजी साक्ष्य अदालत में पेश किया जाए। ऐसा नहीं करने पर अदालत ने सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव और निदेशक को व्यक्तिगत रूप से हाजिर होने के निर्देश दिए हैं। जस्टिस गणेश राम मीणा की एकलपीठ ने यह आदेश गुलाब सिंह की अवमानना याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता कपिल प्रकाश माथुर ने अदालत ने को बताया कि अदालती आदेश की पालना में वित्त विभाग से स्वीकृति लेकर याचिकाकर्ता को 1 अप्रैल, 1997 से सेवा में नियमितिकरण का लाभ दिया गया है। वहीं याचिकाकर्ता ने चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के पद पर नियमित नियुक्ति ६

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- हाई कोर्ट ने कहा 11 सितम्बर तक भुगतान करें या अतिरिक्त मुख्य सचिव व्यक्तिगत रूप से हाजिर हों।

चन्द्रबाबू नायडू के राजनीतिक जीवन के तीस साल पूरे होने पर जश्न का माहौल क्यों नहीं है एन.डी.ए. में?

भाजपा चौकन्नी है, क्योंकि एक तरफ तो बिहार चुनाव का ''टैंशन'' है, दूसरी ओर उपराष्ट्रपति पद के चुनाव के मौके पर दरारें उभर रही हैं, एन.डी.ए. में

- नायडू के करीबी सलाहकार सरकार द्वारा संसद में अपराधिक गतिविधियों में लिप्त सांसदों, मंत्रियों की सदस्यता खत्म करने के सम्बंध में पेश विधेयक को भी संशय कि दृष्टि से देख रहे हैं, और प्रचारित कर रहे हैं की इस विधेयक को लाने का मुख्य ध्येय, चन्द्रबाबू नायडू के पर कतरना है।
- सांसदों में इस विधेयक को लेकर फैली बेचैनी के दौरान नायडू की भूमिका काफी ''निर्णायक'' हो जाती है और नायडू की, राष्ट्रीय राजनीतिक मंच पर उच्चतम पद की आशाएं जगाना कोई, असंभव बात नहीं है। अगर इस गफलत में नये राजनीतिक समीकरण बनते हैं तो चन्द्रबाबू नये ''कॉम्प्रोमाइज़'' उम्मीदवार बन सकते हैं, उच्चतम पद के लिये।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 2 सितम्बर। तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) के प्रमुख और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने सत्ता में अपने 30 साल पूरे कर लिए हैं। यह एक ऐसा राजनीतिक मुकाम जिसने नई दिल्ली के सत्ता गलियारों में बेचैनी पैदा कर दी है। जहां टीडीपी इस अवसर पर जश्न मना रही है, वहीं राष्ट्रीय राजधानी में इसे राजनीतिक संकेतों के तौर पर देखा जा रहा है, खासकर ऐसे समय में, जब मोदी सरकार आंतरिक असहमति और बाहरी चुनौतियों से जूझ रही है।

टीडीपी के जश्न की राजनीतिक टाइमिंग बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है। केन्द्र सरकार जहां एक ओर आगामी बिहार विधानसभा चुनाव की कठिन चुनौती का सामना कर रही है, वहीं दूसरी ओर, उपराष्ट्रपति चुनाव भी अप्रत्याशित रूप से पेचीदा हो गया है। ऐसे माहौल में, नायडू की आक्रामक राजनीतिक मुद्रा ने उनके अगले कदम को लेकर अटकलें तेज कर दी हैं।

राजनीतिक पर्यवेक्षकों का मानना है कि वर्तमान उथल-पुथल की जड़ 130वां संविधान संशोधन विधेयक है, जिसे लोकप्रिय रूप से ''क्रेडिबिलिटी बिल'' बताया जा रहा है। टीडीपी सूत्रों के अनुसार, नायडू इस विधेयक से खुश नहीं हैं, और यह असंतोष पार्टी के सांसदों तक भी पहुंच चुका है। आंध्र प्रदेश के बहुत से लोग इसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह द्वारा नायडू पर दबाव बनाने का साधन मान रहे हैं, ताकि उनकी स्वतंत्र राजनीतिक सोच को नियंत्रित किया जा सके।

नायडू के करीबी रणनीतिकारों ने संकेत दिए हैं कि टीडीपी प्रमुख वर्तमान राजनीतिक अस्थिरता को एक दुर्लभ अवसर के रूप में देख रहे हैं। भाजपा के भीतर असंतोष और एनडीए में उभरी दरारें उभरने के बीच, गठबंधन समीकरणों में फेरबदल की संभावना को नकारा नहीं जा सकता।

टीडीपी के एक नजदीकी सूत्र ने नायडू की लम्बे समय से पोषित राष्ट्रीय

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'कांग्रेस ने सुनियोजित तरीके से हमें हराने के लिए भाजपा की मदद की'

आप की दिल्ली इकाई के प्रमुख सौरभ भारद्वाज ने प्रैस कान्फ्रैंस में कांग्रेस पर खुला आरोप लगाया

- उन्होंन कहा कांग्रेस ने आप को हराने के लिए आप के वरिष्ठ नेताओं के खिलाफ अपने दिग्गज नेता खड़े किए जैसे केजरीवाल के सामने संदीप दीक्षित, मनीष सिसोदिया के खिलाफ फरहाद सूरी, आतिशी के खिलाफ अलका लांबा को मैदान में उतारा गया।
- आप ने दिल्ली कांग्रेस के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव के इंटरव्यू के आधार पर यह सनसनीखेज आरोप लगाया और उसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर शेयर किया।

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 2 सितम्बर। दिल्ली में भाजपा लम्बे समय से आम आदमी पार्टी (आप) की मुख्य प्रतिद्वन्द्वी रही है। लेकिन आप ने राष्ट्रीय राजधानी में पिछले लगभग एक दशक से चुनावी रूप से हाशिये पर रही कांग्रेस को अपने निशाने पर ले लिया। इस राजनीतिक टकराव की जड़ दिल्ली नहीं, बल्कि पंजाब है, जो देश का ऐसा एकमात्र राज्य है, जहां फिलहाल आप की सरकार है।

आप ने कांग्रेस पर तीखा हमला दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष देवेन्द्र यादव के एक इंटरव्यू के बाद किया, जिसे आप के सोशल मीडिया हैंडल पर भी साझा किया गया। वीडियो में यादव यह कहते हुए सुने गए कि पार्टी ने आप को हराने के लिए दिल्ली विधानसभा चुनाव लड़ा था, लेकिन अप्रत्यक्ष रूप से इसका फायदा भाजपा को हुआ। यादव ने पार्टी की रणनीति का खुलासा करते हुए कहा, ''अगर आप को हराना है, तो मनीष सिसोदिया, और अरविंद केजरीवाल को हराना जरूरी है। इसमें हम कुछ हद तक सफल रहे हैं।'' जब उनसे पूछा गया कि अगर इसके चलते भाजपा को फायदा हुआ तो क्या वह स्वीकार्य होगा तो यादव ने जवाब दिया, ''सेंट्रल इलेक्शन कमेटी की बैठक में यह बात खड़गे जी और राहुल गांधी जी से हुई चर्चा में आई थी और हमने तय किया था कि हमें पूरी ताकत से लड़ना चाहिए।''

इन टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया देते हुए, आप की दिल्ली इकाई के प्रमुख सौरभ भारद्वाज ने सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस की और इसे एक ''बड़ा रहस्योद्घाटन'' बताया तथा उन्होंने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

आठ साल से भू-अभिलेख निरीक्षण पदोन्नति परीक्षा क्यों नहीं हुई?

जयपुर, 2 सितंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने अदालती आदेश के आठ साल बाद भी पटवारी के पद से भू-अभिलेख निरीक्षक पद पर प्रमोशन के लिए होने वाली विभागीय परीक्षा नहीं होने पर रैवेन्यू बोर्ड के रजिस्ट्रार से शपथ पत्र पेश करने को कहा है। अदालत ने 8 सितंबर तक को शपथ पत्र पेश कर बताने को कहा है कि बोर्ड ने साल 2017 के आदेश और 7 मार्च 2019 को विज्ञापन जारी होने पर भी विभागीय पदोन्नति के लिए भर्ती परीक्षा आयोजित क्यों नहीं करवाई। जस्टिस महेन्द्र गोयल ने यह आदेश विवेक शर्मा की याचिका पर दिए। याचिका में अधिवक्ता विजय दत्त शर्मा ने बताया कि हाईकोर्ट ने 26 जुलाई 2017 को सतीश सिंह बनाम ६

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- हाई कोर्ट ने रैवेन्यू बोर्ड के रजिस्ट्रार को 8 सितंबर को शपथ पत्र पेश करने के निर्देश दिये।

दिल्ली हाई कोर्ट ने उमर खालिद और शरजील की जमानत याचिका खारिज की

ये दोनों 2020 के दिल्ली दंगों की साज़िश रचने के मुख्य आरोपी हैं

- दिल्ली पुलिस के वकील तुषार मेहता ने इस मामले में कहा कि उन्होंने साज़िश रचकर दंगा भड़काया था, देश की छवि खराब करने के लिए। बेहतर होगा कि बरी होने तक वे जेल में ही रहें।
- जवाहर लाल नेहरू युनिवर्सिटी के छात्र नेता उमर खालिद का जमानत पाने का यह छठा असफल प्रयास था।

- डॉ. सतीश मिश्रा -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 2 सितम्बर। दिल्ली हाई कोर्ट ने मंगलवार को 2020 के दंगों की कथित साजिश से जुड़े मामले में उमर खालिद और शरजील इमाम की ज़मानत याचिकाएं एक बार फिर खारिज कर दीं।

न्यायमूर्ति नवीन चावला और न्यायमूर्ति शलिंदर कौर की पीठ ने इस मामले से जुड़ी सभी अपीलों को खारिज करते हुए अपना फैसला सुनाया। कोर्ट ने इस याचिका पर सोमवार को सुनवाई पूरी कर ली थी।

जेएनयू के पूर्व छात्र नेता उमर खालिद के लिए यह छठी बार था जब उन्हें जमानत नहीं मिल सकी। इससे पहले वे तीन बार सत्र न्यायालय, दो बार दिल्ली हाई कोर्ट से उनकी याचिका खारिज हो चुकी है, और एक बार सुप्रीम कोर्ट से उन्हें याचिका वापस लेनी पड़ी थी।

इस मामले में अन्य आरोपियों में अथर खान, खालिद सैफी, मोहम्मद सलीम खान, शिफा-उर-रहमान, मीरान हैदर, गुलफिशा फातिमा और शादाब अहमद शामिल हैं।।

उमर खालिद ने गत माह अपना 38वां जन्मदिन पिछले महीने तिहाड़ जेल में मनाया, जहां वे पिछले पांच वर्षों से बंद हैं।

जुलाई 2025 में हाई कोर्ट ने उमर और अन्य आरोपियों की वर्ष 2022, 2023 और 2024 में दायर ज़मानत याचिकाओं पर फैसला सुरक्षित रख लिया था, जो अब खारिज कर दिया गया है।

दिल्ली पुलिस की ओर से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत में कहा था, अगर आप देश के खिलाफ कुछ कर रहे हैं, तो जब तक आप बरी नहीं होते या दोषी नहीं ठहराए जाते, तब तक आपको जेल में रहना चाहिए। राजधानी में दंगे हुए, जिनमें 100 पुलिसकर्मी और 41 अन्य घायल हुए और एक पुलिसकर्मी की जान गई।

अभियोजन पक्ष ने ज़मानत का विरोध करते हुए कहा कि यह दंगे स्वत:स्फूर्त नहीं, बल्कि पूर्व नियोजित साजिश का नतीजा थे, जिनका उद्देश्य समाज में विघटन और अराजकता फैलाना था।

उमर खालिद, शरजील इमाम और अन्य पर गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम और की विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज है। उन पर फरवरी 2020 में हुए दिल्ली दंगों के मास्टरमाइंड होने का आरोप है। इन दंगों में 53 लोगों की मौत हुई थी और 700 से अधिक लोग घायल हुए थे।

अफगानिस्तान में 24 घंटे में ही दूसरा भूकंप

काबुल, 02 सितंबर। अफगानिस्तान में एक बार फिर से भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। मंगलवार को दक्षिण-पूर्वी हिस्से में 5.5 तीव्रता का भूकंप आया। इससे पहले अफगानिस्तान के जलालाबाद में रविवार रात 6.0 तीव्रता का भूकंप आया था।

भूकंप से मरने वालों की संख्या अब तक 1411 हो गई है, जबकि घायलों का आंकड़ा 3250 से ज्यादा हो गया है। रविवार को जिस वक्त भूकंप आया, तब ज्यादातर लोग सो रहे थे, इस वजह से वे इमारतों के मलबे में दब गए। मुताबिक तालिबान ने इसकी जानकारी दी है।

अफगानिस्तान की तालिबान सरकार ने दुनियाभर से मदद मांगी है। इसके बाद भारत ने मदद के लिए 1000 टेंट काबुल भेजे हैं। साथ ही, 15 टन खाने का सामान, काबुल से कुनार भेजा।

भारत की ओर से अफगानिस्तान के भूकंप प्रभावितों की सहायता के लिए भेजी गयी सहायता सामग्री मंगलवार को काबुल पहुंच गयी।

हवाई मार्ग से भेजी गयी सहायता

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- भूकंप से अब तक 1411की मौत हो गई हैं और 3250 लोग घायल हो गए हैं। दूसरे भूकंप की तीव्रता 5.5 थी।

डॉ. दीपक मित्तल यूएई में भारत के राजदूत नियुक्त

नयी दिल्ली, 02 सितम्बर। भारतीय विदेश सेवा के अधिकारी डॉ. दीपक मित्तल को संयुक्त अरब अमीरात में भारत का अगला राजदूत नियुक्त किया गया है। विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को यहां बताया कि डा.मित्तल विदेश सेवा के 1998 बैच के अधिकारी हैं और उनके शीघ्र ही कार्यभार ग्रहण करने की संभावना है।

- 1998 बैच के अफसर डॉ. मित्तल इससे पहले कतर में भारत के राजदूत थे।

वह कतर में भारत के राजदूत रह चुके हैं। डॉ. मित्तल संजय सुधीर की जगह लेंगे जो अब तक संयुक्त अरब अमीरात में भारत के राजदूत थे। वर्ष 2021 में अफगानिस्तान से अमेरिकी सेना की वापसी के बाद उन्होंने भारत और तालिबान शासन के बीच औपचारिक संपर्क शुरू कराने में अहम भूमिका निभायी थी।

भारत और संयुक्त अरब अमीरात

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'मेरे पास तमिलाडु व केरल का ''चार्ट'' है, जब राज्यपाल ने कब -कब कितना विलम्ब किया, विधेयक को स्वीकार करने में'

अभिशेख मनु सिंघवी, के इन दावों के प्रत्युत्तर में सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा, मेरे पास भी अन्य राज्यों का चार्ट है, जहां कब-कब राज्यपाल ने कितनी देरी लगाई अपने सहमति देने में

- मुख्य न्यायाधीश ने इस पर कहा, सुप्रीम कोर्ट राजनीतिक मंच न बनाये, अपने राजनीतिक सोच को प्रकट करने के लिये।
- सुप्रीम कोर्ट में, राज्यपाल व राष्ट्रपति द्वारा किसी विधेयक के बारे में अपना निर्णय देने के लिये समय निर्धारण का मामला था।
- सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि, किस राज्यपाल ने कितना विलम्ब किया, अपना निर्णय देने में, ऐसे चार्ट प्रस्तुत करना कोई सम्मानजनक बात नहीं है, यह मामला आखिरकार, राष्ट्रपति मुर्मू ने कानूनी स्थिति की व्याख्या करने के लिये सुप्रीम के सम्मुख भेजा है। पर अगर वरिष्ठ अधिवक्ता सिंघवी इस रास्ते पर चलना चाहते हैं, तो भी तैयार हूँ।
- सिंघवी ने प्रत्युत्तर में कहा, ''मिस्टर मेहता धमकी नहीं चलेगी।''

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 2 सितम्बर। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि राज्यपाल की शक्तियों के मामले में उसका निर्णय इस पर निर्भर नहीं करेगा कि केंद्र या राज्य में कौन सी राजनीतिक पार्टी सत्ता में है।

अदालत राष्ट्रपति द्वारा भेजे गए उस संदर्भ पर सुनवाई कर रही थी जिसमें अप्रैल के फैसले पर सवाल उठाया गया है। इस फैसले में राष्ट्रपति और राज्यपाल को विधेयकों पर निर्णय लेने के लिए समय-सीमा तय की गई थी।

मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई की अध्यक्षता वाली संविधान पीठ में न्यायमूर्ति सूर्यकांत, विक्रम नाथ, पीएस नरसिम्हा और अतुल एस चंदुरकर शामिल हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संविधान के अनुच्छेद 143 के तहत यह संदर्भ सुप्रीम कोर्ट को भेजा है।

सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई ने कहा, हम इस मुद्दे पर निर्णय राजनीतिक परिस्थितियों या सत्ता में कौन है, या कौन था इस आधार पर नहीं करेंगे।

यह टिप्पणी उस समय आई जब वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी (तमिलनाडु राज्य की ओर से) और सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता (केंद्र सरकार की ओर से) राज्यपालों द्वारा विधेयकों को मंजूरी देने में देरी के मामलों पर आंकड़ों को लेकर बहस कर रहे थे।

सिंघवी ने कहा, मेरे पास तमिलनाडु और केरल के आंकड़े हैं, इस पर मेहता ने विरोध किया और कहा कि उनके पास अन्य राज्यों के आंकड़े भी हैं। उन्होंने कहा, अगर वह गंदे रास्ते पर जाना चाहते हैं तो मुझे कोई आपत्ति नहीं, मैं भी तैयार हूं, लेकिन यह आवश्यक नहीं है। यह एक राष्ट्रपतीय संदर्भ है।

जवाब में सिंघवी ने कहा, धमकियों से कुछ नहीं होगा। सिंघवी ने यह भी कहा कि हो सकता है कि मेहता के पास अन्य राज्यों के भी ऐसे ही मामलों की सूची हो, जहां राज्यपालों ने मंजूरी में देरी की हो। इस पर मेहता ने जवाब दिया कि उनके पास 1947 से लेकर विवरण है कि संविधान के साथ कैसे खिलवाड हुआ। इस पर गवई ने स्पष्ट किया, 1947 में अनुच्छेद 200 और 201 अस्तित्व में नहीं थे। मेहता ने कहा कि उनका मतलब संविधान के अस्तित्व में आने के समय से था।

गवई ने यह भी कहा, हम नहीं चाहते कि यह मंच राजनीतिक बहस का अड्डा बने।

यह राष्ट्रपतीय संदर्भ सुप्रीम कोर्ट के 11 अप्रैल के फैसले के बाद आया है, जिसमें तमिलनाडु राज्य बनाम तमिलनाडु के राज्यपाल केस में फैसला सुनाते हुए अदालत ने कहा था कि राज्यपालों को विधेयकों पर उचित समय के भीतर निर्णय लेना होगा और संवैधानिक मौन का उपयोग लोकतांत्रिक प्रक्रिया को बाधित करने के लिए नहीं किया जा सकता। अदालत ने कहा था कि यद्यिप अनुच्छेद 200 किसी समय-सीमा का उल्लेख नहीं करता, फिर भी इसका यह अर्थ नहीं निकाला जा सकता कि राज्यपाल अनिश्चित काल तक निर्णय लेने से बचते रहें।

विचार बिन्दु

आत्मा एक चेतन तत्त्व है, जो अपने रहने के लिए उपयुक्त शक्ति का आश्रय लेता है और एक शरीर से दूसरे शरीर में जाता है। भौतिक शरीर इस आत्मा को धारण करने के लिए विवश होता है। –गेटे

धर्मांतरण का आपराधिक कानून और व्यक्तिगत स्वतंत्रता

राजस्थान विधि विरुद्ध धर्म परिवर्तन प्रतिषेध विधेयक, 2025 को 3 फरवरी, 2025 को राज्य विधानसभा के बजट सत्र के दौरान पेश किया गया था। अब घोषणा की गई है कि उसे पारित करने से पहले राज्य मंत्रिमंडल ने उसे और अधिक कठोर बनाया है। इस विधेयक का उद्देश्य राज्य में जबरन धर्म परिवर्तन को रोकना बताया गया है। विधेयक में अवैध धर्म परिवर्तन को संज्ञेय और गैर-जमानती अपराध के रूप में वर्गीकृत किया गया है। अपराधियों को इस जुर्म के लिए उम्र क़ैद और 50,000 रुपये का जुर्माने का प्रस्ताव किया गया है। विधेयक का परिचय जबरन धर्मांतरण के उन बढ़ते मामलों को रोकने की व्यवस्था के रूप में दिया गया है, जिसे इन दिनों 'लव जिहाद' कहा जाता है। इस शब्द का इस्तेमाल भाजपा और उसके सहयोगी उन मामलों का वर्णन करने के लिए करते हैं जहां मुस्लिम पुरुष कथित तौर पर हिंदू महिलाओं से विवाह उनका धर्म परिवर्तन करने के लिए करते हैं। सरकार का तर्क है कि यह विधेयक कमज़ोर व्यक्तियों को धर्मांतरण से बचाएगा। राजस्थान मंत्रिमंडल द्वारा नये कठोर विधेयक को मंज़ूरी देना शासनरूढ़ दल के अति उत्साह को दर्शाता है। हालांकि, ऐसे विधेयक का विरोध करने वालों का तर्क है कि यह सामाजिक विभाजन पैदा करने के व्यापक एजेंडे का हिस्सा है किन्तु सरकार का तर्क है कि यह कानून राज्य में सामाजिक सद्भाव को बनाए रखने में मदद करेगा। इसका उद्देश्य धर्मांतरण से जुड़ी जटिलताओं से निबटना है।

राज्य सरकार ने धर्मांतरण विरोधी कानून लाने का पहला प्रयास 2006 में किया था, जब भाजपा नेता वसुंधरा राजे मुख्यमंत्री के रूप में पहली बार सत्ता में आई थीं। राजस्थान धर्म स्वतंत्रता विधेयक, 2006 का उद्देश्य बल, प्रलोभन या धोखाधड़ी के माध्यम से धर्मांतरण को रोकना था। कांग्रेस, मानवाधिकार संगठनों और अल्पसंख्यक समूहों ने यह कह कर उसका विरोध किया था कि यह कानून हिंदू समूहों को खुश करने के लिए धार्मिक अल्पसंख्यकों को परेशान करने के लिए लाया जा रहा है। तत्कालीन राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल ने वह विधेयक वापस कर दिया था। फिर 2008 में, संबंधित जिला कलेक्टर की पूर्व स्वीकृति अनिवार्य करने सहित नए प्रावधानों के साथ विधेयक का संशोधित संस्करण भी केंद्र के पास अटका रहा। राजे ने मुख्य मंत्री के रूप में अपने दूसरे कार्यकाल (2013-2018) में 2008 के विधेयक को लागू करवाने की कोशिश की और उसे केंद्र के सामने रखा, जिसने नवंबर 2017 में यह कहते हुए वापस कर दिया कि यह राष्ट्रीय नीति से भटक गया है। कानून के अभाव में, राजस्थान उच्च न्यायालय ने 2017 में जबरन धर्मांतरण को रोकने के लिए दिशा-निर्देश जारी किए। वैसे धर्मांतरण विरोधी कानून, जिन्हें अक्सर "धर्म की स्वतंत्रता अधिनियम" के रूप में संदर्भित किया जाता है, का इतिहास बहुत पुराना है। भारत में पहली बार 1930 और 1940 के दशक में ब्रिटिश औपनिवेशिक काल के दौरान हिंदू रियासतों द्वारा ब्रिटिश मिशनरियों के सामने हिंदू धार्मिक पहचान को बचाने के प्रयास के रूप में धर्मांतरण विरोधी कानून लागू किये गये थे। स्वतंत्रता के बादभी केंद्र सरकार की तरफ से धर्मांतरण विरोधी कानून बनाने के लिए कई प्रयास होते रहे हैं। पहला प्रयास 1954 में किया गया जब भारतीय धर्मांतरण (विनियमन और पंजीकरण) विधेयक लाया गया, जिसका उद्देश्य ईसाई मिशनरियों के लाइसेंस और धर्मांतरण के पंजीकरण को लागू करना था। इसके बाद, संसद में कुछ और निजी सदस्य विधेयक पेश किए गए, लेकिन कोई भी पारित नहीं हो सका क्योंकि उन्हें राजनीतिक समर्थन नहीं मिल सका। वर्ष 2015 में, विधि और न्याय मंत्रालय ने राष्ट्रीय कानून बनाने के खिलाफ सलाह दी। उसका कहना था कि केंद्र द्वारा कानून बनाना तर्कसंगत नहीं है क्योंकि भारतीय संविधान के तहत धर्म पूरी तरह से राज्य का विषय है। बाद में इसलिए, कई राज्य सरकारों ने बल, प्रलोभन या धोखाधड़ी से किए गए धार्मिक धर्मांतरण को प्रतिबंधित करने के लिए "धर्म की स्वतंत्रता" अधिनियम बनाए हैं। वर्तमान में 12 राज्यों में ऐसे अधिनियम लागू हैं, जिनमें मध्य प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश और छत्तीसगढ़ कुछ प्रदेश हैं। इन राज्य-स्तरीय कानूनों के सामान्य प्रावधानों में धर्मांतरण की अनिवार्य रूप से पूर्व सूचनादेना, 'प्रलोभन' के लिए दंड और आरोपी पर सबूत का भार स्थानांतरित करना शामिल है। इन कानूनों का घोषित उद्देश्य सार्वजनिक व्यवस्था को बनाए रखना और कमज़ोर आबादी की रक्षा करना है, लेकिन इनकी अस्पष्ट परिभाषाओं, दुरुपयोग और धार्मिक अल्पसंख्यकों और अंतरधार्मिक जोड़ों को निशाना बनाने के लिए आलोचना होती रही है।

अदालत ने कहा कि राज्य का कर्तव्य है कि वह व्यक्तिगत स्वतंत्रता की रक्षा करे, तब भी जब अंतरधार्मिक विवाह संबंधों के खिलाफ सामाजिक या पारिवारिक आपत्तियां उठती हों। इसी तरह, मध्य प्रदेश में, उच्च न्यायालय ने धर्मांतरण विरोधी उन प्रावधानों के दुरुपयोग की आलोचना की, जो अंतरधार्मिक संबंधों की अनुचित जांच करते हैं। इसने यह भी स्पष्ट किया कि कैसे धर्मांतरण की पूर्व सूचना की आवश्यकता, जबरदस्ती और प्रलोभन की अस्पष्ट परिभाषाओं के कारण भय और दमन का माहौल बन रहा है, जिससे व्यक्ति अपनी धार्मिक और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का प्रयोग करने से हतोत्साहित हो रहे हैं।

उड़ीसा और मध्यप्रदेश धर्मांतरण विरोधी कानूनबनाने वाले देश के पहले दो प्रदेश रहे। उनके बनाए कानूनों - उड़ीसा धर्म स्वतंत्रता अधिनियम, 1967 और मध्यप्रदेश धर्म स्वातंत्र्य अधिनियम, 1968-की न्यायिक समीक्षा भी हुई। न्यायपालिका ने रेव. स्टैनिस्लॉस बनाम मध्य प्रदेश राज्य (1977) में कानून की पुष्टि की थी। न्यायालय ने कहा कि अनुच्छेद 25 के तहत संविधान में दूसरों को धर्मांतरित करने का अधिकार शामिल नहीं है। इसने इस बात पर जोर दिया कि जबरदस्ती या प्रलोभन के माध्यम से धर्मांतरण करने के प्रयास सभी नागरिकों को समान रूप से गारंटीकृत "विवेक की स्वतंत्रता" का उल्लंघन करते हैं। न्यायालय ने स्पष्ट किया कि प्रचार केवल अनुनय या बिना किसी दबाव के व्याख्या करने को संदर्भित करता है। अदालती निर्णय ने धर्मांतरण विरोधी कानूनों को सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने से भी जोड़ा, और कहा कि जबरन धर्मांतरण से अशांति हो सकती है, जो संविधान की सातवीं अनुसूची (प्रविष्टि I, सूची II) के अनुसार राज्यों की विधायी क्षमता के अंतर्गत आता है। इस प्रकार, न्यायालय ने प्रतिबंधों में व्यक्तिगत स्वतंत्रता को सार्वजनिक व्यवस्था की चिंताओं के साथ संतुलित करते हुए संवैधानिक पाया। हालांकि, आलोचकों का तर्क है कि यह निर्णय अनुच्छेद 21 के तहत व्यक्तिगत स्वायत्तता और गोपनीयता की आधुनिक व्याख्याओं से पहले का है, जैसा कि न्यायमूर्ति के.एस. पुट्टस्वामी बनाम भारत संघ (2017) जैसे मामलों में व्यक्त किया गया है। ऐसे कानून न केवल धार्मिक स्वतंत्रता का उल्लंघन करते हैं, बल्कि जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार (अनुच्छेद 21) और समानता के अधिकार (अनुच्छेद 14) सहित अन्य मौलिक अधिकारों का भी प्रतिकार करते हैं और इसलिए इन्हें अनुचित और असंवैधानिक कहा जाता है।

अब नई परिस्थितियों में उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के उच्च न्यायालयों के हालिया निर्णयों ने धर्मांतरण विरोधी कानूनों के दुरुपयोग के बारे में महत्वपूर्ण मुद्दों को रेखांकित किया है, विशेष रूप से अंतरधार्मिक जोड़ों से जुड़े मामलों में। इन न्यायालयों ने पाया है कि ऐसे कानूनों के कार्यान्वयन से कई बार उन व्यक्तियों को परेशान किया गया है और निशाना बनाया गया है जिन्होंने स्वेच्छा से विवाह किया या अन्य व्यक्तिगत कारणों से धर्मांतरण करना चुना है। उदाहरण के लिए, उत्तर प्रदेश में, इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने कई मामलों में हस्तक्षेप किया है जहां अंतरधार्मिक विवाहों को रद्द करने या सहमति देने वाले वयस्कों को अपराधी बनाने के लिए धर्मांतरण विरोधी कानूनों का इस्तेमाल किया गया था। न्यायालय ने इस बात पर जोर दिया कि ऐसे कानूनों का इस्तेमाल संविधान के अनुच्छेद 21 और 25 के तहत गारंटीकृत व्यक्तिगत स्वतंत्रता और पसंद की स्वतंत्रता के किसी व्यक्ति के मौलिक अधिकार का उल्लंघन करने के लिए एक उपकरण के रूप में नहीं किया जा सकता है। अदालत ने कहा कि राज्य का कर्तव्य है कि वह व्यक्तिगत स्वतंत्रता की रक्षा करे, तब भी जब अंतरधार्मिक विवाह संबंधों के खिलाफ सामाजिक या पारिवारिक आपत्तियां उठती हों। इसी तरह, मध्य प्रदेश में, उच्च न्यायालय ने धर्मांतरण विरोधी उन प्रावधानों के दुरुपयोग की आलोचना की, जो अंतरधार्मिक संबंधों की अनुचित जांच करते हैं। इसने यह भी स्पष्ट किया कि कैसे धर्मांतरण की पूर्व सूचना की आवश्यकता, जबरदस्ती और प्रलोभन की अस्पष्ट परिभाषाओं के कारण भय और दमन का माहौल बन रहा है, जिससे व्यक्ति अपनी धार्मिक और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का प्रयोग करने से हतोत्साहित हो रहे हैं।

अनुभव बताता है कि जबरन या धोखाधड़ी से धर्मांतरण के वास्तविक मामलों को संबोधित करने का जब राज्य प्रयास करता है तब अक्सर व्यक्तिगत अधिकारों का अतिक्रमण होता है, विशेष रूप से अंतरधार्मिक विवाहों के संदर्भ में। पहले ऐसे कानून के निशाने पर ईसाई होते थे अब मुसलमान हैं। भारतीय समाज को सामूहिक धर्म परिवर्तन की समस्या ईसाई मिशनरियों से रही। मुसलमानों के साथ हिंदुओं की समस्या सामूहिक धर्म परिवर्तन की न होकर अंतरधार्मिक विवाह की है जिसे लव जिहाद का नाम देकर ऐसी धारणा बनाने की कोशिश की गई है कि यह सामूहिक धर्म परिवर्तन का छद्म रूप है। हमारे यहां तो अपनी जाति से बाहर भी विवाह की इजाजत परंपरागत समाजों में नहीं है। ऐसे विवाहों पर जातियों की खापों के फैसले दिल दहला देने की हद वाले होते भी सबने देखे हैं। इसीलिए यह चिंता व्यक्त की जाती है कि इस प्रकार के कानून धार्मिक असहिष्णुता को बढ़ावा दे सकते हैं और समाज में विभिन्न धर्मों के बीच भेदभाव को प्रोत्साहित कर सकते हैं। असल बात यह है कि हम कैसा समाज बनाना चाहते हैं? हमारे संविधान की उद्घोषणा है, हम, भारत के लोग, भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व सम्पन्न समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने तथा समस्त नागरिकों को, सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय दिलाने के वास्ते विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, आस्था और पूजा की स्वतंत्रता; हैसियत और अवसर की समानता, और उन सभी के बीच बढ़ावा देने, व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता और अखंडता का आश्वासन देने वाली बंधुता की सुरक्षा प्रदान करने के लिए सत्यनिष्ठा से संकल्प लेते हैं। ऐसा संविधान सम्मत समाज बनाने की ही आज सबसे अधिक जरूरत है।

–अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

शिक्षा का भविष्य: चुनौतियाँ, विरोधाभास और समाधान

अशोक कुमार

शिक्षा की अवधारणा केवल तथ्यों और आँकड़ों के संचय तक सीमित नहीं है; यह एक उद्देश्यपूर्ण, सामाजिक और सांस्कृतिक प्रक्रिया है जो समाज के लक्ष्यों को आकार देती है और उसे आगे बढ़ाती है। इसका वास्तविक अर्थ मनुष्य को मानव बनाना और उसके जीवन को प्रगतिशील, सांस्कृतिक और सभ्य बनाना है। यह व्यक्ति और समाज, दोनों के आंतरिक विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। शिक्षा एक आजीवन चलने वाली त्रि-ध्रुवीय प्रक्रिया है, जिसमें अध्यापक, छात्र और सामाजिक वातावरण (पाठ्यक्रम सहित) तीन मुख्य स्तंभ हैं। अच्छी शिक्षा का उद्देश्य केवल ज्ञान की मात्रा बढ़ाना नहीं, बल्कि छात्रों को एक स्वस्थ और समृद्ध संसार के लिए तैयार करना, उनकी सोच को विकसित करना और दूसरों की बातों को गहराई से समझने में सक्षम बनाना है।

ऐतिहासिक रूप से, भारतीय शिक्षा का लक्ष्य धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष जैसे जीवन के सर्वांगीण लक्ष्यों को प्राप्त करना रहा है। आधुनिक समय में भी, कोठारी आयोग जैसे विभिन्न आयोगों ने राष्ट्र के आर्थिक उत्पादन में वृद्धि, सामाजिक एवं राष्ट्रीय एकता, जनतंत्र को सुदृढ़ बनाने और नैतिक मूल्यों के विकास जैसे व्यापक लक्ष्यों को निर्धारित किया है। हालाँकि, एक गहरा विरोधाभास यह है कि जहाँ हम सैद्धांतिक रूप से सर्वांगीण विकास की बात करते हैं, वहीं व्यवहार में हमारी शिक्षा प्रणाली का मुख्य ध्यान केवल रोजगार-केंद्रित हो गया है। यह असंतुलन लक्ष्य-विहीन शिक्षा को जन्म देता है, जो अंततः शिक्षित बेरोजगारी की समस्या को और गहरा करता है।

वर्तमान संरचना और नीतिगत ढाँचा

स्वतंत्रता के बाद से, भारतीय शिक्षा प्रणाली 10+2+3 के पारंपरिक पैटर्न पर संरचित रही है। हाल ही में, राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 ने 5+3+3+4 की नई पाठ्यचर्या प्रणाली अपनाकर इस ढांचे में आमूल-चूल परिवर्तन का प्रस्ताव रखा है। इस नीति का उद्देश्य 2030 तक शिक्षा का सार्वभौमिकरण करना और कक्षा 5 तक मातृभाषा में अध्यापन पर विशेष जोर देना है। यह एक प्रगतिशील कदम है, लेकिन इसके कार्यान्वयन की चुनौतियाँ बनी हुई हैं। वार्षिक शिक्षा स्थिति रिपोर्ट (ASER) के आँकड़े लगातार छात्रों में बुनियादी पढ़ने और अंकगणितीय कौशल की कमी को दर्शाते हैं, जो नीतियों और उनके जमीनी क्रियान्वयन के बीच की खाई को उजागर करता है।

सार्वजनिक शिक्षा: वित्तपोषण और संस्थागत बाधाएँ

यह एक आम धारणा है कि सरकार सार्वजनिक शिक्षा पर पर्याप्त खर्च नहीं करती है, और आँकड़े इस धारणा को बल देते हैं। यद्यपि शिक्षा मंत्रालय के बजटीय आवंटन में निरपेक्ष रूप से वृद्धि हुई है (2025-26 के लिए अनुमानित 1,28,650 करोड़), लेकिन यह वृद्धि भ्रामक हो सकती है। पिछले चार वर्षों से, शिक्षा पर कुल सार्वजनिक व्यय (केंद्र + राज्य) सकल घरेलू उत्पाद (GDP) के लगभग 2.9% पर स्थिर बना हुआ है, जो राष्ट्रीय शिक्षा नीति द्वारा अनुशंसित 6% के लक्ष्य से बहुत कम है। यह दर्शाता है कि शिक्षा पर खर्च केवल समग्र आर्थिक विस्तार के साथ तालमेल बिठा रहा है, इसे राष्ट्रीय प्राथमिकता के रूप में कोई विशेष बढ़ावा नहीं मिला है।

इस समस्या को राज्यों का खराब राजकोषीय स्वास्थ्य और गहरा करता है, क्योंकि शिक्षा पर कुल व्यय का लगभग 76% राज्यों द्वारा वहन किया जाता है। अपर्याप्त वित्तपोषण का सीधा प्रभाव संस्थागत गुणवत्ता पर पड़ता है:-

शिक्षकों की कमी: विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) के अनुसार, केंद्रीय विश्वविद्यालयों में प्रोफेसरों के 35%, एसोसिएट प्रोफेसरों के 46% और सहायक प्रोफेसरों के 26% पद रिक्त हैं। अपर्याप्त बुनियादी ढाँचा: UDISE (2019-20) के आँकड़ों के अनुसार, केवल 12% स्कूलों में इंटरनेट और 30% में कंप्यूटर उपलब्ध हैं। 23% स्कूलों में बिजली तक नहीं है। गुणवत्ता में गिरावट: अपर्याप्त संसाधन, शिक्षकों की कमी और पुरानी शिक्षण विधियों के कारण सरकारी स्कूलों की गुणवत्ता में गिरावट आई है, जिससे वे निजी संस्थानों के सामने अप्रतिस्पर्धी हो गए हैं।

निजी क्षेत्र का उदय और संबंधित चिंताएँ

सार्वजनिक शिक्षा की इन्हीं कमियों के कारण पिछले दो दशकों में निजी शिक्षा का तेजी से विकास हुआ है। 2021-22 में, कुल स्कूलों में से 32%से अधिक निजी गैर-सहायता प्राप्त स्कूल थे। सरकार ने भी सार्वजनिक-निजी भागीदारी (PPP) और शिक्षा का अधिकार (RTE) अधिनियम, 2009 के माध्यम से निजी क्षेत्र को प्रोत्साहित किया है, जिसके तहत निजी स्कूलों को आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों (EWS) के छात्रों के लिए 25% सीटें आरक्षित करनी होती हैं, जिसकी प्रतिपूर्ति सरकार करती है।

हालांकि निजीकरण ने विकल्प प्रदान किए हैं, लेकिन इसने गंभीर सामाजिक और आर्थिक असमानताओं को भी जन्म दिया है। निजी स्कूलों की भारी फीस उन्हें अधिकांश आबादी की पहुँच से बाहर कर देती है, जिससे एक समानांतर शिक्षा प्रणाली का निर्माण होता है जहाँ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा केवल उन्हीं को मिलती है जो इसका खर्च उठा सकते हैं।

गुणवत्ता सुधार के लिए रणनीतिक रोडमैप

फिनलैंड की शिक्षा प्रणाली, जिसे दुनिया में सर्वश्रेष्ठ माना जाता है, एक शक्तिशाली सबक प्रदान करती है। वहाँ की सफलता का आधार निजीकरण नहीं, बल्कि एक मजबूत, समान और पूरी तरह से सार्वजनिक रूप से वित्तपोषित प्रणाली है। फिनलैंड की सफलता के स्तंभ हैं: शिक्षक का सम्मान और स्वायत्तता: वहाँ शिक्षक बनना एक अत्यंत प्रतिष्ठित पेशा है और शिक्षकों को अपनी शिक्षण विधियों को चुनने की पूरी स्वतंत्रता होती है। समग्र मूल्यांकन: ग्रेडिंग और उच्च-दाँव वाली परीक्षाओं के बजाय सीखने की प्रक्रिया और मौखिक मूल्यांकन पर जोर दिया जाता है। समान अवसर: सभी छात्रों को, उनकी सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि की परवाह किए बिना, समान गुणवत्ता वाली शिक्षा मिलती है।

इसके विपरीत, भारत में यह धारणा है कि केवल निजीकरण ही गुणवत्ता ला सकता है। हालाँकि, राजस्थान की आदर्श योजना इस धारणा को चुनौती देती है। इस सरकारी पहल के माध्यम से, प्रणालीगत सुधारों, बुनियादी ढाँचे के उन्नयन और शिक्षक रिक्तियों को भरकर सरकारी स्कूलों की गुणवत्ता में इतना सुधार किया गया कि नामांकन में लगभग 700,000 छात्रों की वृद्धि हुई, जिनमें से कई छात्र निजी स्कूलों से वापस आए। यह साबित करता है कि रणनीतिक निवेश और मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति से सार्वजनिक शिक्षा प्रणाली को पुनर्जीवित किया जा सकता है।

नीतिगत और संस्थागत सुधारों की आवश्यकता

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की ओर बढ़ने के लिए एक बहु-आयामी रणनीति की आवश्यकता है: वित्तीय प्रतिबद्धता बढ़ाना: सरकार को शिक्षा पर अपना बजटीय व्यय GDP के अनुशंसित 6% तक बढ़ाने का लक्ष्य रखना चाहिए। यह केवल आवंटन बढ़ाने के बारे में नहीं है, बल्कि धन के प्रभावी उपयोग को सुनिश्चित करने के बारे में भी है। शिक्षक सशक्तिकरण: शिक्षकों के रिक्त पदों को तत्काल भरना, उन्हें नियमित और आकर्षक वेतन देना, और उन्हें विश्व स्तरीय सेवा-पूर्व और सेवाकालीन प्रशिक्षण प्रदान करना सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। शिक्षकों को फिनलैंड की तरह अधिक स्वायत्तता और सम्मान देना होगा। NEP 2020 का प्रभावी कार्यान्वयन: रटने की संस्कृति को समाप्त करने और महत्वपूर्ण सोच, रचनात्मकता और समस्या-समाधान जैसे 21वीं सदी के कौशल को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित करना आवश्यक है। मूल्यांकन में सुधार: पारंपरिक परीक्षाओं से हटकर, मूल्यांकन को PARAKH (समग्र विकास के लिए प्रदर्शन का आकलन, समीक्षा और ज्ञान का विश्लेषण) जैसे राष्ट्रीय मूल्यांकन केंद्र के माध्यम से नियमित, रचनात्मक और दक्षता-आधारित बनाया जाना चाहिए। निजी क्षेत्र का सख्त विनियमन: निजी स्कूलों में वित्तीय पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए एक मजबूत नियामक ढाँचा स्थापित करना आवश्यक है ताकि वे शिक्षा के मिशन से विचलित न हों।

–अशोक कुमार,
पूर्व कुलपति, कानपुर एवं गोरखपुर विश्वविद्यालय; पूर्व विभागाध्यक्ष, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर

आजादी के बाद पहली बार रेल मार्ग से जुड़ने जा रहा है "आइजोल"

राजस्थान के पत्रकारों के दल को आइजोल में इस रेल से यात्रा कराई

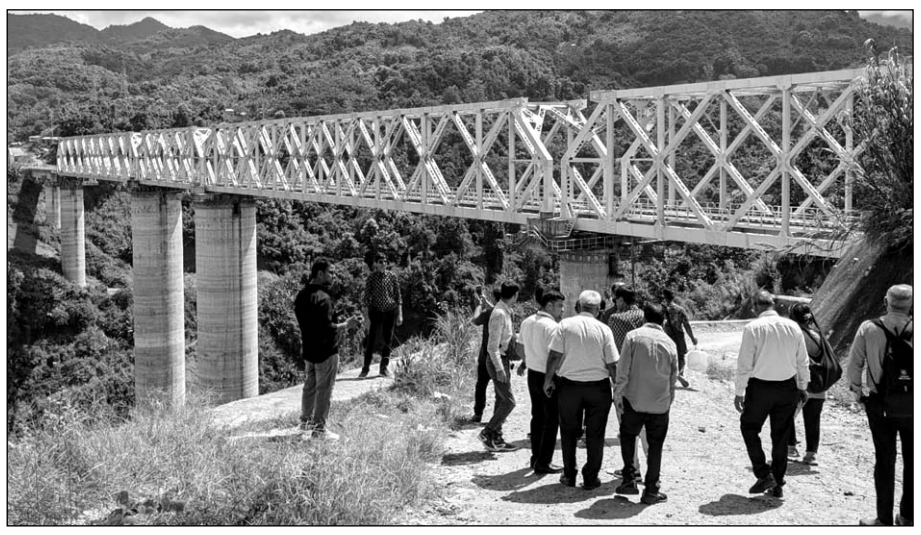

- **इस रेल लाइन का उद्घाटन 13 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे**

आजादी के इतने वर्षों बाद मिजोरम के लोगों का बहुप्रतीक्षित सपना पूरा होने जा रहा है। आइजोल पहली रेल मार्ग से जुड़ने जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 13 सितंबर को इसका उद्घाटन करेंगे। एनएफ रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी कपिंजल किशोर शर्मा ने बताया कि मिज़ोरम की राजधानी आइज़ोल पहली बार रेल नेटवर्क से जुड़ रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राज्य के लोगों को एक बड़ी सौगात देने वाले हैं। इस रेल लाइन का उद्घाटन 13 सितंबर को खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे। राजस्थान के पत्रकारों के दल को इस रेल से यात्रा कराई गई।

ये रेल लाइन आइजोल को पूरे देश से जोड़ेगी। पहले ये आइजोल को असम के सिलचर से जोड़ेगी। फिर वहां से पूरे देश के साथ कनेक्ट होगी। इस रेलवे रूट में 48 सुरंगें, जिनकी लंबाई 12.8 किमी और 55 बड़े पुल शामिल हैं। इसके साथ ही 87 छोटे पुल भी बने हैं। यह पुल एक पिल्लर पर पर भारत का सबसे ऊंचा पुल है। इसमे पुल की ऊंचाई 114 मीटर है। यह प्रोजेक्ट मिजोरम को देश के बाकी हिस्सों से बेहतर तरीके से जोड़ेगी और पूर्वोत्तर क्षेत्र में व्यापार के साथ पर्यटन को एक नई दिशा देगा।

गौरतलब है कि सैरांग रेलवे स्टेशन को एक वर्ल्ड क्लास फैसिलिटी सेंटर के तौर पर डेवलप किया गया है। इसके बाद इस रेलवे स्टेशन से राजधानी एक्सप्रेस सेवा भी शुरू की जाएगी। ये रेल प्रोजेक्ट केंद्र की एक्ट ईस्ट पॉलिसी का पार्ट है, जो करीब 51.38 किलोमीटर लंबी रेल परियोजना है। इसका मकसद उत्तर-पूर्वी राज्यों में बेहतर कनेक्टिविटी और आर्थिक विकास को बढ़ावा देना है। आइजोल मिज़ोरम की राजधानी है। अपनी ऊँची एवं हरी-भरी पहाड़ियों और शांत वातावरण के लिए जाना जाता है। विभिन्न सांस्कृतिक धरोहर को अपने आंचल में समेटे पहाड़ों की नगरी आइजोल भारत के अग्रणी पर्यटन स्थलों में से एक है।

अब तक रेल मार्ग से नहीं जुड़ा होने से विश्व पर्यटन क्षेत्र में आइजोल अपनी खूबसूरती का लाभ नहीं मिल पाया है। आइज़ोल भारत के मिज़ोरम राज्य का सबसे बड़ा शहर है। यह शहर मिज़ोरम के उत्तरी भाग में कर्क रेखा के उत्तर में स्थित है और समुद्र तल से 1132 मीटर (3715 फीट) ऊँची एक पहाड़ी पर स्थित है, जिसके पश्चिम में त्लावंग नदी घाटी और पूर्व में तुइरियल नदी घाटी बहती है। अब आईजोल रेलमार्ग से जुड़ने जा रहा है। स्थानीय निवासियों में रेलमार्ग से जुड़ने की खुशी छाई हुई है। इनका उत्साह देखते बनता है। स्थानीय एक व्यक्ति ने कहा कि हम रेल से जुड़ने जा रहे हैं। इसकी खुशी किसी पर्व से कम नहीं है। पर्यटन में हम आसमान छूने वाले हैं।

गौरतलब है कि पूर्वोत्तर भारत में स्थित मिजोरम एक दर्शनीय और सांस्कृतिक रूप से जीवंत राज्य है। इसकी सीमायें म्यांमार, बांग्लादेश और भारतीय राज्यों त्रिपुरा, असम और मणिपुर से लगती हैं। "पहाड़ी लोगों की भूमि" के रूप में प्रसिद्ध मिज़ोरम की विशेषता इसकी घुमावदार पहाड़ियां, घने जंगल और उल्लेखनीय जैव विविधता है। मिज़ोरम कई जातीय समूहों को वात्सल्यभाव से अपने में समेटे हुए हैं। अपनी प्राकृतिक सुंदरता, सांस्कृतिक समृद्धि और गर्मजोशी भरे आतिथ्य के साथ, मिज़ोरम एक स्थायी और शांत पर्यटन स्थल के रूप में जाना जाता है। अपार संभावनाएं हैं। अपने मनमोहक प्राकृतिक परिदृश्य, जीवंत संस्कृति और गर्मजोशी भरे आतिथ्य के कारण मिज़ोरम के आने वाले समय में भारत का सिरमौर पर्यटन स्थल बनने की ओर अग्रसर है। मिज़ोरम बाँस और बेंत की कारीगरी में अपनी विशेषज्ञता के लिए जाना जाता है। हस्तशिल्प के लिए भी यहां का अलग ही रुतबा है। वस्त्र, बाँस, बेंत की कारीगरी और टोकरी बनाना शिल्पकला यहां की सांस्कृतिक पहचान है। कई महिलाएं बुनाई और टोकरी बनाने का काम करती हैं, जबकि बाँस और बेंत का उद्योग फल-फूल रहा है। रेल मार्ग से जुड़ जाने के बाद यहां के अन्य उद्योगों को भी फलने फूलने का अवसर मिल जाएगा।

आइजोल के मुख्य पर्यटन स्थलों में आइजोल पीक, डर्टलैंग हिल्स, चनमारी, टामदिल, और हमुईफांग शामिल हैं। प्रकृति और संस्कृति का अद्भुत संगम पर्यटक को आनन्द प्रदान करता हैं।

-मिश्रीलाल पंवार।

राशिफल बुधवार 3 सितम्बर, 2025

पंडित अनिल शर्मा

भाद्रपद मास, शुक्ल पक्ष, एकादशी तिथि, बुधवार, विक्रम संवत 2082, पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र रात्रि 11:44 तक, आयुष्मान योग सायं 4:17 तक, वणिज करण सायं 4:07 तक, चन्द्रमा आज धनु राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-सिंह, चन्द्रमा-धनु, मंगल-कन्या, बुध-सिंह, गुरू-मिथुन, शुक्र-कर्क, शनि-मीन, राहु-सिंह, केतु-सिंह राशि में।

आज रवियोग रात्रि 11:08 तक है। भद्रा सायं 4:07 से रात्रि 4:22 तक है। आज पदमा एकादशी व्रत, जल झूलनी और पतिवर्तनी एकादशी, डोल ग्यारस पर्व है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: लाभ-अमृत सूर्योदय से 9:18 तक, शुभ 10:52 से 12:26 तक, चर 3:34 से 5:08 तक, लाभ 5:08 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 6:11, सूर्यास्त 6:42

मेष
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। शुभ कार्य के लिए यात्रा संभव है। व्यावसायिक कार्यों के लिए भागदौड़ रहेगी।

सिंह
व्यावसायिक खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को भागदौड़ रहेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

धनु
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल में वृद्धि होगी। आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

वृष
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान उत्पन्न हो सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। यात्रा कष्टप्रद हो सकती है।

कन्या
घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक यात्रा संभव है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मकर
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा। स्वास्थ्य संबंधित मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी।

मिथुन
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

तुला
व्यावसायिक प्रयासों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन हो सकता है। आय में वृद्धि होगी।

कुंभ
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। नौकरीपेशा व्यक्तियों को मानसिक तनाव बना रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कर्क
व्यक्तिगत परेशानियां दूर होने लगेंगी। मन का भय समाप्त होगा। विवादित मामलों का निपटारा हो सकता है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

वृश्चिक
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। आवश्यक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे।

मीन
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों में उचित सफलता मिल सकती है। अटके हुए कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे।

सार-समाचार

खिलाड़ियों को सिखाये जीत के गुर

सूरौठ, (निसं)। तहसील मुख्यालय पर स्थित मेजर ध्यानचंद खेल स्टेडियम में मंगलवार को हॉकी के नियम व जीत के गुर सिखाते हुए शारीरिक शिक्षक वीरेंद्र सिंह राजावत व वरिष्ठ शारीरिक शिक्षक भूपाल सिंह मीणा ने खिलाड़ियों को हॉकी खेल के नियम व जीत के गुर सिखाएं शारीरिक शिक्षक युधिष्ठिर भांकर ने बताया कि आगामी दिनों में 69 वीं जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता की तैयारी हेतु कस्बे के राजकीय उच्च माध्यमिक स्कूल परिसर में स्थित मेजर ध्यानचंद स्टेडियम में हॉकी खिलाड़ियों को खेल की बारिकियों के बारे में जानकारी दी ,तथा जीत के टिप्स बताएं इस अवसर पर जिला शूटिंग बांल संघ के सचिव विश्राम मीणा ने कहा कि खिलाड़ी जितना समय मैदान पर समय देगा उतना ही अच्छा खिलाड़ी बनेगा, और पढ़ाई के साथ-साथ खेल भी जरूरी है, सचिव मीणा ने कहा खिलाड़ी अपना करियर खेल में भी बनाएं सकते हैं व शर्त मैदान पर पसीना बहाना होगा, इस दौरान व शारीरिक शिक्षक नीरज मीना हॉकी के सीनियर खिलाड़ी विवेक शर्मा ,गौरव आदि ने हॉकी खिलाड़ियों को नियम बताएं.इस मौके वरिष्ठ शारीरिक शिक्षक गण रहे उपस्थित।

जगर बांध 28 साल बाद ओवरफ्लो

हिण्डौन सिटी, (निसं)। क्षेत्र में सोमवार रात से लगातार हुई तेज बारिश के कारण जगर बांध में पानी का स्तर 30 फीट से भी अधिक हो गया है। मंगलवार को बांध की सपाट से लगभग 3 इंच की चादर बह रही है, जिससे आसपास के क्षेत्रों में हालात गंभीर बने हुए हैं। बारिश और तेज बहाव के कारण करसौली की पुलिया के ऊपर से पानी निकलने से कई गांवों में आवागमन मुश्किल हो गया है। बता दें, सोमवार को 28 वर्षों बाद जगर बांध ओवरफ्लो हो गया था। सुरक्षा के मद्देनजर सूरौठ थाना पुलिस ने बांध में घूमने और नहाने पर पाबंदी के बावजूद करीब दस लोगों को पकडकर कार्रवाई की।

कलक्टर ने जलभराव व क्षतिग्रस्त सड़कों का लिया जायजा

भरतपुर, (निसं)। जिला कलक्टर कमर चौधरी ने मंगलवार को सेवर ब्लॉक के पीरनगर, पीपला से लेकर जघीना के आसपास गांवों में जल भराव, फसलों में हुए नुकसान एवं क्षितठास्त सडकों का अधिकारियों की टीम के साथ जायजा लिया तथा ग्रामीणों से रूबरू हुए।

जिला कलक्टर ने भरतपुर विकास प्राधिकरण, पंचायत राज विभाग, सार्वजनिक निर्माण विभाग, नगर निगम एवं जल संसाधन विभाग के अधिकारियों

■ **जघीना में वर्षा जल एकत्रित होने से खेतों में जमा पानी की निकासी के बारे में ग्रामीणों से चर्चा कर जल निकासी के वैकल्पिक मार्गों की चर्चा की**

जिला कलक्टर ने अधिकारियों की टीम के साथ जलभराव व क्षतिग्रस्त सड़कों का जायजा लिया।

की टीम के साथ विभिन्न क्षेत्रों का दौरा किया तथा खेतों में जल भराव से फसलों में हुए नुकसान का मौका निरीक्षण कर किसानों से भारी वर्षा से हुए नुकसान के बारे में फीडबैक लिया। उन्होंने जघीना के आसपास खेतों में जमा पानी का अवलोकन कर जल संसाधन विभाग को पानी निकासी के लिए तकमीना के अनुसार कार्य को गति देने के निर्देश दिए। उन्होंने सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारियों को जघीना-रीको रोड पर जल भराव क्षेत्र में पानी निकासी करते अधिकारियों को क्षेत्र में वर्षा के कारण क्षतिग्रस्त हुई सडकों पर रोड रेस्टोरेशन का कार्य शीघ्रता से करने तथा सड़कों के गड्ढों को शीघ्र दुरुस्त कराने के निर्देश दिए। उन्होंने नगर निगम एवं बीडीए के अधिकारियों को नगरीय सीमा में क्षतिग्रस्त सड़कों के रिपेयर कार्य को शुरू करने, विभिन्न आवासीय क्षेत्र में जल भराव की निकासी के लिए अतिरिक्त पंपसेट लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारियों को जघीना-रीको रोड पर जल भराव क्षेत्र में पानी निकासी करते हुए शीघ्र रोड रेस्टोरेशन करवाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि रीको आरओबी के प्रगति रथ कार्य के दौरान भारी वाहन की निकासी में असुविधा नहीं हो इसके लिए वैकल्पिक मार्गो पर गुणवत्ता के साथ रोड रेस्टोरेशन कराया जाए। जिससे आमजन एवं वाहनों के आवागमन में परेशानी नहीं हो। उन्होंने जघीना में वर्षा जल एकत्रित होने से खेतों में जमा पानी की निकासी के बारे में ग्रामीणों से भी चर्चा कर परंपरागत जल निकासी के वैकल्पिक मार्गों की चर्चा की तथा राज्य सरकार द्वारा नहर के माध्यम से पानी निकासी के लिए स्वीकृत कार्य के बारे में जानकारी साझा की। इस दौरान भरतपुर विकास प्राधिकरण के आयुक्त कनिष्क कटारिया, सीईओ जिला परिषद मृदुल सिंह, उपखंड अधिकारी राजीव शर्मा, एसीईओ जिला परिषद विनय मित्र, नगर निगम के सचिव विजय प्रताप, सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता वृद्धि चंद मीणा, अधिशासी अभियंता महेश शर्मा सहित जल संसाधन एवं संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

सार-समाचार

अवैध हथियार के साथ एक गिरफ्तार

गंगापुर सिटी, (निसं)। उदेई मोड पुलिस ने अवैध हथियार रखने के मामले में एक सरकारी कर्मचारी को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार बेनीवाल के निर्देश पर की गई इस कार्रवाई में उदई-मोड थाना पुलिस ने बिजली विभाग में कार्यरत एक टेक्नीशियन को गिरफ्तार किया है। जिला स्पेशल टीम के कॉन्स्टेबल कैलाशचंद से मिली सूचना के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई की। सूचना में बताया गया था कि एईएन ऑफिस सालोदा में तैनात टेक्नीशियन शिवकेश मीना (34) अपनी बाइक की डिग्गी में अवैध हथियार रखता है। पुलिस टीम ने एईएन ऑफिस सालोदा पहुंचकर आरोपी की बाइक की तलाशी ली। डिग्गी से 315 बोर का एक देसी कट्टा और दो जिंदा कारतूस बरामद हुए। आरोपी के पास हथियार का कोई लाइसेंस नहीं मिला। पुलिस ने आरोपी शिवकेश मीना के खिलाफ आर्म्स एक्ट की धारा 3/25 के तहत मामला दर्ज किया है। आरोपी करौली जिले के टोडाभीम थाना क्षेत्र के जैसनी गांव का रहने वाला है। पुलिस ने आरोपी से बरामद हथियार, कारतूस और बाइक को जब्त कर लिया है। यह कार्रवाई थानाधिकारी राजवीर सिंह के नेतृत्व में सहायक उप निरीक्षक भागवत सिंह और अन्य पुलिसकर्मियों की टीम ने की।

सम्मान समारोह आयोजित

भरतपुर, (निसं)। अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ के जिला उपाध्यक्ष एवं मंत्रालयिक कर्मचारी संघ के संरक्षक मुकेश चंद चतुर्वेदी प्रशासनिक अधिकारी शिक्षा विभाग की सेवा निवृत्ति पर कर्मचारी संयुक्त महासंघ द्वारा सम्मान समारोह आयोजित किया गया। सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शिक्षा विभाग के सेवा निवृत्त प्रशासनिक अधिकारी मुकेश चंद्र चतुर्वेदी ने कहा कि मैंने राज्य सरकार की पूरी ईमानदारी व लगन से सेवा की है। मेरी नौकरी अधिकांशतः प्रशासन व शिक्षा विभाग के उच्च अधिकारियों के साथ रही। गरीब व वंचितों की सेवा के लिए मैं हमेशा तत्पर रहा। राज्य सेवा में रहते हुए मैंने बढ़चढ कर कार्य किया।महासंघ के जिला अध्यक्ष राजेन्द्र शर्मा ने कहा कि चतुर्वेदी एक कुशल, योग्य, मेहनती एवं इमानदार राजसेवक रहे।

ट्रेलर की केविन में लगी आग

भुसावर/भरतपुर, (निसं)। थाना खेडली मोड क्षेत्र के नेशनल हाईवे संख्या 21 जयपुर भरतपुर के गांव कमालपुरा पर चलते ट्रेलर की केविन में अचानक शार्ट सर्किट होने के कारण आग लग गई। जिस पर भुसावर एवं महवा दमकल ने काबू पाया। दमकल कर्मी नवल हरसाना ने जानकारी देते हुए बताया कि नेशनल हाईवे के गांव कमालपुरा पर एक ट्रेलर के केबिन में शॉर्ट सर्किट होने के चलते आग लगने की सूचना पुलिस से प्राप्त होते ही दमकल कर्मी सुरेंद्र एवं ब्रह्मानंद शर्मा दमकल को लेकर मौके पर पहुंचे।

हेतुक दर्शित करने के लिए सूचना
(साधारण प्रारूप)
व्यवहार प्रकिया संहिता पहली अनुसूची संख्यांक 4
न्यायालय राजस्व अपील प्राधिकारी महोदय स्थान सवाई माधोपुर कैम्प हिण्डौन सिटी
जगमोहन विरूद्ध मुरारीलाल वगैरह वाद/प्रार्थना पत्र.....
प्रार्थना-पत्र संख्या- 5/2025

1.नाम लक्ष्मी पत्नी द्वारका प्रसाद 2. मोहित पुत्र द्वारका प्रसाद 3. कल्पना पुत्री द्वारका प्रसाद 4. अनुराधा पुत्री द्वारका प्रसाद 5.महेश पुत्र स्वर्गीय मुरारी लाल 6.राजेंद्र उर्फ रज्जो पुत्र स्वर्गीय मुरारी लाल 7. अनिल उर्फ अन्नी पुत्र मुरारी लाल 8.राकेश पुत्र मुरारी लाल क्रम संख्या 1से 8 सभी जाति ब्राह्मण निवासी- बिजली खाँ का चौक, हिण्डौन सिटी, जिला- करौली (राजस्थान) 9.श्रीमती सुषमा देवी पुत्री मुरारी लाला पत्नी ओमप्रकाश जाति ब्राह्मण निवासी- संख्या 427 ग्लोबल स्कूल के पास, तलबन्डी कोटा राजस्थान। 10. कैलाश पुत्र भगवत 11. सुरेंद्र पुत्र भगवत 12. माया पुत्री भगवत 13. उषा पुत्री भगवत 14.उषा पत्नी सुमेर? 15.मोहन पुत्र सुमेर 16. सौरव पुत्र सुमेर 17. गौरव पुत्र सुमेर 18. बबीता पुत्री सुमेर 19. प्रियंका पुत्री सुमेर क्रम संख्या 10 से 19 सभी जाति- ब्राह्मण निवासी- चौबेपाड़ा हिंडौन सिटी, जिला- करौली (राजस्थान)। 20. लैंड होल्डर तहसीलदार हिंडौन सिटी, जिला-करौली (राजस्थान)। 21. सब रजिस्टार हिंडौन सिटी, जिला- करौली (राजस्थान)।

उक्त अपीलान्ट ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया है कि नकल संलग्न है

अतः आपको चेतावनी दी जाती है कि आप आवेदन के विरूद्ध हैतुक दर्शित करने के लिए दि. 17 माह 10 सन् 2025 को 10 am पूर्वाह्न में स्वयं या अपने प्लीडर द्वारा जिसे सम्यक रूप से अनुदेश किया गया हो, उपसंजात हो। यदि आप ऐसा करने में असफल रहेंगे तो उक्त आदेश की सुनवाई और उसका निपटारा एक पक्षीय रूप से किया जाएगा।

यह आज ता. 28 माह 08 सन् 2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दी गई।

मोहर
राजस्व अपील अधिकारी
सवाई माधोपुर

'महाराजा अग्रसेन का जीवन दर्शन समाज के लिए प्रेरणादायक'

बैठक में जिला अग्रवाल संगठन महिला मण्डल की सदस्य मौजूद रहीं।

गंगापुर सिटी, (निसं)। अग्रवाल समाज की परंपराओं और संस्कृति को आगे बढाने हेतु जिला अग्रवाल महिला संगठन, सवाई माधोपुर की एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन अग्रवाल धर्मशाला में किया गया।

बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष रेखा गर्ग ने की तथा संचालन महामंत्री श्रीमती रजनी सिंघल ने किया। बैठक में महाराजा अग्रसेन जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की गई। महामंत्री ने जानकारी दी कि इस वर्ष 21 सितंबर, रविवार, दोपहर 1 बजे से भगवती पैलेस में भव्य घूमर कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर जिला संगठन द्वारा युगल नृत्य और समूह नृत्य प्रतियोगिताओं का विशेष रूप से आयोजन किया जा रहा है। संपूर्ण कार्यक्रम राजस्थानी थीम पर आधारित होगा, जिससे स्थानीय संस्कृति और परंपराओं की झलक हर मंचन में परिलक्षित होगी। इस अवसर पर यह भी निर्णय लिया गया कि इस कार्यक्रम में अग्रवाल समाज की सभी महिलाएँ भाग ले सकती हैं। इसके अतिरिक्त, 15 वर्ष से अधिक आयु की सभी बालिकाएँ भी प्रतियोगिताओं में सम्मिलित हो सकेंगी। संगठन ने स्पष्ट किया कि पंजीकरण की प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है और 15 सितंबर तक ही नामांकन स्वीकार किए जाएंगे। इसके उपरांत किसी भी प्रकार का नामांकन संभव नहीं होगा।

संयोजकों की बनाई कमेटी

भरतपुर, (निसं)। महाराजा अग्रसेन शोभायात्रा समिति की साधारण सभा की बैठक खिरनी घाट स्थित अग्रवाल भवन पर भरतपुर जिला अग्रवाल महासभा के पूर्व अध्यक्ष अनुराग गर्ग के आतिथ्य में हुई अध्यक्षता सुरेश बंसल ने की। सह संयोजक मोहन मित्तल ने बताया कि 22 सितम्बर को प्रातः स्मरणीय महाराजा अग्रसेन की जयंति महोत्सव पर होने वाले कार्यक्रमों को मनाये जाने हेतु विभिन्न दायित्व कमेटियों का गठन किया गया है।

गणेश महोत्सव में गणपति के दर्शनों के लिए उमड़ रहा जनसैलाब

गंगापुर सिटी, (निसं)। पुरानी अनाज मण्डी स्थित प्रांगण में श्री गणेश महोत्सव समिति के तत्वाधान में श्री गणेश महोत्सव का आयोजन गणेश चतुर्थी पर श्री गणेश जी की स्थापना के साथ से किया जा रहा है। सुबह मंगला आरती से शुरू होने वाले कार्यक्रम में अपार जन समूह उमड रहा है।

समिति के संरक्षक अशोक चौधरी ने बताया कि शाम को संध्या आरती के बाद सुप्रसिद्ध कलाकारों के द्वारा आकर्षक झांकियों का आयोजन किया जा रहा है। कलाकारों के द्वारा प्रतिदिन एक से बढकर एक अलग

गणेश महोत्सव में झांकियों का दर्शन करने उमड़ रही भीड़।

अलग झांकियों का प्रदर्शन किया जा रहा है जो कि श्रद्धालुओं का मन मोह रही है। समिति अध्यक्ष तनिष्क सिंह चौधरी ने बताया कि श्री गणेश जी महाराज के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ रहा है जिससे मंडी प्रांगण किसी तीर्थ से कम नजर नहीं आ रहा है।

डॉ. गर्ग को ज्ञापन दिया

भरतपुर (निस)। भरतपुर ऑटोमोबाइल डीलर्स सोसायटी के द्वारा प्रस्तावित एलिवेटर फ्लाई ओवर ब्रिज के विरोध के पांचवे दिन सम्पूर्ण ओटोमोबाइल बाजार नुमायश रोड, डीग रोड, ट्रांसपोर्ट नगर, कुम्हेर गेट, स्टेशन रोड, के संघर्ष समिति के आव्हान पर पूर्णतया बंद रहा।

साधारण सभा की अध्यक्षता वरिष्ठ उपाध्यक्ष बनवारी लाल खंडेलवाल ने की। सर्व सम्मति से निर्णय लिया गया कि प्रशासन द्वारा कोई भी जानकारी ओवरब्रिज की चौडाई, सडक की चौडाई सोसायटी के मांगने पर भी उपलब्ध नहीं कराई है, भ्रम की स्थिति बनी हुई है। प्रशासन से मांग है कि अतिशीघ्र इस ब्रिज की विधिवत जानकारी जनहित में प्रकाशित करें। इस संदर्भ में आज स्थानीय विधायक डॉ. सुभाष गर्ग को ज्ञापन दिया जिसमें उनसे निवेदन किया कि सिंगल साइड ब्रिज बनवाने की अनुषंशा करें। जिस प्रकार जयपुर में अम्बेडकर सर्किल से वाईस गोदाम सिंगल एलीवेटेड ओवरब्रिज का निर्माण हुआ है जिससे कोई भी नीचे की दुकान, होटल, प्रतिष्ठानों को कोई भी क्षित नहीं हुई है ऐसा ही अन्य शहरों में सिंगल ओवरब्रिज बनवाये गये हैं। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि कुम्हेर रोड कंजोली लाइन व मथुरा रोड रारह के ओवर ब्रिज केवल 10 मीटर चौडे बने हुए है।

कार्यालय: नगर परिषद गंगापुर सिटी जिला-सवाई माधोपुर (राज.)
क्रमांक: 3663 दिनांक-29-8-2025

प्रारूप-13 नियम 13 (2) देखिए लोक सूचना

अधोहस्ताक्षरकर्ता की जानकारी में यह लाया गया है कि खसरा नं. 278/333 क्षेत्रफल 0.8100 है. ग्राम महानन्दपुर तहसील गंगापुर सिटी जिला सवाई माधोपुर में स्थित भूमि या उसके भाग का 17.06.1999 से पूर्व की कालावधि से गैर कृषिक प्रयोजनों के लिए उपयोग किया जा रहा है। और इसलिए उक्त भूमि या उसके भाग में व्यक्तियों के अधिकार/हित राजस्थान भू राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90-क की उप-धारा (8) के अधीन पर्यवसित किए जाने के दायी है। अतः उक्त भूमि में हित रखने वाले प्रत्येक व्यक्ति को इसके द्वारा सूचित किया जाता है कि इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से 7 दिन के भीतर-भीतर कारण बताए कि क्यों न उक्त भूमि पर उसके अधिकारों और हित को पर्यवसित कर दिया जाये और इसलिए क्यों ना भूमि को राज्य सरकार में समस्त विल्लगंमों से मुक्त निहित किया जा सकें। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मोहर के अधीन दिनांक 29.6.25 को जारी की जाती है।

प्राधिकृत अधिकारी एवं आयुक्त
नगरपरिषद गंगापुरसिटी

केमिस्टों को नशा मुक्ति की दिलाई शपथ

सहायक औषधि नियंत्रक चंद्र प्रकाश जाटव एवं औषधि नियंत्रण अधिकारी सिंधु शर्मा का सम्मान करते केमिस्ट एसोसियेशन सदस्य।

गंगापुर सिटी, (निसं)। जिला कलेक्टर एवं खाद्य सुरक्षा एवं औषधी नियंत्रक विभाग के दिशा निर्देश अनुसार गंगापुर सिटी केमिस्ट एंड ड्रजिस्ट एसोसिएशन द्वारा नशा मुक्ति अभियान के तहत एक कार्यशाला का आयोजन अग्रवाल धर्मशाला गंगापुर सिटी में किया गया। इस कार्यशाला को सहायक औषधि नियंत्रक चंद्र प्रकाश जाटव एवं औषधि नियंत्रण अधिकारी सिंधु शर्मा द्वारा संबोधित किया गया।

इस कार्यशाला में गंगापुर सिटी एवं वजीरपुर, पिपलाई, बामनवास, बाटोदा सभी जगह के दवा विक्रेता एकत्रित हुए। कार्यशाला को संबोधित करते हुए सहायक औषधि नियंत्रक जाटव द्वारा युवाओं में बढती नशे की प्रवृत्ति को रोकने के लिए दवा विक्रेताओं की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में जानकारी दी। साथ ही जिला कलेक्टर कानाराम के द्वारा चलाए जा रहे नशा मुक्ति अभियान की सैकडो केमिस्ट को शपथ दिलाई गई। सवाई माधोपुर एवं गंगापुर सिटी के आसपास युवाओं में जो नशे की प्रवृत्ति बढती जा रही है उसे रोकने में प्रत्येक दवा विक्रेता का महत्वपूर्ण योगदान रहता है। प्रत्येक दवा विक्रेता यह सुनिश्चित करें कि बिना चिकित्सक की पर्ची के कोई भी दवा विक्रय नहीं करें। साथ ही उन्होंने केमिस्टों को नई ड्रग डिपार्टमेंट के नियमों की जानकारी साझा की।

औषधि नियंत्रण अधिकारी सिंधु शर्मा ने बताया कि जिला कलेक्टर के आदेश अनुसार प्रत्येक दवा विक्रेता को अपने प्रतिष्ठान पर कैमरा लगाया जाना सुनिश्चित करे। सिंधु शर्मा ने सभी केमिस्टों से अपने व्यापार को नैतिकता एवं गुणवत्ता के साथ करने का निर्देश दिए उन्होंने बताया कि दवा विक्रेता समाज का एक महत्वपूर्ण अंग है जो की सीधे तौर पर युवाओं में बढते हुए नशे की प्रवृत्ति को रोकने के लिए कार्य कर सकता है। केमिस्ट एसोसिएशन सचिव ओम प्रकाश अग्रवाल ने अधिकारियों को सभी केमिस्टों की ओर से यह विश्वास दिलाया कि प्रशासन द्वारा चलाए गए नशा मुक्ति अभियान में प्रत्येक केमिस्ट सदैव उनके साथ हैं एवं इस अभियान में पूर्णतया सभी केमिस्ट जिम्मेदारी के साथ अपना दायित्व को निभाएंगे।

पश्चिम मध्य रेल

ई-निविदा सूचना संख्या: डब्ल्यू/623/15, दि.: 29.08.2025

भारतसंघ के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से वरिष्ठ मण्डल इंजीनियर (समन्वय), पश्चिम मध्य रेलवे, कोटा निम्नलिखित कार्यों के लिए खुली ई-निविदाएं आमंत्रित करते है।

टेंडर संख्या एवं कार्य का विवरण	अनुमानित लागत	बयाना राशि
(1) 179/2025	₹ 84412282.40	₹ 572100.00
नागदा-कोटा सेक्शन: टीएसआर (पी) -44.308 कि.मी. वाय पीक्यूआरएस विद कॉन्ट्रेक्टरस पोर्टल 41.593 कि.मी. एण्ड मेन्युएल-2.715 कि.मी. इन्क्लूडिंग सब्सिडियरी वर्क विद बीसीएम.		
(2) 180/2025	₹ 17759833.18	₹ 238800.00
कोटा डिविजन: प्रोविजन ऑफ बेलेंस फसिलिटीज फॉर दिव्यांगजन एट कोटा डिविजन इन दि जूरिडिक्शन ऑफ डीईएन/ सेन्ट्रल फॉर 14 स्टेशन्स.		
(3) 181/2025	₹ 292550189.19	₹ 1612800.00
कोटा-बयाना सेक्शन: टीएसआर (पी) -111.779 कि.मी. वाय पीक्यूआरएस विद कॉन्ट्रेक्टरस पोर्टल 108.319 कि.मी. एण्ड मेन्युएल-3.460 कि.मी. इन्क्लूडिंग सब्सिडियरी वर्क विद बीसीएम		
(4) 182/2025	₹ 9340526.16	₹ 186800.00
नागदा-मथुरा सेक्शन: रिकन्डिशनिंग ऑफ डब्लयूसीएमएस क्रॉसिंग 1 इन 12/1 इन 8.5, 60 केजी इन-सिटू वाय यूजिंग ट्रांसलेमेंटिक रोबोटिक वेल्डर और अदर सिमीलर वेल्डिंग टेक्नोलॉजी टू गिव मिनिमम एक्सटेंन्डेड लाइफ ऑफ 80 जीएमटी ऑफ्टर रिकन्डिशनिंग.		
(5) 183/2025 आर	₹ 676896.45	₹ 13500.00
बयाना-डुमरिया-पिलोदा सेक्शन: विलिंनिग ऑफ मैनहोल, इन्सपेक्शन चेम्बर, ड्रग वेल, सेप्टिक टेंक, एण्ड सिवेज लाइन ऑफ रेलवे कॉलोनी फॉर टू ईयरस.		
(6) 184/2025 आर	₹ 5065389.65	₹ 101300.00
सवाई माधोपुर स्टेशन-रिमोडलिंग ऑफ गुडस यार्ड लाइन नं. 1, 2, 3, 4 एण्ड 5 टू इनक्रिज सीएसएल		

टेण्डर भरने की अंतिम तिथि व समय: क्र. 1,2,3,5 व 6 के लिए-22.09.2025, 15.30 बजे, क्र. 4 के लिए-15.09.2025, 15.30 बजे. पूर्ण विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर अपलोड की गई ई. निविदा में तथा वरिष्ठ मण्डल इंजीनियर समन्वय पश्चिम मध्य रेलवे, कोटा मण्डल रेल प्रबंधक कार्यालय की कार्यलेखा शाखा के नोटिस बोर्ड पर देखा जा सकता है।

(हस्ता.)
वरिष्ठ मण्डल इंजीनियर (समन्वय), प.म.रे., कोटा

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

भारी बारिश से श्रीडूंगरगढ़ के सुरजनसर में दो दिन में ही एक दर्जन मकान गिरे

बीकानेर शहर में नेशनल हाइवे एक बार फिर जाम हो गए, कच्ची बस्तियों में पानी एकत्र हुआ

बीकानेर, (निसं)। मानसून के अंतिम दिनों में बीकानेर में जमकर बारिश हो रही है। अब तक बरसात को तरस रहे बीकानेर में पिछले तीन दिन में ही भारी बारिश हुई है। श्रीडूंगरगढ़ के एक गांव में जहां करीब एक दर्जन मकान गिर गए, वहीं बीकानेर शहर में नेशनल हाइवे एक बार फिर जाम हो गए। वहीं कच्ची बस्तियों में पानी एकत्र हो गया है। पुरानी गिन्नाणी और सूरसागर के आसपास जमा पानी के कारण आना-जाना मुश्किल हो गया।

- **पुरानी गिन्नाणी और सूरसागर के आसपास जमा पानी के कारण लोगों का आना-जाना मुश्किल हो गया**

जानकारी के अनुसार श्रीडूंगरगढ़ के सुरजनसर में दो दिन में ही करीब एक दर्जन मकान गिर चुके हैं, जिनमें कई परिवार तो बिल्कुल बेघर हो गए हैं। गांव में कोजूराम प्रजापत व बुधाराम नायक के मकान गिरने के बाद ये परिवार बे-छत हो गए हैं। जरूरतमंद परिवारों के पास रहने के लिए कोई स्थान ही नहीं बचा है। गांव में रेवंताराम मेघवाल का मकान धराशायी हो गया। घर वालों ने जान बचाई व मलबे के नीचे दबे सामान को निकालने की कोशिश हो रही है।

मुन्नीदेवी शर्मा का मकान मलबे में ही तब्दील हो गया है और परिवार बुरी तरह से परेशान हो रहा है। वहीं सुशील जाट, दीनदयाल जाट, मुन्नीराम शर्मा, ओमप्रकाश जाट, नंदलाल शर्मा, अंजू देवी शर्मा, गौरीशंकर जाट के मकान भी भराभरा कर गिर गए हैं। परिवारों ने अपने भाई के घर या बढ़ेर के घर में शरण ली है। वहीं कुछ तो बेघर ही हो गए हैं। ऐसे में सरपंच ओमप्रकाश शर्मा ने कोजुराम को एक झोंपड़ी बनवा कर दी है। शर्मा गांव के मौजिज लोगों के साथ मिलकर पीड़ितों की मदद के प्रयास कर रहें है। शर्मा ने पटवारी व प्रशासन को सूचना देकर जरूरतमंद परिवारों की मदद करने की गुहार लगाई है।

वहीं बीकानेर में दोपहर करीब एक घंटे तक बारिश हुई। कभी तेज और कभी धीमी बारिश के बाद नेशनल हाइवे पर पानी एकत्र हो गया। गजनेर रोड पर जहां पुलिस लाइन चौराहे के पास पानी एकत्र होने वाहन धीमी गति से चले। वहीं कोठारी अस्पताल से भुट्टा चौराहे तक भी वाहनों की गति धीमी ही रही। ऐसे में वाहनों की कतार लग गई। उधर, गंगाशहर क्षेत्र में भी बारिश के कारण यातायात बाधित रहा।

कक्षा 9 से 12 के एडमिशन अब 16 सितम्बर तक होंगे

बीकानेर, (निसं)। प्रदेश के सरकारी और गैर सरकारी स्कूलों में क्लास 9 से 12 तक में एडमिशन की लास्ट डेट्स में बार-बार बढ़ोतरी हो रही है। अब तीसरी बार लास्ट डेट में बदलाव करते हुए 16 सितम्बर तक एडमिशन लेने की छूट दी गई है। ऐसे में माध्यमिक शिक्षा बोर्ड अजमेर को भी 10वीं और 12वीं के एग्जाम फॉर्म के लिए लास्ट डेट बढ़ानी पड़ रही हैं।

- **प्रदेश के सरकारी और गैर सरकारी स्कूलों में तीसरी बार लास्ट डेट में बदलाव करते हुए 16 सितम्बर तक एडमिशन लेने की छूट दी**

माध्यमिक शिक्षा निदेशक सीताराम जाट ने आदेश जारी करके एडमिशन की लास्ट डेट 16 सितम्बर कर दी। इससे पहले ये लास्ट डेट 30 अगस्त थी। ऐसे में 31 अगस्त को किसी भी स्कूल ने एडमिशन नहीं लिया। इस बीच एक बार फिर 16 सितम्बर लास्ट डेट कर दी गई। माध्यमिक शिक्षा बोर्ड अजमेर ने भी इसी कारण डेट्स में फेरबदल किया। जब स्कूल में एडमिशन हो रहे हैं, तो माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के फॉर्म भरने की सुविधा भी जरूरी है।

जानकारी के अनुसार बड़ी संख्या में स्कूलों की मान्यता के प्रकरण अभी शेष है। इन स्कूलों में बच्चे हैं, जिन्होंने अब तक किसी अन्य स्कूल में एडमिशन नहीं लिया। लास्ट डेट समाप्त होने पर ये बच्चे न एडमिशन ले सकेंगे और न ही एग्जाम दे सकेंगे। ऐसे में शिक्षा विभाग बार बार डेट्स में फेरबदल कर रहा है। हर साल ही शिक्षा विभाग दो से तीन बार लास्ट डेट में फेरबदल करता है। इस बार भी ये तीन बार हो चुका है। ऐसे में अब 16 सितम्बर के बाद डेट्स में फेरबदल होना मुश्किल है। ऐसे में स्कूल संचालकों को भी अब सावधानी बरतनी होगी।

उधर, कक्षा नर्सरी से आठवीं तक के एडमिशन पूरे साल होते हैं। इन स्कूलों के लिए लास्ट डेट का कोई महत्व नहीं है। जब भी बच्चा स्कूल जाने की उम्र में आता है, तब उसे एडमिशन दिया जा सकता है। आठवीं तक कोई भी स्कूल डेट्स के कारण स्कूल में एडमिशन नहीं रोक सकती।

गंगापुर सिटी में मूसलाधार बरसात से मोरा सागर बांध पर चादर चली

गंगापुर सिटी, (निसं)। गंगापुर सिटी में मंगलवार सुबह नौ बजे के बाद तेज गर्जना के साथ डेढ़ घंटे तक मूसलधार बारिश हुई।

गंगापुर सिटी और आसपास के क्षेत्रों में मानसून सक्रिय है। सोमवार शाम से मंगलवार दोपहर तक लगातार बारिश हुई। बारिश के चलते मोरा सागर बांध पर तीन इंच से अधिक की चादर चल रही है। मंगलवार सुबह नौ बजे के बाद तेज गर्जना के साथ मूसलाधार बारिश हुई। इससे तापमान में गिरावट आई और मौसम सुहावना हो गया। बारिश से शहर की सड़कों पर घुटनों तक पानी भर गया।

- **दो दिन से हो रही बरसात से जनजीवन प्रभावित हुआ, तापमान में गिरावट आई**

गंगापुर सिटी में बारिश से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

जलभराव के कारण राहगीरों और वाहन ड्राइवरों को परेशानियों का सामना करना पड़ा।

निचले इलाकों में पानी भरने से लोगों को आवागमन में परेशानी हुई। तहसील कार्यालय के अनुसार सोमवार शाम चार बजे से मंगलवार सुबह आठ बजे तक 37 मिमी बारिश दर्ज की गई। इस वर्ष अब तक गंगापुर क्षेत्र में कुल 806 मिमी बारिश हो चुकी है। यह औसत 700 मिमी के आंकड़े से अधिक है। मौसम विभाग ने आगामी दिनों में भी बारिश की संभावना जताई है।

लगातार हो रही अच्छी बारिश के चलते मोरा सागर बांध पर तीन इंच से अधिक की चादर चल रही है। यह बांध क्षेत्र का प्रमुख जलस्त्रोत है और इसमें पानी की आवक से स्थानीय लोगों को राहत मिली है। इसके अलावा क्षेत्र के अन्य छोटे-बडे बांधों और जलाशयों में भी पानी की अच्छी आवक दर्ज की गई है। हालांकि बारिश ने लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत दी है और मौसम सुहावना बना दिया है, लेकिन जलभराव और अव्यवस्थाओं ने परेशानियां भी बढा दी है। शहरवासी अब प्रशासन से स्थायी समाधान की उम्मीद कर रहे हैं, ताकि हर बार बारिश में यही स्थिति न उत्पन्न हो।

ढील डैम की चादर से गिरकर युवक लापता

बौंली-बामनवास, (निसं)। क्षेत्र के प्रमुख ढील डैम पर अपने साथियों के साथ पिकनिक मनाने गए एक युवक पायलट गुर्जर निवासी गुडला की ढील डैम की चादर, वेस्ट वेयर पानी को पार करते समय तेज बहाव की चपेट में आने से पानी के साथ बह गया, जिसका देर शाम तक कोई पता नहीं चल पाया। सूचना पाकर चौथ का बरवाड़ा पुलिस, प्रशासन, सिविल डिफेंस की टीम के साथ मौके पर पहुंची। ग्रामीणों से प्राप्त जानकारी के अनुसार गुडला गांव से कुछ युवक ढील डैम पर घूमने एवं पिकनिक मनाने गए थे। इसी दौरान एक साथी बच्चा गुर्जर डैम की रेलिंग चादर को स्ट्रैंट करते हुए नशे की हालत में पार कर जाने लगा, इसी दौरान युवक का चादर से संतुलन बिगड़ गया और वह तेज बहाव के साथ बह गया, जिसकी तलाश की जा रही है।

आर्किटेक्ट आरके गुप्ता के घर पर आयकर विभाग का छापा

जयपुर, उदयपुर और कोटा टीम के करीब 12 से ज्यादा अधिकारी कार्रवाई करने पहुंचे

कोटा, (निसं)। कोटा में आयकर विभाग ने आकाश मॉल स्थित प्राईम आर्ट आर्किटेक्ट प्राईवेट लिमिटेड नामक कंपनी के ऑफिस और आर्किटेक्ट आरके गुप्ता के घर पर टीम छापामारी की है।

- **आरके गुप्ता का राजधानी जयपुर में भी ऑफिस है, जहां वह कई महत्वपूर्ण प्रोजेक्टों पर काम कर रहे हैं**
- **ये प्रोजेक्ट ज्यादातर पिछली कांग्रेस सरकार के दौरान किए गए विकास कार्यों से संबंधित हैं**

आर्किटेक्ट आरके गुप्ता का ऑफिस आकाश मॉल के छठे माले पर स्थित है। जयपुर, उदयपुर और कोटा टीम के करीब 12 से ज्यादा अधिकारी कार्रवाई करने पहुंचे हैं। टीम कंप्यूटर, लैपटॉप और अन्य कागजों की जांच कर रही है। उनके घर पर भी 5 से 6 अधिकारियों की टीम जांच कर रही है। आरके गुप्ता का राजधानी जयपुर में भी ऑफिस है, जहां वह कई महत्वपूर्ण प्रोजेक्टों पर काम कर रहे हैं। ये प्रोजेक्ट ज्यादातर पिछले कांग्रेस सरकार के दौरान किए गए विकास कार्यों से संबंधित हैं। बताया जा रहा है कि उन्होंने पिछले कुछ वर्षों में कई बड़ी योजनाएं तैयार की हैं, जिनमें निर्माण कार्य और अन्य विकास प्रोजेक्ट शामिल हैं। गुप्ता की ओर से मल्टीस्टोरी की डिजाईनिंग नक्शे बनाने का बड़े स्तर पर काम है। सरकारी विभागों में भी कई जगह काम लिए हुए है और प्राईवेट सेक्टर में भी प्रोजेक्ट लेते हैं।

चरस सहित आरोपी गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। रेलवे कॉलोनी पुलिस टीम ने इलाके में गश्त के दौरान कार्रवाई करते हुए अवैध मादक पदार्थ 240 ग्राम चरस सहित आरोपी को गिरफ्तार किया है। रेलवे कॉलोनी थानाधिकारी रामस्वरूप मीणा ने बताया कि शहर पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अवैध मादक पदार्थ तस्करों के विरूद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। थानाधिकारी ने बताया कि इलाके में गश्त के दौरान नूरानी मस्जिद के समीप कार्रवाई करते हुए अवैध मादक पदार्थ 240 ग्राम चरस सहित श्रीपुरा निवासी अयय्यान अब्बासी (19) को पकड़ा है। पुलिस टीम ने अवैध मादक पदार्थ चरस बरामद होने पर मौके पर एनडीपीएस एक्ट में कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया है।

खेत में मवेशी चराने पर विवाद, बुजुर्ग को गोली मारी

अलवर, (निसं)। अलवर में खेत में भैंस चराने के विवाद में बुजुर्ग को गोली मार दी। गंभीर हालत में घायल को अस्पताल में भर्ती कराया है। गोली बुजुर्ग के प्राइवेट पार्ट के पास लगी। मामला कठूमर के बुलाहेड़ी गांव में सोमवार को हुआ। घायल 61 साल के रामप्रसाद को रात को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

- **बुजुर्ग की पत्नी के साथ मारपीट की**

थानाधिकारी महेश तिवारी ने बताया कि सोमवार को बुलाहेड़ी निवासी राधे गुर्जर अपनी भैंस जंगल में चराकर लौट रहा था। इस दौरान दूसरे पक्ष ने खेतों में भैंस चराने को लेकर विवाद किया। हालांकि, उस समय मामला शांत हो गया, लेकिन रात आठ बजे के बीच विवाद ने फिर तूल पकड़ लिया। आरोप है कि लक्खी गुर्जर की पत्नी धोली के साथ मारपीट की गई। जब लक्खी बीच-बचाव करने आया तो उस पर पत्थर से हमला कर सिर फोड़ दिया गया। देखते ही देखते दोनों ओर से ईंट-पत्थर चलने लगे। इस बीच लक्खी पक्ष की ओर से किसी ने देसी कट्टे से फायरिंग कर दी, जिसमें रामप्रसाद घायल हो गया। इसके अलावा 16 वर्षीय कृष्ण कुमार को भी गंभीर हालत में अलवर रेफर किया गया है। वहीं, धोली, लक्खी समेत अन्य घायलों का उपचार कठूमर सीएचसी में चल रहा है।

करौली में तेज बारिश, पांचना बांध के दो गेट खोले

करौली, (निसं)। जिला मुख्यालय पर बीते तीन दिन से हो रही बरसात के चलते नदी, नाले उफान पर हैं तो वहीं पांचना बांध से दो गेट खोलकर पानी की निकासी की जा रही है।

करौली जिला मुख्यालय पर गत रविवार से मौसम ने अचानक पलटा खाया। कभी मूसलाधार तो कभी रिमझिम बरसात से लोगों को पानी में भिगोए रखा। रविवार और सोमवार को जिला मुख्यालय पर मूसलाधार हुई बारिश से नदी और नाले उफान पर आ गए, जिसके चलते पांचना बांध के तीन गेट खोलकर पानी की निकासी शुरू की, लेकिन सोमवार की रात पानी की आवक बंद होने से निकासी कम की गई और मंगलवार को रिमझिम बारिश के चलते दो गेट खोलकर पानी की निकासी की जा रही है। जिले के करणपुर क्षेत्र में हुई झमाझम बारिश से करणपुर कस्बे की घाटी पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई जिसके चलते अब मोटरसाइकिल भी नहीं निकलने के कारण लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं गुमानो माता मंदिर पर दर्शन करने गए श्रद्धालु भी फंस गए हैं। करणपुर क्षेत्र के लोगों को अब रसोई गैस, डीजल, पेट्रोल और खाद्य सामग्री जैसी आवश्यक वस्तुओं के लिए मोहताज होना पड़ रहा है और दर्जनों की संख्या में गांव के लोगों का सड़क मार्ग से संपर्क कट गया है। इसके अलावा जिला मुख्यालय की कई कॉलोनियां भी जलमग्न हो गई, जिससे लोगों को आने-जाने में भारी परेशानी उठानी पड़ रही है।

- **करणपुर क्षेत्र में हुई झमाझम बारिश से कस्बे की घाटी पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई**
- **गुमानो माता मंदिर पर दर्शन करने गए श्रद्धालु फंस गए**

करौली एसपी कार्यालय की सड़क पर भरे पानी से निकलते वाहन।

बाइक सवार युवक से बदमाशों ने 15 लाख रुपये लूटे

रामगढ़ शेखावाटी, (निसं)। बाइक पर जा रहे एक युवक से 15 लाख रुपए की लूट का मामला दर्ज हुआ है। वारदात के लिए तीन बदमाश बाइक लेकर आए थे। पहले उन्होंने टक्कर मारकर युवक को नीचे गिरा दिया। इसके बाद पिस्टल दिखाकर युवक के पास रुपयों से भरा बैग छीन लिया। घटना के बाद पीड़ित ने रामगढ़ सेठान थाने में अज्ञात बदमाशों के खिलाफ रिपोर्ट दी है।

रामगढ़ शेखावाटी पुलिस के अनुसार झुंझुनूं जिले के मंडावा कस्बे के वार्ड 3 निवासी मनीष ने लूट का मुकदमा दर्ज कराया है। पीड़ित का कहना है कि वह फतेहपुर से अपने परिचित प्रताप सिंह से 15 लाख रुपए लेकर बाइक पर निकला था। रुपयों से भरा बैग लेकर वह अपने घर मंडावा जा रहा था। 15 लाख रुपए उसके ताऊ के लड़के सुरेंद्र ने दिलवाए थे जो, उसके घर पर देने थे। 15 लाख रुपए लूटने के बाद मनीष ने अपने भाई सुरेंद्र को फोन कर घटना की जानकारी दी। सुरेंद्र ने मनीष को घटना की सूचना तुरंत पुलिस को देने की बात कही। इस पर मंडावा थाने की पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन वारदात स्थल रामगढ़ सेठान थाने के अधीन आने पर इसके बाद रामगढ़ थाना पुलिस मौके पर आकर पीड़ित से पूछताछ की। बाइक से गिरने पर मनीष घायल हो गया तो उसे उपचार के लिए अस्पताल भिजवाना पड़ा। एक बाइक वाले ने उसकी बाइक को टक्कर मारी। इससे मनीष नीचे गिर गया। गिरते ही तीनों बदमाशों ने मनीष के पास मौजूद बैग छीनने लगे। विरोध करने पर इनमें से एक ने मनीष को पिस्टल दिखाई। इस पर मनीष डर गया और इसके बाद तीनों बदमाश रुपयों से भरा बैग लूट कर मंडावा की तरफ बाइक लेकर फरार हो गए। पीड़ित मनीष के अनुसार तीनों आरोपी सफेद रंग की बाइक लेकर आए थे। इनमें एक ने हेलमेट लगा रखा था और दो ने अपने चेहरे कपड़े से ढक रखे थे।

रामगढ़ सेठान के थानाधिकारी पवन कुमार ने बताया कि लूट के बाद बदमाश नवलगढ़ की तरफ भाग छूटे, एक जगह उनकी संदिग्ध बाइक नजर आई है। इसके आधार पर पुलिस आरोपियों तक पहुंचने का प्रयास कर रही है। इसके अलावा इस रूट पर लगे सीसीटीवी कैमरे खंगाले जा रहे हैं।

- **पिस्टल दिखाकर रुपयों से भरा बैग छीनकर फरार हुये**

नकली घी बनाने की आशंका में घर सीज़

बीकानेर, (निसं)। जिले के लूणकरणसर में केमिकल के माध्यम से नकली घी बनाने की आशंका में एक घर को सीज़ किया गया है। स्थानीय लोगों ने पुलिस को इस घर में चल रही गतिविधियों को संदिग्ध बताते हुए शिकायत दर्ज कराई थी, जिसके बाद पुलिस ने इसे सीज़ कर दिया। घर में कई तरह के ड्रम और केमिकल के साथ मशीनें बरामद हुई है।

स्थानीय टाइगर्स फोर्स के सदस्यों ने इस घर पर पहुंचकर वहां की गतिविधियां देखी। इसके बाद पुलिस को फोन किया। पुलिस ने मौके पर आकर देखा कि वहां बहुत सारे ड्रम पड़े हैं। घर के कुछ कमरों में घी है और कुछ केमिकल भी है। इस पर पुलिस को फोन किया गया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घर का निरीक्षण किया। बाद में घर पर ताला लगा दिया। अब रसद विभाग को इसकी रिपोर्ट दी गई है। गांव रामबाग निवासी रणजीत का ये मकान है। बताया जा रहा है कि हरियाणा के कुछ लोगों को ये मकान किराए पर दिया गया था। करीब चार महीने से यहां पर काम चल रहा था। ये घटिया और मिलावटी घी बन रहा था या नहीं इस बारे में स्थिति अभी स्पष्ट नहीं है। रसद विभाग की टीम यहां से सेंपल लेने के बाद जांच करेगी। इसके बाद ही ये स्पष्ट होगा। फिलहाल पुलिस ने मौके से तीन युवकों को पूछताछ के लिए थाने बुलाया है। इसी घर से एक कार व एक पिकअप को भी पुलिस ने अपने कब्जे में लिया है। पुलिस ने इस बारे में अब तक कुछ भी अधिकृत तौर पर नहीं कहा है।

पार्किंग विवाद से परेशान विधवा ने आत्मदाह का प्रयास किया

महिला की दुकान के सामने एक दुकानदार ने अपने परिवार की गाड़ी खड़ी कर दी थी

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर जिले के झाड़ोल में सोमवार शाम एक विधवा महिला ने पार्किंग विवाद से परेशान होकर आत्मदाह की कोशिश की। महिला ने गुस्से में अपने शरीर पर केरोसिन डाल लिया और हाथ में माचिस लेकर आत्मदाह का प्रयास किया। मौके पर मौजूद एक पड़ोसी महिला ने माचिस छीनकर उसकी जान बचाई। घटना का वीडियो सामने आया है।

- **महिला ने गुस्से में अपने शरीर पर केरोसिन डाल लिया और हाथ में माचिस लेकर आत्मदाह का प्रयास किया**
- **मौके पर मौजूद एक पड़ोसी महिला ने माचिस छीनकर महिला की जान बचाई, घटना का वीडियो सामने आया**

जानकारी के अनुसार झाड़ोल सीएचसी परिसर में महिला गंगा देवी की दुकान के सामने सोमवार शाम करीब पांच बजे एक दुकानदार ने अपने परिवार की गाड़ी खड़ी कर दी। इससे नाराज गंगा देवी ने विरोध जताया। विवाद बढ़ने पर उसने केरोसिन की बोतल उठाई और खुद को आग लगाने की धमकी दे दी। जानकारी के अनुसार झाड़ोल सीएचसी परिसर में महिला गंगा देवी की दुकान के सामने सोमवार शाम करीब पांच बजे एक दुकानदार ने अपने परिवार की गाड़ी खड़ी कर दी। इससे नाराज गंगा देवी ने विरोध जताया। विवाद बढ़ने पर उसने केरोसिन की बोतल उठाई और खुद को आग लगाने की धमकी दे दी। हंगामा होने पर मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। गंगा देवी ने बताया कि वह विधवा है और उसकी छोटी सी दुकान है। उसके सामने आए दिन गाड़ियां खड़ी कर दी जाती हैं जिससे वह परेशान हो गई थी। इस बीच एक अन्य महिला ने मौके पर पहुंचकर माचिस छीन ली और उसे समझाने का प्रयास किया। सूचना पर झाड़ोल पुलिस थाने की टीम मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों से बातचीत कर स्थिति को नियंत्रित किया।

मंदिर में चोरी के दो आरोपी गिरफ्तार : कोटा के दीगोद पुलिस टीम ने मंदिर में चोरी के दर्ज मामले में कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि 30 अगस्त को फरियादी रामावतार ने दीगोद थाने में रिपोर्ट दी। फरियादी ने कहा कि देर रात्रि को बगीची के बालाजी के मंदिर परिसर में रखी दानपेटी तोड़कर कोई अज्ञात चोर उसमें रखी धनराशि को चोरी करके ले गये। ग्रामीण एसपी ने बताया कि पुलिस ने फरियादी की रिपोर्ट पर चोरी का मामला दर्ज किया, मामले में चोरी के आरोपियों की तलाश के लिये पुलिस उप अधीक्षक राजेश ढाका के सुपरविजन में दीगोद थानाधिकारी सुरेश कुमार के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। ग्रामीण एसपी ने बताया कि गठित टीम ने तकनिकी संसाधन व मुखबीर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए मंदिर परिसर से दानपेटी में चोरी के मामले में दो आरोपी निमोदा रोड़ दीगोद निवासी अर्जुन एवं दीगोद निवासी विशाल को गिरफ्तार किया।

हादसे में बाइक सवार की मौत, एक घायल

कोटा, (निसं)। मंडाना थाना इलाके में नेशनल हाइवे-52 पर हुए सड़क हादसे मे बाक सवार दो युवको में से एक युवक की मौत हो गई एवं एक युवक घायल हो गया। जानकारी के अनुसार हादसा बाइक के आगे चल रहे पिकअप चालक द्वारा अचानक से वाहन के ब्रेक लगाने से हुआ, वाहन के अचानक ब्रेक लगने से पीछे चल रहे बाइक सवार की बाइक पिकअप में टकरा गई। मंडाना थानाधिकारी अजय शर्मा ने बताया कि मंगलवार रात्रि को दो युवक सुनील व मनोज दोनों मोटरसाइकिल से कोटा की तरफ आते समय नेश्नल हाईवे पर एक ढाबे के समीप मोटरसाइकिल से आगे चल रहे पिकअप वाहन के चालक ने अचानक से ब्रेक लगा दिये, जिससे पिकअप के पीछे चल रही बाइक पिकअप से टकरा गई। दोनों युवकों को घायलावस्था में उपचार के लिये अस्पताल में भर्ती कराया। थानाधिकारी ने बताया कि अस्पताल में इलाज के दौरान सुनील ने दम तोड़ दिया, वहीं हादसे में घायल मनोज का उपचार जारी है।

- **वाहन के अचानक ब्रेक लगने से पीछे चल रहे बाइक सवार की बाइक पिकअप में टकराई**

शादी का झांसा देकर धोखाधड़ी, दुल्हन व दो एजेंट भरतपुर व दिल्ली से गिरफ्तार

बांसवाड़ा, (निसं)। लोहारिया थाना पुलिस ने शादी का झांसा देकर धोखाधड़ी करने वाली दुल्हन व दो एजेंटों को भरतपुर व दिल्ली से गिरफ्तार किया है।

थानाधिकारी शिशुपाल सिंह ने बताया कि गत 20 अगस्त को प्रार्थी सहर्श पुत्री रविन्द जैन निवासी सुंदनी ने रिपोर्ट दी कि उसने शादी करने के लिये अपने मिलने वाले राजकुमार सोनी के मार्फत भरतपुर के नदबई निवासी जयपाल से संपर्क किया, जिसने दिल्ली में उसके मिलने वाले बबलु नाम के व्यक्ति के संपर्क में लड़की का होना बताया, जिस पर प्रार्थी एजेंट के माध्यम से दिल्ली पहुंचा जहां एक लड़की दिखाई गयी जिसका नाम खुशबू होना बताया। प्रार्थी उस लड़की से शादी करने के लिये तैयार हुआ और 1 लाख 80 हजार रूपये देने की बात तय हुई। 14 अगस्त को प्रार्थी ने खुशबू से आर्य समाज मंडल दिल्ली में शादी की एवं वहां से 80 हजार रूपये ऑनलाइन एजेंट को देना बताया एवं एक लाख रूपये लड़की के प्रार्थी के गांव सुंदनी पहुंचने पर एजेंट को देना तय हुआ। 15 अगस्त को प्रार्थी उसकी पत्नी खुशबु, एजेन्ट जयपाल सिंह व बबलु के साथ गांव सुंदनी आये और एजेंट को एक लाख रूपये नगद दिये जो लेकर दोनों एजेंट वापस चले गये और उसी रात्रि को प्रार्थी की पत्नी खुशबु झांसा देकर फरार हो गयी।

- **पुलिस टीम ने आरोपियों के मोबाइल नंबरों की डिटेल व लोकेशन प्राप्त कर कार्रवाई की और सभी को गिरफ्तार किया**

लोहारिया पुलिस ने शादी का झांसा देकर धोखाधड़ी करने वाली दुल्हन व दो एजेंटों को गिरफ्तार किया।

पुलिस ने मामला दर्ज करते हुए अनुसंधान प्रारंभ किया और गवाह के बयान एवं लेन-देन संबंधी दस्तावेज प्राप्त किये। जिला पुलिस अधीक्षक सुधीर जोशी, एएसपी डॉ. राजेश भारद्वाज, वृताधिकारी गढ़ी सुदर्शन पालीवाल के निर्देश पर थानाधिकारी शिशुपाल सिंह के नेतृत्व में टीम गठित की।

मामला धोखाधड़ी का होकर आरोपियों के भरतपुर व दिल्ली के निवासी होने से टीम गठित की गयी। इस टीम ने आरोपियों के मोबाइल नंबरों की डिटेल व लोकेशन प्राप्त की एवं इसी आधार पर भरतपुर से आरोपी जयपाल सिंह को एवं दिल्ली से रामअचल उर्फ बबलु एवं कृष्णा उर्फ खुशबु उर्फ बिना चौधरी को डिटेन कर थाने पर लाये एवं उन्होंने पूछताछ के बाद षड्यंत्रपूर्वक शादी का झांसा देकर धोखाधड़ी के आरोप में गिरफ्तार किया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने ली राजस्व और उपनिवेशन विभाग की बैठक

बजट घोषणाओं के कार्य समय पर पूरे करने के निर्देश

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में राजस्व और उपनिवेशन विभाग की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिए कि बजट घोषणाओं के अंतर्गत चल रहे निर्माण कार्यों को तय समय सीमा में पूर्ण किया जाए। उन्होंने कहा कि भूमि आवंटन, डीपीआर और टैंडर प्रक्रिया को शीघ्र पूरा कर विकास कार्यों का लाभ आमजन तक समय पर पहुंचाया जाए।

- **प्रदेश में 18 सितम्बर से शुरू होगा ''गांव चलो'' अभियान**

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में राजस्व और उपनिवेशन विभाग की समीक्षा बैठक ली। बैठक में राजस्व मंत्री हेमन्त मीणा, मुख्य सचिव सुधांश पंत सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार गुड गवर्नेंस के मानकों पर खरा उतरते हुए जनकल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि राजस्व विभाग तकनीक और नवाचार के माध्यम से काश्तकारों को सुविधाएं उपलब्ध कराने में जुटा है। किसानों को स्वयं फसल गिरदावरी की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए एग्रीस्टेक मोबाइल ऐप विकसित किया गया है। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि अधिक से अधिक किसानों को इस एप से जोड़ा जाए और इसका व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए।

मुख्यमंत्री ने घोषणा की है कि 18 सितम्बर से प्रदेशभर में सप्ताह में तीन दिन ''गांव चलो'' अभियान चलाया जाएगा। इस अभियान के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में सीमाज्ञान, सहमति विभाजन, नामांतरण सहित लंबित राजस्व प्रकरणों का मौके पर ही निस्तारण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी पात्र व्यक्ति इस अभियान के लाभ से वंचित न रहे।

बैठक में भवन निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले दो वर्षों के बजट में घोषित भवनों का निर्माण कार्य प्राथमिकता से पूरा किया जाए। उन्होंने पुराने भवनों की मरम्मत और पुनर्निर्माण पर भी ध्यान देने के निर्देश दिए ताकि सरकारी संसाधनों का अधिकतम उपयोग हो सके। जैसलमेर जिले में सामान्य आवंटन से जुड़े लंबित आवेदनों के निस्तारण के लिए 15 दिन का विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए गए। साथ ही विभागीय कार्यप्रणाली को अधिक प्रभावी बनाने के लिए नियमों के सरलीकरण की बात भी कही गई।

अधिकारियों ने बताया कि फार्मर रजिस्ट्री योजना के तहत अब तक 87 प्रतिशत किसानों की फार्मर आईडी जनरेट की जा चुकी है। किसानों के आधार नंबर को राजस्व रिकॉर्ड से जोड़ने का कार्य प्रदेश के सभी जिलों में प्रारंभ कर दिया गया है। भू-नक्शा पोर्टल पर अब तक राज्य के 48,463 गांवों की जिओ रेफरेंस शीट फाइल अपलोड कर 4.49 करोड़ यूनिक लैंड पार्सल आइडेंटिफिकेशन नंबर जारी किए जा चुके हैं।

बैठक में रेवेन्यू कोर्ट मॉडर्नाइजेशन सिस्टम, राजस्व इकाइयों का पुनर्गठन, सरकारी अधिवक्ताओं को रिटेनर शुल्क, उपनिवेशन क्षेत्र में भूमि आवंटन दर में संशोधन, ग्राम दान और भूदान अधिनियम सहित विभिन्न विषयों पर भी चर्चा हुई। बैठक में राजस्व मंत्री हेमन्त मीणा, मुख्य सचिव सुधांश पंत सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

माँ के अपमान पर जयपुर भाजपा ने हुंकार भरी

छोटी चौपड़ पर राहुल गांधी और तेजस्वी यादव का पुतला जलाया

भाजपा जयपुर शहर की ओर से मंगलवार को छोटी चौपड़ पर धरना देकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी व तेजस्वी यादव पुतला दहन किया गया।

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। भाजपा जयपुर शहर की ओर से मंगलवार को छोटी चौपड़ पर विशाल धरना तथा कांग्रेस नेता राहुल गांधी व तेजस्वी यादव पुतला दहन किया गया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पूज्य माता के लिए इस्तेमाल किए गए अपशब्दों के खिलाफ 3 घंटे चले इस धरने में भाजपा के सभी कार्यकर्ता विधायक व अन्य नेताओं ने अपने भाषण में राहुल गांधी व तेजस्वी यादव की तीखी आलोचना की। इस विरोध प्रदर्शन में हजारों की संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। उन्होंने भारत मां के जयकारे लगाए और राहुल गांधी के खिलाफ नारेबाजी की।

- **प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की स्वर्गीय मां के खिलाफ इन दोनों नेताओं द्वारा की गई अभद्र टिप्पणियों की भाजपा कार्यकर्ताओं ने घोर निंदा की**
- **''मां का अपमान कांग्रेस की पहचान'' तथा ''मां का अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान'' लिखित तख्तियों के साथ धरने में शामिल हुई मातृशक्ति**

जयपुर जिला अध्यक्ष अमित गोयल ने कहा कि राहुल गांधी द्वारा कहे गए अपशब्द केवल एक माता का नहीं, बल्कि समस्त मातृ शक्ति एवं भारतीय संस्कारों और संस्कृति का अपमान है। उन्होंने कहा कि माँ का अपमान कॉंग्रेस की पहचान है।

मां के अपमान पर जयपुर की नारी चुप नहीं रहेगी। मां सीता का अपमान होने पर सोने की लंका जला दी गई थी। मां को भरी सभा में घसीटा गया, तो महाभारत हुई। एक बार फिर देश के प्रधानमंत्री की मां का अपमान हुआ है और यह प्रधानमंत्री की मां का नहीं, बल्कि हर भारतवासी की मां का अपमान है। सनातन को मानने वाला चुप नहीं रहेगा। पुतला दहन के माध्यम से हम सभी को अपने अंदर की बुराई को मारना है और 2047 तक भारत को विकसित बनाना है। उन्होंने अपने भाषण से प्रत्येक कार्यकर्ता में जोश भर दिया और सभी को भारत माता के नारे लगवाए। धरने में जयपुर के विभिन्न कोनों से आई सैकड़ों की संख्या में नारी शक्ति भी उपस्थित रही।

वे ''मां का अपमान कांग्रेस की पहचान, ''मां का अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान'' लिखित तख्तियों के साथ धरने में शामिल हुई। इस अवसर पर अनेक विधायक और वरिष्ठ नेताओं ने भी अपने भाषण में राहुल गांधी व तेजस्वी यादव की घोर निंदा की।

इस अवसर पर सिविल लाइन से विधायक गोपाल शर्मा, हवामहल से विधायक बालमुकुंदचार्य, किशनपोल प्रत्याशी चंद्रमोहन बँटवाडा, महापौर कुसुम यादव, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अशोक परनामी, भाजपा के प्रदेश महामंत्री श्रवण बगड़ी, प्रदेश मंत्री अजीत माण्डन, प्रदेश कार्यालय मंत्री मुकेश पारीक, पूर्व विधायक मोहन लाल गुप्ता, महिला मोर्चा प्रदेश महामंत्री जयश्री गर्ग, प्रदेश मंत्री स्टेफी चौहान, अपूर्वा सिंह, राजस्थान राज्य महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष सुमन शर्मा, सहित अनेक पार्षद एवं मंडल अध्यक्ष, सही समस्त कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी मौजूद रहे।

अतिवृष्टि, फसल खराबे और लॉ एण्ड ऑर्डर पर सरकार को घेरेगी कांग्रेस

जयपुर के कांस्टीट्यूशन क्लब में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली की अध्यक्षता में हुई कांग्रेस विधायक दल की बैठक

जयपुर। राजधानी जयपुर के कांस्टीट्यूशन क्लब में मंगलवार को नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली की अध्यक्षता में कांग्रेस विधायक दल की बैठक संपन्न हुई। बैठक में कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव और टोंक से विधायक सचिन पायलट भी शरीक हुए।

बैठक में रणनीति बनाई गई कि, राजस्थान में अतिवृष्टि से बिगड़े हालातों, फसल खराबे और प्रदेश में लॉ एण्ड ऑर्डर को लेकर सदन में भाजपा सरकार को घेरा जाये। बैठक में करीब-करीब सभी कांग्रेस विधायक पहुंचे, जिन्हें नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने सदन की कार्यवाही के दौरान उपस्थित रहने और अपने-अपने क्षेत्र की समस्याएं विधानसभा में पुरजोर तरीके से उठाने के निर्देश दिये।

बैठक के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए टीकाराम जूली ने कहा कि पूरा विपक्ष जनसमस्याओं को विधानसभा में उठाकर सरकार को कटघरे में खडा करेगा। जूली ने कहा कि कांग्रेस विधायकों ने बैठक में बताया है कि अतिवृष्टि से पूरे प्रदेश में हाहाकार मचा हुआ है। गरीबों के कच्चे मकान ढह गये है, खेतों में पानी भरने से किसान बर्बाद हो गये है। पूरे प्रदेश में सड़कों की हालत बदत्तर है। इसके बावजूद भी सरकार ने कोई राहत पहुंचाने का कार्य नहीं किया है।

शिक्षा विभाग के पाठ्यक्रम से छेड़छाड, अंग्रेजी स्कूलों को बंद करने तथा झालावाड़ की स्कूल में हुए हादसे को लेकर भी कांग्रेस गंभीर है। सरकार पंचायतीराज और निकाय चुनाव करवाने से बच रही है। परिसीमन के नाम पर लोगों को बेवजह परेशान किया जा रहा है।

महिला व बालिका अत्याचार के मामले दिनोदिन बढ़ते जा रहे है, प्रदेश में कानून व्यवस्था चरमराई हुई है। इन्ही तमाम मुद्दो को लेकर कांग्रेस, सदन में राज्य सरकार को घेरेगी।

ए.आई.सी.सी. महासचिव सचिन पायलट ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि केंद्र की मोदी सरकार हो या राजस्थान की भजनलाल सरकार, इनका रवैया यही रहा है कि ये लोग मुद्दो पर बात ही नहीं करना चाहते। प्रदेश में बाढ़ के हालात है, जनजीवन अस्त-व्यस्त है, किसानों को भारी नुकसान हुआ है। इसके अलावा और भी कई मुद्दे है जिन पर कांग्रेस सदन में सार्थक चर्चा चाहती है।

उन्होंने कहा कि हमें विधानसभा में चुनकर भेजा है तो जनता चाहती है कि हम उनकी समस्याओं पर सदन में चर्चा करे। भजनलाल सरकार ने दो साल के शासन में प्रदेश में कोई काम नहीं किया, इसलिए हम सदन में सरकार को कटघरे में खड़ा करेंगे।

याचिका खारिज

जयपुर । हाईकोर्ट ने एसएमएस मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल और नियंत्रक पद पर डॉ. दीपक माहेश्वरी को चुनौती देने वाली याचिका को खारिज कर दिया है। जस्टिस आनंद शर्मा की एकलपीठ ने यह आदेश डॉ. अवतार सिंह दुआ की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने कहा कि याचिकाकर्ता ने दीपक माहेश्वरी की ओर से साल 2016 में दिए त्यागपत्र और उसे वापस लेने के आधार पर उनकी नियुक्ति को चुनौती दी है। याचिकाकर्ता ने इस तथ्य की जानकारी होने के भी चयन प्रक्रिया में भाग लिया और असफल होने पर सात साल पहले दिए इस्तीफे और उसे वापस लेने की अनुमति देने पर आपत्ति उठा रहा है।

विदेशी पर्यटकों के लिए जी.एस.टी. हटाने की मांग

जयपुर (कासं)। इंडियन हैरिटेज होटल्स एसोसिएशन (आईएचएए) ने भारत सरकार के पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत को एक ज्ञापन सौंपकर विदेशी पर्यटकों के लिए जीएसटी हटाने की मांग की है। इस कदम से इनबाउंड टूरिज्म को बढ़ावा मिलेगा, जिससे भारत को दक्षिण-पूर्व एशिया और इजराइल जैसे गंतव्यों के साथ अधिक प्रभावी ढंग से प्रतिस्पर्धा करने में मदद मिलेगी। इससे अमेरिकी टैरिफ के मौजूदा मुद्दों से उत्पन्न विदेशी मुद्रा घाटे की भरपाई में भी मदद मिलेगी। यह बात आईएचएए के सेक्रेटरी जनरल, कैप्टन गज सिंह अलसीसर ने मंगलवार को अलसीसर हवेली में प्रेस कॉन्फ्रेंस में कही।

- **इंडियन हैरिटेज होटल्स एसो. का 12वां एनुअल कन्वेंशन और 24वीं जनरल मीटिंग 6-7 सितंबर को होगी**

उन्होंने बताया कि इंडियन हेरिटेज होटल्स एसोसिएशन की 24वीं एनुअल जनरल मीटिंग और 12वां एनुअल कन्वेंशन इस वर्ष जयपुर स्थित कासल कानोता में 6 से 7 सितंबर को आयोजित होगा। कार्यक्रम में पूरे भारत से लगभग 150 हेरिटेज होटेलियर्स के शामिल होने की उम्मीद है। कैप्टन अलीसार ने बताया कि पिछले वर्ष हॉस्पिटैलिटी सेक्टर को इंफ्रास्ट्रक्चर का दर्जा देने के लिए की गई आईएचएए की मांग को केंद्र सरकार ने स्वीकार कर लिया है और इसे अपने बजट में घोषित भी कर दिया गया है। साथ ही, इसकी अधिसूचना भी जारी कर दी गई है।

आईएचएए कमेटी सदस्य, शत्रुंजय सिंह ने कहा कि इस वर्ष के आईएचएए कन्वेंशन की थीम रोमांटिक हैरिटेज है। हेरिटेज प्रॉपर्टीज में स्वाभाविक रूप से रोमांस की भावना समाहित होती है, जो उनकी कलिनरी परम्पराओं, म्यूजिक, आर्किटेक्चर और इक्वेस्ट्रियन संस्कृति में प्रतिबिम्बित होती है।

कासल कानोता के संरक्षक पृथ्वी सिंह कानोता और प्रताप कानोता ने बताया कि एनुअल कन्वेंशन के पहले दिन 6 सितंबर (शनिवार) को राजस्थान की उप मुख्यमंत्री एवं पर्यटन मंत्री दिया कुमारी दीप प्रज्वलित कर एग्जीबिशन का उद्घाटन करेंगी। इस अवसर पर आईएचएए के प्रेसिडेंट एमिरेट्स, एचएच महाराजा गज सिंह; आईएचएए के महासचिव, कैप्टन गज सिंह अलसीसर; आईएचएए के उपाध्यक्ष, स्टीव बोर्जिया सहित राजस्थान सरकार के पर्यटन अधिकारी भी उपस्थित रहेंगे। उद्घाटन सत्र के दौरान संजीव विद्यार्थी द्वारा रिवाइवल ऑफ हेरिटेज आर्किटेक्चर विषय पर चर्चा आयोजित होगी। इसके पश्चात, अभिमन्यु सिंह अलसीसर द्वारा राजस्थान के लोक संगीत पर एक डॉक्यूमेंट्री प्रस्तुत की जाएगी। इसके अतिरिक्त, वीर विजय सिंह डुंडलोद द्वारा होटल ऑपरेशंस पर एक संवाद और सोलर एज टेक्नोलॉजीस द्वारा एक प्रजेंटेशन प्रस्तुत की जाएगी। दिन के दौरान एग्जीक्यूटिव कमेटी की बैठक होगी, जिसमें भारत सरकार के पर्यटन मंत्री, गजेंद्र सिंह शेखावत शिरकत करेंगे और सदस्यों को संबोधित करेंगे। इस बैठक में केवल एग्जीक्यूटिव कमेटी के सदस्य हिस्सा लेंगे।

एलआईसी की बीमा बाजार में 65.83 प्रतिशत हिस्सेदारी

जयपुर। भारत की अग्रणी जीवन बीमा कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम (एल.आई.सी.) अपनी 69वीं वर्षगांठ का जश्न मना रहा है। एलआईसी ने 36 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि हासिल करते हुए सबसे तेज़ी से बढ़ते भारतीय ब्रांड के रूप में भी उभरी है। गत 1 सितंबर 2025 को अपनी 69वीं वर्षगांठ का गौरवशाली क्षण मना रही एल.आई.सी. ने अपनी उपलब्धि का श्रेय टीम के समर्पण और कड़ी मेहनत तथा ग्राहकों के विश्वास को दिया है।

एल.आई.सी. वित्तीय वर्ष 2024-25 में पॉलिसियों में 65.83 प्रतिशत बाज़ार हिस्सेदारी और प्रथम वर्ष की प्रीमियम आय में 57.05 फीसदी बाज़ार हिस्सेदारी के साथ बाज़ार में अपनी अग्रणी स्थिति बनाए रखी है। कुल एयूएम 6.45 प्रतिशत बढ़कर 54.52 लाख करोड़ रुपये हो गया है।वर्तमान में भारतीय जीवन बीमा निगम 35 व्यक्तिगत उत्पादों, 12 समूह उत्पादों, 7 व्यक्तिगत राइडर्स और 1 समूह राइडर का एक व्यापक पोर्टफोलियो प्रदान करता है, जो समाज के हर वर्ग की विविध आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जैसे एंडोमेंट इंश्योरेंस, टर्म इंश्योरेंस, चाइल्ड इंश्योरेंस, एन्युटी प्लान, ग्रुप इंश्योरेंस, माइक्रो इंश्योरेंस, हेल्थ और यूनिट लिंक्ड उत्पाद। ये योजनाएँ ऑफ़लाइन के साथ-साथ ऑनलाइन भी उपलब्ध हैं।

इसके अलावा एलआईसी का स्वर्ण जयंती फाउंडेशन (जीजेएफ), एलआईसी की सामुदायिक सेवा पहल के एक भाग के रूप में वर्ष 2006 में स्थापित किया गया था और अब तक 926 परियोजनाओं में 283 करोड़ रुपये और 80.62 करोड़ रुपये की 30835 छात्रवृत्तियाँ वितरित कर चुका है।

सचिन पायलट ने जैसलमेर पहुंचकर कर्नल सोनाराम चौधरी को श्रद्धांजलि दी

ए.आई.सी.सी. महासचिव पायलट ने, सब इंस्पेक्टर भर्ती परीक्षा रद्द करने के विवाद को लेकर राजस्थान सरकार पर भी निशाना साधा

जयपुर/जैसलमेर (कासं)। ए.आई.सी.सी. महासचिव और राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने मंगलवार को जैसलमेर के मोहनगढ़ पहुंचकर पूर्व सांसद स्व. कर्नल सोनाराम चौधरी को श्रद्धांजलि अर्पित की तथा शोक संतृप्त परिजनों को ढांढस बंधाया। पायलट के साथ मध्यप्रदेश कांग्रेस प्रभारी हरीश चौधरी भी मौजूद थे। जब पायलट विशेष विमान से जैसलमेर के सिविल एयरपोर्ट पर पहुंचे तो कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने गर्मजोशी के साथ उनका स्वागत किया। उनके स्वागत में पूर्व मंत्री सालेह मोहम्मद, पूर्व विधायक रूपाराम धनदेव, कांग्रेस जिलाध्यक्ष उम्मेद सिंह तंवर, पूर्व प्रधान अमरदीन फकीर, पूर्व जिला प्रमुख अब्दुल्ला फकीर व अंजना मेघवाल और सैकड़ों कार्यकर्ता उमड़े।

ए.आई.सी.सी. महासचिव और राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने मंगलवार को जैसलमेर के मोहनगढ़ पहुंचकर पूर्व सांसद स्व. कर्नल सोनाराम चौधरी को श्रद्धांजलि अर्पित की तथा शोक संतृप्त परिजनों को ढांढस बंधाया।

- **पायलट ने कहा कि ''एस.आई. भर्ती परीक्षा को लेकर लम्बे समय से विवाद चल रहा था, परंतु राजस्थान सरकार कभी कहती रही कि है कमेटी बना दी... समिति बना दी। लेकिन हकीकत में सरकार ने कोई ठोस कदम नहीं उठाया।''**

कर्नल सोनाराम चौधरी को श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद सचिन पायलट पूर्व विधायक रूपाराम धनदेव के जैसलमेर आवास पर पहुंचे। जहां मीडिया से मुख़ातिब होते हुए सचिन पायलट ने एस.आई. भर्ती परीक्षा रद्द करने के मामले पर राज्य सरकार पर जुबानी हमला बोला। पायलट ने कहा कि, प्रदेश की वर्तमान भाजपा सरकार का रुख स्पष्ट नहीं है। एस.आई. भर्ती परीक्षा को लेकर लम्बे समय से विवाद चल रहा था, परंतु सरकार कभी कहती रही कि है कमेटी बना दी... समिति बना दी। लेकिन सरकार ने इस ओर कोई ठोस कदम नहीं उठाया। सरकार को अब तक यह भी मालूम नहीं कि, करना क्या है। सरकार बोलती कुछ है और कोर्ट में हलफनामा कुछ और देती है। यह पूरा कन्फयूजन सरकार के द्वारा ही उत्पन्न किया गया है। जिसका खामियाजा उन लोगों को भुगतना पड़ रहा है, जो परीक्षा में सफल रहे, जिनकी नौकरी लगी। अब कोर्ट से आदेश आया है, उसमें भी कन्फ्यूजन है। सचिन पायलट ने कहा कि, राजस्थान सरकार को तुरंत प्रभाव से निर्णय लेकर सब इंस्पेक्टर भर्ती परीक्षा के इस पूरे मामले को स्पष्ट करना चाहिए। मैंने पूर्व में भी बार-बार कहा है, आज भी दोहरा रहा हूं कि यह समस्या मात्र एक परीक्षा की नहीं है, अपितु इस पूरे सिस्टम की है। आर.पी.एस.सी. वो गंगोत्री है, जहां से परीक्षाएं व इंटरव्यूज़ होते हैं और नौकरी लगती है। जैसा कि कोर्ट ने कहा कि आर.पी.एस.सी. में खुलेआम भ्रष्टाचार हो रहा है। ऐसे में उन सदस्यों की नियुक्ति और कार्यप्रणाली पर भी संदेह होता है।

आपके घर हूपर नहीं आ रहा तो क्यूआर कोड स्कैन करे

जयपुर । उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेम चंद बैरवा ने मंगलवार को जयपुर में ''वॉयसेज़ ऑफ भारत: युवा फॉर सस्टेनेबिलिटी'' अभियान के तीसरे न्यूज़लेटर का विमोचन किया। उन्होंने सितंबर 2025 के अंतिम सप्ताह में जयपुर में प्रस्तावित दूसरे राष्ट्रीय सम्मेलन के मुख्य अतिथि के रूप में भी आमंत्रण स्वीकार किया।

इस एक वर्षीय अभियान की शुरुआत मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने विश्व पर्यावरण दिवस पर 5 जून 2025 को की थी। ''वॉयसेज़ ऑफ भारत: युवा फॉर सस्टेनेबिलिटी'' का उद्देश्य युवाओं को पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों का सामना करने के लिए कहानी कहने, पॉडकास्ट, वीडियो और डिजिटल मीडिया के माध्यम से प्रेरित और प्रशिक्षित करना है। अभियान के तहत अब तक कई महत्वपूर्ण कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं, जिनमें वेबिनार श्रृंखला और 21 जुलाई 2025 को कनोडिया पीजी महिला महाविद्यालय, जयपुर में आयोजित पहला राष्ट्रीय युवा स्थिरता सम्मेलन शामिल है।

ऑल इंडिया बार एग्जाम पास करने के बाद भी वकील को क्यों दिखाया असफल?

जयपुर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने साल 2012 में ऑल इंडिया बार एग्जाम पास करने के बाद वकालत कर रहे वकील को अब इस परीक्षा को पास नहीं करने वालों की सूची में शामिल करने पर बार कौंसिल ऑफ राजस्थान के सचिव को 9 सितंबर को तलब किया है। अदालत ने कहा है कि सचिव व्यक्तिगत या वीसी के जरिए पेश होकर प्रकरण से अदालत को अवगत कराए। अदालत ने इस दौरान संबंधित रिकॉर्ड भी पेश करने को कहा है। इसके साथ ही अदालत ने बार कौंसिल ऑफ इंडिया से भी जवाब तलब किया है। जस्टिस समीर जैन ने यह आदेश भागीरथ की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता प्रहलाद शर्मा और अधिवक्ता अक्षय शर्मा ने अदालत को बताया कि बीसीआर ने साल 2012 में याचिकाकर्ता का नामांकन पर स्थाई वकालत के लिए उसे प्रमाण पत्र जारी किया गया। वहीं बार कौंसिल ऑफ इंडिया ने 2010 के नियमों को लागू करते हुए साल 2012 में ऑल इंडिया बार एग्जाम आयोजित किया। जिसमें याचिकाकर्ता शामिल होकर परीक्षा में पास हुआ। इस पर याचिकाकर्ता ने बीसीआई से प्रैक्टिस प्रमाण पत्र मांगा।

जिस पर कौंसिल ने उससे ढाई हजार रुपए का शुल्क जमा करवाया। याचिका में कहा गया कि बार कौंसिल ऑफ राजस्थान ने एक सूची जारी कर ऑल इंडिया बार एग्जाम पास नहीं करने वाले वकीलों को प्रैक्टिस प्रमाण पत्र जारी करने से इनकार कर दिया। इस सूची में याचिकाकर्ता का नाम भी शामिल किया गया, जबकि वह पूर्व में ही यह परीक्षा पास कर चुका है। याचिका में कहा गया कि इसकी शिकायत बार कौंसिल ऑफ इंडिया में करने पर उसे सूचित किया गया कि ऑल इंडिया बार एग्जाम में फेल हुआ था। इसे चुनौती देते हुए कहा गया कि उसे पहले पास बताया गया और प्रमाण पत्र जारी करने के बदले फीस भी ली गई। जिस पर सुनवाई करते हुए अदालत ने बीसीआर के सचिव को पेश होने के आदेश दिए हैं।

स्वच्छता अभियान को लेकर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी : के.के. गुप्ता

न्याय मित्र के.के. गुप्ता मंडावा दौरे पर रहे, सीवरेज कंपनी व पालिका कर्मचारियों के साथ बैठक ली

मंडावा, (निसं)। जिला लोक अदालत द्वारा नियुक्त न्याय मित्र के के गुप्ता मंगलवार को मंडावा दौरे पर रहे। नगर पालिका में गुप्ता ने सीवरेज कंपनी व नगर पालिका कर्मचारियों के साथ बैठक कर जन समस्याओं के समाधान को लेकर दिशा निर्देश देते हुए कहा कि स्वच्छता अभियान को लेकर किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

गुप्ता ने कहा कि सरकार ने करोड़ों रुपए खर्च कर यहां की जनता और सैलानियों को किसी भी तरह की परेशानी ना हो उसको लेकर सीवरेज का काम करवाया, लेकिन जनता त्रस्त अधिकारी मस्त यह कहावत यहां पर सटीक बैठ रही है। इस समय सीवरेज कार्यों में लापरवाही सामने आ रही है। जो गंभीर मुद्दा है जगह-जगह सीवरेज चैंबर ओवरफ्लो हो रहे हैं, लेकिन कोई स्थाई समाधान नहीं किया जा रहा है। जिसके कारण आम जनता परेशानी झेल रही है। इसके लिए नगर पालिका व संबंधित कंपनी जिम्मेदार है। गुप्ता ने कहा कि सीवरेज कार्यों की जांच को लेकर सरकार व न्यायालय को अवगत करवाया जाएगा तथा अब तक हुए कार्यों की जांच करवाई जाएगी तथा

न्याय मित्र के. के. गुप्ता ने मंडावा में सीवरेज कंपनी व पालिका कर्मचारियों के साथ बैठक ली।

मेंटेनेंस भुगतान रोकने को लेकर कार्रवाई के लिए संबंधित अधिकारी तैयार रहें। सात दिन में समाधान नहीं करने पर सीवरेज कार्य करने वाली कंपनी ब्लैक लिस्ट जैसी कार्रवाई की जाएगी। दूसरी ओर न्याय मित्र ने जहां पर सीवरेज का कार्य पूर्ण हो गया है, वहां पर नालियों को बंद करने के निर्देश नगर पालिका को दिए तथा नगर पालिका से सर्वे रजिस्टर गायब मामले को लेकर थाने में एफआईआर दर्ज करवाने के निर्देश भी दिए। गुप्ता ने कहा कि सर्वे रजिस्टर गायब होना, इसका मतलब यह बड़ा घोटाला हो रहा है। कर्मचारियों की मिलीभगत के बिना रजिस्टर गायब नहीं हो सकता तथा एक धर्मशाला का पट्टा नगर पालिका द्वारा जारी करने मामले को लेकर पूरी रिपोर्ट मांगी एवं घर-घर कचरा संग्रहण मामले में लापरवाही नहीं बरतने के निर्देश भी ठेकेदार शुभम शर्मा को दिए।

गुप्ता ने कहा कि हेरिटेज हवेलियों को लेकर स्पष्ट निर्देश दिए गए कि यह पर्यटक का मुख्य दर्शनीय स्थल है एवं इसे किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ एवं इन्हें रात के अंधेरे में गिराने की साजिश से की जा रही है। उनको बेनकाब किया जाएगा। विदेशी टूरिस्ट के नाम पर मंडावा 30वें स्थान पर है। जो अपने आप में एक राजस्थान के पर्यटक स्थलों में विशेष महत्व रखता है। आज हमारे राजस्थान के पर्यटक स्थलों की चर्चा विदेश में गूंज रही है। उसमें मंडावा का सर्वश्रेष्ठ स्थान है। हवेलिया गिरने को लेकर जिम्मेदार अधिकारियों पर भी सख्त कार्रवाई की जाएगी। केके गुप्ता ने स्वच्छ भारत मिशन शहरी के तहत सफाई व्यवस्था, डोर टू डोर कचरा संग्रहण, नालियों की सफाई, सड़कों के अतिक्रमण हटाने, जानवरों को गौशाला में छुड़वाने, स्ट्रीट लाइट, सड़कों पर पानी भराव, प्लास्टिक पर प्रतिबंध, हवेलियों का जीर्णोद्धार व तोड़फोड़ ना हो, सार्वजनिक टॉयलेटों की सफाई दिन में, आमजन की प्राप्त शिकायतों का निस्तारण समय रहते हो, सड़क किनारे लगने वाले ठेलों के लिए स्थान निधारित करने आदि के दिशा निर्देश दिए। पालिका अध्यक्ष नरेश सोनी, इस दौरान सीवरेज कंपनी के प्रोजेक्ट मैनेजर भुजंग राव, विनय रेड्डी, वरिष्ठ प्रारूपकार आनंद बिहारी सोलंकी, सफाई निरीक्षक सत्यनारायण बावलिया, ठेकेदार शुभम शर्मा, पार्षद राजकुमार सैनी, इब्राहिम रंगरेज, नंदकिशोर यादव, पालिका उपाध्यक्ष नवाब खत्री भी मौजूद थे।

शादी का झांसा देकर ठगी करने वाले गिरोह का खुलासा

लुटेरी दुल्हन सहित दलाल व दो अन्य साथी गिरफ्तार, साढ़े चार लाख रुपए बरामद

अजमेर, (कासं)। शादी का झांसा देकर ठगी करने वाले गिरोह का खुलासा मंगलवार को राजकीय रेलवे पुलिस ने किया। पुलिस ने महिला सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से साढ़े चार लाख रुपए भी बरामद किए हैं। पुलिस ने तीनों आरोपियों को कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लिया है। आरोपियों से गहनता से पूछताछ की जा रही है।

- पुलिस ने तीनों आरोपियों को कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लिया, पूछताछ जारी

जीआरपी थाना प्रभारी फूलचंद बालोटिया ने मंगलवार को मामले का खुलासा करते हुए बताया कि उदयपुर निवासी रिटायर्ड गार्ड 60 वर्षीय शोभालाल माली ने 30 अगस्त को मामला दर्ज करवाया था। पीड़ित ने शिकायत में बताया कि उसके दोस्त छगनलाल माली ने उसे अनिल जैन से मिलवाया था। अनिल ने झारखंड की गरीब परिवार की लड़की से बेटे की शादी करवाने का प्रस्ताव रखा। इसके लिए पहले 2 लाख रुपए विवाह स्थल और खर्च के नाम पर ले लिए गए। पीड़ित को 30 अगस्त को लड़की से मिलाने के बहाने अजमेर रेलवे स्टेशन बुलाया गया। वहां अनिल ने रिसेप्शन और गहनों के बहाने साढ़े चार लाख रुपए नगद ले लिए। थोड़ी देर बाद उसने फोन कर बताया कि लड़की पैसे लेकर भाग गई। इसके बाद पीड़ित को ठगी का एहसास हुआ और पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मुख्य दलाल उदयपुर निवासी अनिल जैन है, जबकि अन्य दो आरोपी धनबाद (झारखंड) की महिला और उसका साथी बताए जा रहे हैं।

मुख्य आरोपी अनिल जैन को जयपुर से गिरफ्तार किया और उसके कब्जे से 1.30 लाख रुपए बरामद किए। उसकी सूचना पर धनबाद निवासी प्रियंका मेरी अलायंस और मेघनाथ को अजमेर दरगाह क्षेत्र से दबोचा गया। इनके कब्जे से 2.70 लाख रुपए मिले। जांच में सामने आया कि अनिल की शादी भी चार साल पहले धनबाद की एक महिला से हुई थी। वहीं से उसकी मुलाकात प्रियंका और मेघनाथ से हुई और तीनों ने शादी के नाम पर लोगों को ठगने का सिलसिला शुरू किया। कई मामलों में ये दुल्हन बनकर शादी करवाते और फिर गहनों व पैसों के साथ फरार हो जाते। थाना प्रभारी ने बताया कि गिरोह के अन्य मामलों की भी जांच की जा रही है और आरोपियों का आपराधिक रिकॉर्ड मंगवाया गया है। पुलिस का मानना है कि यह गिरोह लंबे समय से सक्रिय है और कई लोगों को इसी तरह ठग चुका है।

मंदिर में हुई चोरी के मामले में एक आरोपी गिरफ्तार

भीलवाड़ा, (निसं)। चारभुजानाथ मंदिर से चोरी हुए चांदी के छत्र का खुलासा आसींद पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज एवं नगरवासियों के सहयोग से 12 घंटे में करते हुए एक जने को पकड़ लिया है।

आसींद थाना प्रभारी हंसपाल सिंह ने बताया कि आसींद में श्री चारभुजानाथ मंदिर से चोरी हुए चांदी के छत्र को बरामद कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान प्रहलाद

- तलाशी के दौरान आरोपी के बैग से चोरी हुआ चांदी का छत्र बरामद हुआ

आसींद पुलिस ने चोरी के आरोप में एक जने को पकड़ा।

नाथ योगी के रूप में हुई है। पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह के निर्देश और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रोशन पटेल व पुलिस उप अधीक्षक ओमप्रकाश सोलंकी के सुपरविजन में आसींद थानाधिकारी हंसपाल सिंह के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया था। टीम में थानाधिकारी हंसपाल सिंह के नेतृत्व में इस टीम में हेड कांस्टेबल श्रवण कुमार और कांस्टेबल कालूराम, महादेव सिंह, मूल सिंह, महेंद्र सिंह और गणपत शामिल थे। पुलिस टीम ने घटनास्थल और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले। फुटेज में करीब 25 साल का एक युवक संदिग्ध गतिविधियों में शामिल मिला। पुलिस ने फुटेज को सोशल मीडिया पर शेयर किया, जिसके बाद जनता और पुलिस के सहयोग से आरोपी की पहचान हुई। आरोपी प्रहलाद नाथ को पीडब्ल्यूडी चौराहे के पास एक होटल के सामने से हिरासत में लिया गया। तलाशी के दौरान उसके बैग से चोरी हुआ चांदी का छत्र बरामद हुआ। मंदिर के पुजारी राजाराम वैष्णव ने मौके पर ही छत्र की पहचान की, जिसके बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। गौरतलब है कि पुजारी राजाराम वैष्णव ने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि दोपहर करीब सवा ग्यारह बजे एक अज्ञात व्यक्ति मंदिर में आया और मूर्ति पर लगा चांदी का करीब एक किलो वजनी छत्र चुराकर ले गया है।

अजीतगढ़ तालाब की पाल पर चादर चली

भीम, (निसं)। उपखंड क्षेत्र के अजीतगढ़ ग्राम पंचायत क्षेत्र के अजीतगढ़ तालाब की पाल पर स्थित पुल ओवरफ्लो होने से ग्रामीणों एवं स्कूली विद्यार्थियों के लिए खतरा बन गया गया है। पिछले दिनों से हो रही लगातार बारिश के कारण अब हालात ऐसे हैं कि विद्यार्थी जान जोखिम डालकर स्कूल जाने को मजबूर हैं।

सरेली घाटी, मियालाखेत के विद्यार्थी इस पुल का उपयोग स्कूल जाने के लिए करते हैं, लेकिन गत दिनों हुई लगातार बारिश के कारण अजीतगढ़ तालाब की पाल पर ओवरफ्लो पानी चल रहा है। विद्यार्थी हर दिन इस मार्ग से गुजर रहे हैं, जिससे कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। हेमेंद्रसिंह ईश्वरसिंह, धारा सिंह, रमेश कुमार भाट, किशन सिंह, धर्मेंद्र कुमार भाट नारायणसिंह गिरधारीसिंह हेमसिंह आदि ग्रामीण ने प्रशासन से इस समस्या से निजात दिलाने की मांग की है। उन्होंने साथ ही सुरक्षित और स्थायी पुल बनाने की मांग की है। वर्तमान में क्षेत्र में अत्यधिक वर्षा होने से आस-पास के तालाब नदी नाले एवं अन्य जलाशय अपनी भराव क्षमता पूर्ण कर ओवरफ्लो

- सरेली घाटी, मियालाखेत के विद्यार्थी इस पुल का उपयोग स्कूल जाने के लिए करते हैं
- गत दिनों हुई बारिश के कारण अजीतगढ़ तालाब की पाल पर ओवरफ्लो पानी चल रहा है

चलने पर जल संसाधन विभाग ने आमजन के लिए एडवाइजरी जारी कर जागरूक किया है।

जल संसाधन विभाग के सहायक अभियंता हिमांशु व्यास ने आमजन को सूचित करने के लिए प्रेस नोट जारी कर बताया कि कुंडेली बांध,कालाभाटा बांध, नीमारबांध, भीम तालाब, भीम रपट, भोपालसागर तालाब, तालाब के नीचे डाउनस्ट्रीम में खारी नदी, नेखाड़ी नदी के बहाव क्षेत्र के आसपास किसी प्रकार की गतिविधि नहीं करें, ताकि किसी प्रकार की जनहानि एवं असुविधा नहीं हो।

ऑपरेशन थिएटर में बुजुर्ग महिला की कथित मौत का आरोप

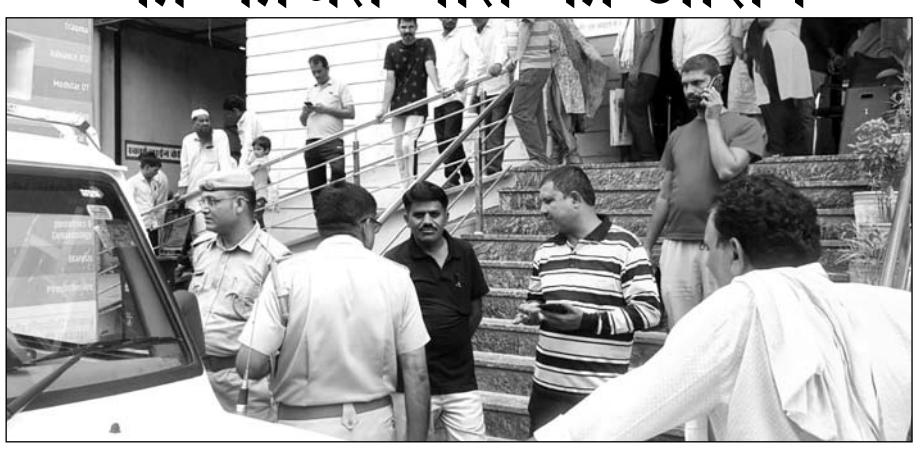

हंगामे की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों से समझाइश की।

झुंझुनूं, (निसं)। एक बार फिर शहर के रोड नंबर तीन पर स्थित एक निजी अस्पताल में हंगामा हुआ है। इलाज के दौरान आपरेशन थिएटर में हुई बुजुर्ग महिला की कथित मौत के बाद परिजनों ने हंगामा किया है। पुलिस भी मौके पर पहुंच गई है। समझाइश की कोशिश की जा रही है।

- बुजुर्ग महिला की कथित मौत के बाद परिजनों ने हंगामा किया, पुलिस पहुंची

जानकारी के मुताबिक झुंझुनूं शहर के वार्ड नंबर एक सैनिक नगर निवासी 70 वर्षीय बुजुर्ग महिला पतासी देवी को उनके परिजनों ने अस्पताल में पथरी के आपरेशन के लिए 30 अगस्त को भर्ती करवाया था। जिसका आपरेशन एक सितंबर, यानि कि सोमवार को होना था। परिजनों का कहना है कि निर्धारित समय पर सोमवार को डॉक्टर पतासी देवी को आपरेशन थिएटर में ले गए, लेकिन करीब एक घंटे बाद पतासी देवी के बेटे सीताराम को डॉक्टरों ने बताया कि पतासी देवी के हार्ट ने काम करना बंद कर दिया है। जिस पर सीताराम ने पुलिस को बुलाने की धमकी दी। सीताराम का दावा है कि उसके द्वारा दी गई धमकी से डरकर डॉक्टरों ने उससे झूठ बोला और कहा कि वे सीपीआर के जरिए पतासी देवी की जान बचाने की कोशिश कर रहे हैं। इसके बाद उसकी मां को वेंटिलेटर पर ले लिया गया, लेकिन मिलने नहीं दिया। मंगलवार सुबह डॉक्टरों ने उसकी मां की मौत की जानकारी दी। जिसके बाद सीताराम और उसके परिजनों ने हंगामा शुरू कर दिया और आरोप लगाया कि इलाज में बरती गई लापरवाही से उसकी मां की जान चली गई। हंगामे की सूचना पर शहर कोतवाल हरजिंदर सिंह भी मौके पर पहुंचे, जिन्होंने परिजनों को समझाने की कोशिश की, लेकिन कार्रवाई ना होने तक परिजन महिला का शव ना लेने पर अड़े रहे। देर शाम को परिजन समझाइश पर शांत हुए और शव को लिया। इस मामले में अस्पताल प्रबंधन की तरफ से कोई अधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई।

ग्राम भाबरू में भारी बारिश से मकान ढहा, परिवार बेघर हुआ

पावटा, (निसं)। पिछले कई दिनों से क्षेत्र में प्रतिदिन हो रही झमाझम बारिश के कारण जर्जर एवं मिट्टी के घरों में रहने वाले लोगों की मुश्किलें बढ़ गई

- प्रशासन से आर्थिक सहायता दिलाने की लगाई गुहार

है। क्षेत्र में लगातार हो रही भारी बारिश ने जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया है। कई क्षेत्रों में मकान ढहने, खेतों को नुकसान की घटनाएं सामने आ रही हैं। इसी कड़ी में विराटनगर उपखंड की ग्राम पंचायत भाबरू, योगी मोहल्ला निवासी गोवर्धन योगी का मकान भारी वर्षा के चलते क्षतिग्रस्त हो गया। इस प्राकृतिक आपदा के कारण उनका परिवार बेघर हो गया है। गनीमत यह रही कि इसमें किसी तरह की कोई जनहानि नहीं हुई।

गोवर्धन योगी ने बताया कि उनका मकान बारिश से धराशाही हो गया, जिसमें घरेलू सामान समेत आशियाना बर्बाद हो

ग्राम पंचायत भाबरू में एक मकान भारी वर्षा से क्षतिग्रस्त हो गया।

गया। पीड़ित परिवार ने प्रशासन से आर्थिक सहायता दिलाने की गुहार लगाई है। उन्होंने यह भी बताया कि उनके पास इस मकान के अलावा और कोई आसरा नहीं है। परिवार बेहद गरीब है और अब उनके पास सिर छुपाने के लिए कोई जगह नहीं बची है। घटना की सूचना मिलते ही ग्रामीण मौके पर पहुंचे और उन्होंने भी प्रशासन से पीड़ित परिवार की मदद की मांग की है। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि प्रशासन को इस परिवार की मदद के लिए तुरंत कदम उठाने चाहिए। बारिश का कहर अभी थमा नहीं है और ऐसी घटनाएं लगातार हो रही है।

प्रोसेस हाउस पर काला पानी छोड़ने का आरोप

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले में प्रोसेस हाउस ग्रामीणों को काले पानी की सजा देने से बाज नहीं आ रहे हैं। ताजा मामला सोना प्रोसेस हाउस का है, जहां काला पानी छोड़ने का आरोप लगाते हुए ग्रामीणों ने प्रोसेस हाउस बंद करने की मांग करते हुए प्रदर्शन शुरू कर दिया।

सोना प्रोसेस हाउस पर काला पानी छोड़ने का ग्रामीणों ने आरोप लगाते हुए सोना सिलेक्शन फैक्ट्री के बाहर हाथों में काला पानी लेकर प्रदर्शन किया और फैक्ट्री बंद करने की चेतावनी के साथ प्रदर्शन फिलहाल जारी है। ग्रामीणों ने कहा कि प्रोसेस हाउसों द्वारा छोड़े जा

- ग्रामीणों ने प्रोसेस हाउस बंद करने की मांग करते हुए प्रदर्शन किया

रहे काला पानी से गांव के आसपास पशुओं की मौत हो रही है, कुओं का पानी तक कला हो गया है। कीरों की झोपड़िया के ग्रामीण प्रोसेस हाउसों की तानाशाही के चलते काले पानी की सजा पाने को मजबूर हैं, लेकिन जिम्मेदार विभाग पुख्ता कार्यवाही नहीं कर रहा है।

दो गाइड सम्मानित

राजसमंद, (निसं)। भारत स्काउट एवं गाइड राष्ट्रीय मुख्यालय नई दिल्ली द्वारा भारत मंडपम में आयोजित राष्ट्रपति अवार्ड स्काउट-गाइड रोवर-रेंजर रैली में जिले से दो गाइड को राष्ट्रपति अवार्ड से सम्मानित किया गया। इस वर्ष जिले से लक्ष्मीपत सिंघानिया स्कूल की दो गाइड्स मेघना हींगड पुत्री अशोक हींगड और कृत्वी कावडिया पुत्री हेमंत कावडिया को यह सम्मान मिला। 31 अगस्त को दिल्ली स्थित भारत मंडपम में आयोजित समापन समारोह में केंद्रीय खेल एवं युवा मंत्री मनसुख मांडविया ने राष्ट्रपति अवार्ड से अलंकृत किया।

चाकूबाजी की घटना में दो नाबालिग घायल

टोंक, (निसं)। जिला मुख्यालय पर सोमवार देर रात पुरानी टोंक क्षेत्र में चाकूबाजी की घटना में दो नाबालिग लड़के गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हे सआदत अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से उन्हे को जयपुर रेफर कर दिया गया। घटना दो पक्षों में पुरानी रंजिश को लेकर हुई है।

पुरानी टोंक थाना प्रभारी नेमीचंद गोयल ने बताया थाना क्षेत्र के बाबरों का चौक में सोमवार देर रात को पुरानी रंजिश को लेकर एक पक्ष के तीन-चार लड़कों ने दूसरे पक्ष के दो नाबालिग लड़कों पर चाकू से हमला कर दिया। घटना के बाद आरोपी फरार हो गए। घायल हुए अली (16) और फैजान (17) बताये जा रहे हैं। हमले का कारण अभी स्पष्ट नहीं हुआ है।

पार्षदों ने पानी में खड़े होकर प्रदर्शन किया

भीलवाड़ा, (निसं)। पिछले दो दिन से जारी बरसात के दौर ने एक ओर जहां प्रशासनिक दावों की पोल खोलकर रख दी है तो वहीं दूसरी ओर खुद जनप्रतिनिधियों को ही अधिकारियों के लापरवाही के खिलाफ आंदोलन की राह पर उतरना पड़ रहा है। मामला बायोस्कोप के सामने अंडरब्रिज में भरे पानी का है, जहां से तीन वार्डों के निवासी पुराने शहर से पटरी पार के शहर के जाने के लिए इसी अंडरब्रिज से होकर गुजरते हैं। इन तीन वार्डों के ही पार्षदों ने निगम और जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ बरसात के समय पानी की प्रॉपर निकासी नहीं होने का आरोप लगाते हुए पानी में ही खड़े होकर प्रदर्शन किया।

वार्ड पार्षद राधेश्याम भड़ाना, पार्षद प्रकाश भील और पार्षद प्रतिनिधि विकास ने वार्ड 67, 68 और 69 के वाशिंदों के साथ पानी में खड़े होकर प्रदर्शन किया और कहा कि नगर निगम के महापौर राकेश पाठक शहर की व्यवस्थाओं में सुधार लाना चाहते हैं, लेकिन लापरवाह अधिकारियों के कारण शहर में बरसात के चलते बाढ़ जैसे हालात पैदा हो गए। बरसात से पूर्व ही समय-समय पर पार्षदों ने सड़क निर्माण, नाली नालों की सफाई और अंडरब्रिजों से पानी निकालने के स्थाई समाधान को लेकर अपनी मांग मौखिक और लिखित रूप से जिम्मेदार अधिकारियों के सामने रखी थी, लेकिन प्रशासन ने कोई ध्यान नहीं दिया, जिसके कारण बरसात में शहर जलमग्न हो गया और आम जनता को खासी परेशानियों का सामना करना पड़ा है।

बांसड़वाड़ा की पहाड़ियों पर लैपर्ड का मूवमेंट, लोगों में दहशत

स्थानीय लोगों ने वीडियो बनाया, वन विभाग से रेस्क्यू की मांग

डूंगरपुर, (निसं)। शहर के बांसड़वाड़ा मोहल्ले के पीछे पहाड़ियों पर एक बार फिर से लैपर्ड का मूवमेंट नजर आया है। लोगों ने लैपर्ड का वीडियो भी बना लिया। लोगों का कहना है पहाड़ियों पर एक नहीं 3 लैपर्ड हैं, जो कई बार नजर आते हैं। इससे हमेशा की कॉलोनी में लोगों में डर बना रहता है। लोगों ने वन विभाग से तीनों लैपर्ड का रेस्क्यू करने की मांग की है।

- लोगों का कहना है पहाड़ियों पर एक नहीं 3 लैपर्ड हैं, जो कई बार नजर आते हैं

बांसड़वाड़ा डूंगरपुर नगर परिषद के पीछे एक पहाड़ी पर बसा है। इसके पीछे की तरफ उदयविलास की पहाड़ियां है। इन पहाड़ियों पर आए दिन लैपर्ड और उसका कुनबा दिखाई दिया है। गत देर शाम के समय पहाड़ी पर एक लैपर्ड पहाड़ी से थोड़ा नीचे की तरफ दिखा। जिस पर लोग डर गए। लैपर्ड पहाड़ी से नीचे की ओर से ऊपर की ओर जाते दिख रहा है और फिर एक पेड़ की पीछे झाड़ियों में छुप गया। मौजूद लोगों ने उसका वीडियो भी बना लिया। लोगों ने कहा कि पिछले दिन एक साथ 3 लैपर्ड दिखाई दिए थे। आए दिन इस पहाड़ी के ऊपर की तरफ लैपर्ड दिखता है। उनके नीचे कॉलोनी ने आने पर कोई भी हादसा हो सकता है। इसलिए हमेशा डर रहता है। बांसड़वाड़ा के लोगों ने वन विभाग से लैपर्ड का रेस्क्यू करने की मांग की है।

राज्य स्तरीय कला उत्सव प्रतियोगिता शुरु

राजसमंद, (निसं)। जवाहर नवोदय विद्यालय राजसमंद के सभागार में दो दिवसीय राज्य स्तरीय कला उत्सव प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ हुआ। इस उत्सव में राजस्थान, हरियाणा और दिल्ली के कुल 228 युवा कलाकार अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं। इस प्रतियोगिता का उद्घाटन जिला कलेक्टर अरुण कुमार हसीजा ने किया। कला उत्सव में छात्र-छात्राएं गायन, वादन, नृत्य, नाटक, कहानी वाचन और दृश्य कला जैसी विविध श्रेणियों में अपनी कला का जौहर दिखा रहे हैं।

मारपीट मामले में आरोपियों को गिरफ्तार करने की मांग

भीलवाड़ा, (निसं)। बहन के साथ छेड़छाड़ करने पर टोका तो आरोपियों ने भाइयों की जमकर मारपीट कर दी। मामला बागौर थाना क्षेत्र में दो भाइयों के साथ बेरहमी से मारपीट का है।

पीड़ित कैलाश कीर ने बागौर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि 27 अगस्त रात को उसे और उसके भाई उदयलाल कीर को उनके ही खेत पर बुलाया गया। आरोपियों ने खेत में मवेशी घुसने का बहाना बनाकर दोनों भाइयों को मौके पर बुलाया और वहां करीब एक दर्जन लोगों ने उन पर हमला कर दिया। मारपीट में उदयलाल गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे पहले भीलवाड़ा अस्पताल में भर्ती कराया और हालत गंभीर होने पर उदयपुर रेफर कर दिया गया, जहां उसका इलाज जारी है।

पीड़ित उदयलाल ने बताया कि आरोपी उसकी बहन को सोशल मीडिया पर फोन करके और अभद्र फोटो-

- बहन के साथ छेड़छाड़ करने पर टोका तो आरोपियों ने भाइयों से मारपीट की थी, वारदात को एक सप्ताह से ज्यादा बीत चुका है

वीडियो भेजकर छेड़छाड़ करते थे। जब उसकी बहन ने यह बात बताई तो उसने आरोपियों को उलाहना दिया। इसी रंजिश के चलते आरोपियों ने उन्हें धोखे से बुलाकर मारपीट की। वारदात को एक सप्ताह से ज्यादा बीत चुका है, लेकिन अब तक पुलिस ने किसी भी आरोपी को गिरफ्तार नहीं किया है। पीड़ित पक्ष का कहना है कि पुलिस की कार्रवाई सुस्त है इस कारण उनके हौसले बुलंद हो गए हैं।

करंट से बालिका की मौत

बौंली-बामनवास, (निसं)। क्षेत्र की ग्राम पंचायत लाखनपुर के ग्राम गोठड़ा में मंगलवार दोपहर करीब तीन बजे एक 12 वर्षीय बालिका चेतन वर्मा की करंट की चपेट में आने से मौत हो गई। लाखनपुर ग्राम पंचायत के सरपंच सियाराम मीणा ने बताया कि मंगलवार को करीब तीन बजे श्यामलाल वर्मा निवासी गोठड़ा की 12 वर्षीय बालिका चेतन वर्मा अपने घर के बाहर कुएं पर पानी भरने गई थी। इसी दौरान बालिका द्वारा मोटर चालू करते समय स्टार्टर में करंट आ गया, इससे बालिका बेहोश हो गई। परिजनों द्वारा बालिका को बौंली चिकित्सालय ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

क्रिकेट के मसलों पर बात करना गावस्कर का काम है। वह आईपीएल में काम करते हैं और इसलिए भारतीय टीम के खिलाड़ियों के बारे में जानते हैं। पंजाब किंग्स में अय्यर के साथ थे और इसलिए जानते हैं कि वह टीम में चुने जाने के हकदार हैं।
- ब्रैंड हैडिन

पूर्व ऑस्ट्रेलियाई विकेटकीपर, गावस्कर के बारे में बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

नीतीश राणा

नीतीश राणा के लिए साल 2024 कुछ ख़ास नहीं रहा था। आईपीएल में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के ख़िताबी जीत अभियान में पहले चोट और फिर टीम कॉम्बिनेशन के कारण उन्हें सिर्फ़ दो मैचों में खेलने का मौका मिला। इसके बाद जब घरेलू सीजन आया तो रणजी ट्रॉफी के शुरूआती चार मैचों की छह पारियों में सिर्फ़ एक अर्धशतक आने के कारण उन्हें उत्तर प्रदेश की रणजी टीम से बाहर कर दिया गया। मैं भी दिल्ली का पला बढ़ा हूं और मेरे अंदर भी गर्म खून है। कोई मुझे छेड़ेगा तो मैं चुप बैठने वालों में से नहीं हूं।

क्या आप जानते हैं ?... एशिया कप में सबसे बड़ी पारी खेलने का रिकॉर्ड कोहली के नाम है। कोहली ने साल 2012 में पाकिस्तान के खिलाफ 183 रन जड़ दिए थे।

आईसीसी ट्रॉफी डबल की तलाश में न्यूज़ीलैंड ने मैकमिलन को कोच बनाया

वेलिंगटन, 2 सितंबर। आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप जीतने की कोशिश में न्यूज़ीलैंड ने अपने कोचिंग कौशल को मजबूत किया है और क्रेग मैकमिलन को पूर्णकालिक आधार पर कोच नियुक्त किया है। मैकमिलन पिछले साल अंशकालिक अनुबंध पर टीम में शामिल हुए थे और उन्होंने व्हाइट फर्न्स को यूएई में महिला टी20 विश्व कप में सफलता दिलाने में मदद की थी। ब्लैक कैप्स के पूर्व ऑलराउंडर मुख्य कोच बेन सॉयर के नेतृत्व में महिला टीम को बल्लेबाजी और क्षेत्ररक्षण, दोनों विभागों में सहयोग देंगे। इस घोषणा पर मैकमिलन ने कहा, "व्हाइट फर्न्स के साथ इस भूमिका को पाकर मैं बेहद खुश हूँ।" उन्होंने कहा, "महिलाओं का खेल लगातार बेहतर होता जा रहा है और मैं अपनी प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के साथ काम करना जारी रखने और उन्हें अपने लक्ष्यों तक पहुंचने में मदद करने के लिए उत्साहित हूँ।"

युकी भांबरी और माइकल वीनस यूएस ओपन में अहम मुकाबले के लिए तैयार

न्यूयॉर्क, 2 सितंबर। यूएस ओपन एक महत्वपूर्ण दौर में प्रवेश कर रहा है, जहां आगे कई बड़े मुकाबले होने वाले हैं। जिरी लेहेका का सामना पुरुष एकल क्वार्टर फाइनल में कार्लोस अल्काराज से होगा, आज रात 10:30 बजे भारतीय समयानुसार। आर्यना सबालेंका का सामना महिला एकल क्वार्टर फाइनल में मार्केटा वोंद्रोसोवा से बुधवार, 3 सितंबर को सुबह 4:30 बजे भारतीय समयानुसार होगा, इसके बाद पुरुष एकल क्वार्टर फाइनल में नोवाक जोकोविच का सामना टेलर फ्रिट्ज से सुबह 6:00 बजे होगा। पुरुष युगल में, माइकल वीनस और युकी भांबरी का सामना राउंड ऑफ 16 में टिम पुट्ज और केविन क्राविएट्ज से बुधवार, 3 सितंबर को सुबह 2:30 बजे भारतीय समयानुसार होगा। यूएस ओपन 2025 के 9वें दिन कई उल्लेखनीय परिणामों के साथ प्रभावशाली प्रदर्शन देखने को मिला। जैनिक सिनर ने अलेक्जेंडर बुब्लिक पर सीधे सेटों में शानदार जीत हासिल की और कोर्ट पर असाधारण दबदबा दिखाया। अमांडा अनिसिमोवा ने एक बड़ी जीत के साथ क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

जयपुर जिला सीनियर पुरुष फुटबॉल टीम चयन ट्रायल स्थगित हुई

जयपुर, 2 सितंबर। राजस्थान राज्य सीनियर पुरुष फुटबॉल चैंपियनशिप 2025 में भाग लेने हेतु जयपुर जिला की सीनियर पुरुष फुटबॉल टीम के चयन हेतु आगामी 6 और 7 सितंबर को आयोजित होने वाली चयन ट्रायल भारी बारिश के खराब मौसम को देखते हुए फिलहाल स्थगित कर दी गई है। अब यह ट्रायल राजस्थान फुटबाल संघ द्वारा घोषित नई तिथियां पर आयोजित की जाएगी जिसकी सूचना जल्द कर दी जाएगी।

महिला विश्व कप की रिकॉर्ड पुरस्कार राशि देखकर दिग्गज खिलाड़ी हतप्रभ

दुबई, 2 सितंबर। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 के लिए पुरस्कार राशि में भारी वृद्धि की घोषणा की है। यह विश्व कप इस महीने के अंत में भारत और श्रीलंका में आयोजित होने वाला है। इस प्रतिष्ठित आयोजन की कुल पुरस्कार राशि बढ़कर 13.88 मिलियन अमेरिकी डॉलर हो गई है, जो 2022 में न्यूजीलैंड में आयोजित पिछले संस्करण की तुलना में 297 प्रतिशत की भारी वृद्धि है। इसके साथ ही, कुल पुरस्कार राशि पुरुषों के विश्व कप से भी अधिक हो गई है, जिसकी पुरस्कार राशि 2023 में 10 मिलियन अमेरिकी डॉलर थी। पूर्व भारतीय दिग्गज झूलन गोस्वामी आईसीसी हिंदी इंस्टाग्राम चैनल पर अपनी पहली उपस्थिति के दौरान द आईसीसी रिव्यू पर इस घोषणा से बेहद खुश थीं, जहां वह टूर्नामेंट से पहले नियमित रूप से दिखाई देंगी। गोस्वामी ने इस ऐतिहासिक घोषणा पर कहा, "मेरे रोंगटे खड़े हो रहे हैं। बढ़ी हुई पुरस्कार राशि बहुत अच्छी बात है।"

जैनिक सिनर एकतरफा जीत के साथ क्वार्टरफाइनल में

न्यूयार्क, 2 सितम्बर। इस प्रमुख सीजन में जैनिक सिनर ने कमजोरी के संकेत कम ही दिखाए हैं। यूएस ओपन के तीसरे दौर के मैच के दौरान, एक पल के लिए, इतालवी खिलाड़ी फ्री-स्विंगिंग डेनिस शापोवालोव के सामने जोखिम में दिखे, जिन्होंने पहला सेट जीतकर तीसरे सेट में 3-0 की बढ़त बना ली थी। उस मुकाबले में संघर्ष करने के बाद, एटीपी रैंकिंग में नंबर 1 खिलाड़ी ने सोमवार को शानदार वापसी की और शानदार प्रदर्शन करते हुए 23वीं वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर बुब्लिक को हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। शानदार सिनर ने कजाकिस्तान के खिलाड़ी को 6-1, 6-1, 6-1 से हराकर अपने ख़िताब की रक्षा की तरफ मजबूती से कदम बढ़ाया। सिनर ने कहा, "कुल मिलाकर मैं बहुत-बहुत खुश हूँ।" इस साल पहली बार मैं यहां नाइट मैच खेल पा रहा हूँ और इससे बहुत बड़ा फर्क़ पड़ता है। मैं सभी का आने और उत्साहवर्धन करने के लिए शुक्रिया अदा करना चाहता हूँ। यह हम खिलाड़ियों के लिए एक बहुत ही ख़ास मौक़ा है, इसलिए आप सबका बहुत-बहुत शुक्रिया।" यह सिनर की मेजर टूर्नामेंट में सबसे बड़ी जीत है। इस साल की शुरुआत में उन्होंने रौलां गैरोमें तीसरे दौर में जिरी लेहेका को 6-0, 6-1, 6-2 से हराया था।

बिना किसी प्रायोजक के एशिया कप खेल सकता है भारत

नई दिल्ली, 2 सितम्बर। पिछले महीने ड्रीम 11 ने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के साथ अपना करार खत्म कर लिया था। अब भारतीय टीम एशिया कप बिना किसी मुख्य प्रायोजक के खेल सकती है।

इस घटना के बाद बीसीसीआई ने 2 सितंबर को नए प्रायोजक की तलाश शुरू कर दी है। जो भी कंपनी इच्छुक हैं, उनके लिए एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट ख़रीदने की अंतिम तिथि 12 सितंबर तक रखी है। इच्छुक कंपनियों के लिए बोली जमा करने की अंतिम तिथि 16 सितंबर है।

एशिया कप की शुरुआत 9 सितंबर से हो रही है और इसका समापन 28 सितंबर को समाप्त होगा। भारत सरकार ने हाल ही में एक बिल पारित किया था,

जिसमें रियल-मनी गेमिंग पर प्रतिबंध लगा दिया गया है, और यह ड्रीम11 का मुख्य व्यवसाय था।

इस घटनाक्रम के बाद ड्रीम11 ने बीसीसीआई को बताया कि उसे करार से अलग होने का फैसला लेना होगा। और कारण के रूप में भारत सरकार के उस बिल के नियमों का एग्जिट क्लॉज भी शामिल था। बीसीसीआई के साथ ड्रीम11 का करार 2026 तक था, जिसकी क़ीमत लगभग 358 करोड़ रुपये थी। इससे पहले भी बीसीसीआई को ठीक ऐसी ही स्थिति का सामना करना पड़ा था जब 2019 में मोबाइल कंपनी ओप्पो ने तीन साल पहले ही अपना करार खत्म कर लिया था। उस समय शैक्षिक प्रौद्योगिकी कंपनी बायजू भारतीय टीम के प्रायोजक के तौर पर सामने आई थी।

इसके बाद ड्रीम 11 ने 2023 में भारतीय टीम के साथ करार किया। बीसीसीआई ने इस करार के लिए बिल्कुल साफ कर दिया है कि वह किसी भी शराब के ब्रांड, सट्टेबाजी या जुआ की सर्विस देने वाली कंपनी, क्रिप्टोकरेंसी, ऑनलाइन मनी गेमिंग, तंबाकू ब्रांड, या कोई भी उत्पाद या सेवा जो सार्वजनिक नैतिकता को ठेस पहुंचाने काम करती हो उसकी बोली को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

चार सितंबर को भारतीय टीम एशिया कप के लिए संयुक्त अरब अमीरात के लिए रवाना होने वाली है। ग्रुप ए में उनका ओमान, पाकिस्तान और यूएई के ख़िलाफ मैच है। भारत 10 और 14 सितंबर को दुबई में यूएई और पाकिस्तान के ख़िलाफ मैच खेलेगा, और फिर 19 सितंबर को अबु धाबी में ओमान के साथ मैच है।

टूर्नामेंट के ग्रुप बी में अफ़ग़ानिस्तान, बांग्लादेश, हॉन्गकॉन्ग और श्रीलंका की टीमें शामिल हैं। प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष दो टीमें सुपर फॉर स्टेज के लिए क्वालिफ़ाई करेंगी, और जो टीमें उस राउंड में पहले और दूसरे स्थान पर रहेंगी, वे 28 सितंबर को फाइनल में मुकाबला करेंगी।

दिल्ली में 13 साल बाद आयोजित की जाएगी राष्ट्रीय रैंकिंग टेबल टेनिस चैम्पियनशिप

नई दिल्ली, 2 सितंबर। मौजूदा राष्ट्रीय चैंपियन दीया चितले और राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता जी साथियान और हरमीत देसाई सहित कई शीर्ष भारतीय खिलाड़ी सात सितंबर से यहां शुरू हो रहे यूटीटी राष्ट्रीय रैंकिंग टेबल टेनिस टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगे। राष्ट्रीय स्तर के इस महत्वपूर्ण टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए अभी तक विभिन्न आयु वर्गों के 2958 खिलाड़ियों ने आवेदन किया है। दिल्ली राज्य टेबल टेनिस संघ (डीएसटीटीए) 2008 के बाद पहली बार किसी राष्ट्रीय रैंकिंग टूर्नामेंट की मेजबानी कर रहा है, हालांकि भारतीय टेबल टेनिस महासंघ ने हरियाणा के सहयोग से 2012 में राष्ट्रीय राजधानी में एक टूर्नामेंट का आयोजन किया था। यह टूर्नामेंट सात से 14 सितंबर तक त्यागराज स्टेडियम में खेला जाएगा। खिलाड़ी सीनियर, अंडर-19, अंडर-17, अंडर-15, अंडर-13 और अंडर-11 श्रेणियों सहित 12 स्पर्धाओं में भाग लेंगे।

महिला एशिया कप में विश्व कप का टिकट दांव पर

लुसाने (स्विट्जरलैंड), 2 सितम्बर। गोंगशु, चीन महिला एशिया कप 2025 की मेज़बानी करेगा। एशिया का प्रमुख हॉकी महिला टूर्नामेंट, जो 5 से 14 सितंबर तक चलेगा, जिसमें चैंपियन टीम एफआईएच हॉकी विश्व कप बेल्जियम और नीदरलैंड 2026 के लिए अपनी टिकट बुक करेगी।

टूर्नामेंट प्रारूप : इस टूर्नामेंट में 8 टीमें होंगी, जिन्हें पूल ए और बी में विभाजित किया गया है। प्रत्येक पूल से शीर्ष दो टीमें सुपर 4 पूल चरण में आगे बढ़ेंगी, जहां टीमें एक द्वितीयक पूल में प्रतिस्पर्धा करेंगी और एक से चार तक रैंक प्राप्त करेंगी। सेमीफाइनल लाइन-अप द्वितीयक पूल के परिणामों के आधार पर तय किया जाएगा, जबकि पहले पूल चरण में प्रत्येक पूल से नीचे की दो टीमें वर्गीकरण और विश्व रैंकिंग अंकों के लिए खेलेंगी।

पूल ए: चीन, चीनी ताइपे, कोरिया, मलेशिया, **पूल बी:** भारत, जापान, थाईलैंड, सिंगापुर

मैच कार्यक्रम : टूर्नामेंट की शुरुआत 5 सितंबर को पूल बी के मुकाबलों से होगी, जहां जापान का पहला मैच सिंगापुर से होगा और उसके बाद भारत का मुकाबला थाईलैंड से होगा। इसके बाद पूल ए के मैच होंगे, जहां सभी 8 टीमें पहले दिन मैदान में उतरेंगी। कोरिया बनाम चीनी ताइपे के मैच से पूल ए की शुरुआत होगी और फिर दिन का अंतिम मैच मेजबान चीन और मलेशिया के बीच होगा।

महिलाओं की प्रतियोगिता का प्रारंभिक पूल चरण 5 से 8 सितंबर तक खेला जाएगा, उसके बाद द्वितीयक पूल चरण, पोज़िशनल प्लेऑफ और पदक मैच 10 से 14 सितंबर तक खेले जाएंगे।

विश्व कप योग्यता : महिला प्रतियोगिता की विजेता टीम को 2026 में बेल्जियम और नीदरलैंड्स के बीच होने वाले एफआईएच हॉकी विश्व कप में एक प्रतिष्ठित स्थान मिलेगा।

एफआईएच हॉकी विश्व कप 2026 की महिला प्रतियोगिता के लिए अब छह टीमें क्वालीफाई कर चुकी हैं। बेल्जियम और नीदरलैंड्स, इस आयोजन के मेजबान होने के कारण, सीधे क्वालीफाई कर गए हैं। जर्मनी और अर्जेंटीना ने एफआईएच हॉकी प्रो लीग के पिछले दो संस्करणों के माध्यम से क्वालीफाई किया था। अमेरिका ने पैन अमेरिकन कप के माध्यम से और स्पेन ने यूरोहॉकी चैंपियनशिप के माध्यम से क्वालीफाई किया। एशिया के साथ-साथ, अफ्रीका और ओसनिया में होने वाली महाद्वीपीय चैंपियनशिप इस आयोजन के लिए तीन सीधे क्वालीफायर तय करेंगी, जबकि शेष सात टीमें 2026 में एफआईएच हॉकी विश्व कप क्वालीफायर के माध्यम से क्वालीफाई करेंगी।

पैन अमेरिकन कप और यूरो हॉकी चैंपियनशिप में अपने प्रदर्शन के आधार पर, निम्नलिखित महिला टीमों ने एफआईएच हॉकी विश्व कप क्वालीफायर 2026 के लिए क्वालीफाई किया है: उरुग्वे, चिली, कनाडा, आयरलैंड, इंग्लैंड, फ्रांस, इटली, वेल्स, स्कॉटलैंड, ऑस्ट्रिया और स्विट्जरलैंड, इसके अलावा आगामी एशिया कप से चार और ओसनिया कप से एक टीम क्वालीफाई करेगी।

विलियम्स-टेलर की वापसी, श्रीलंका के खिलाफ टी-20 सीरीज के लिए जिम्बाब्वे टीम की घोषणा

हरारे, 2 सितम्बर। जिम्बाब्वे ने श्रीलंका के खिलाफ आगामी तीन मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय (टी20) श्रृंखला के लिए 16 सदस्यीय टीम की घोषणा की है, जिसमें अनुभवी खिलाड़ी सीन विलियम्स और ब्रेंडन टेलर की वापसी मुख्य आकर्षण है। अनुभवी ऑलराउंडर विलियम्स मई 2024 में बांग्लादेश के खिलाफ आखिरी बार खेलने के बाद सबसे छोटे प्रारूप में वापसी कर रहे हैं। उनके साथ अनुभवी विकेटकीपर-बल्लेबाज टेलर भी शामिल हैं, जिन्होंने हाल ही में आईसीसी प्रतिबंध के बाद टेस्ट और वनडे प्रारूप में वापसी की है। विलियम्स और टेलर के साथ-साथ ब्रैड इवांस और तदिवानाशे मारुमानी ने भी टीम में जगह बनाई है। पिछले महीने न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ त्रिकोणीय श्रृंखला में भाग लेने वाली टीम से बाहर होने वाले न्यूमैन न्यामहुरी, वेस्ली माधेवेरे, विंसेंट मासेकेसा और तफदजवा त्सिगा हैं।

17 साल बाद भारत करेगा बैडमिंटन वर्ल्ड चैम्पियनशिप की मेजबानी

नई दिल्ली, 2 सितंबर। बैडमिंटन वर्ल्ड चैंपियनशिप 2026 का मेजबान भारत होगा। 17 साल बाद इस टूर्नामेंट की मेजबान भारत करेगा। इससे पहले 2009 में ये टूर्नामेंट हैदराबाद में हुआ था। सोमवार को बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन ने मेजबान शहर के रूप में नई दिल्ली के नाम का ऐलान किया है। ये घोषणा फ्रांस देश के पेरिस शहर में हुए 29वें सीजन के समापन समारोह में हुई। इस मौके पर बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन के अध्यक्ष क्यूइंग पटामा लीसवाडट्कूल और बैडमिंटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया के जनरल सेक्रेटरी संजय मिश्रा मौजूद थे। मिश्रा ने वादा किया कि भारत पेरिस में प्रदर्शित भव्यता को बरकरार रखेगा बीएआई ने अपन प्रेस रिलीज में कहा कि हम आश्वासन देते हैं कि भारत पेरिस द्वारा प्रदर्शित उत्कृष्टता और भव्यता के उन्हीं मानकों को बनाए रखने और आगे बढ़ाने के लिए अपना शत-प्रतिशत प्रयास करेगा। हम बैडमिंटन परिवार का दिल्ली में स्वागत करने के लिए उत्सुक हैं। बैडमिंटन वर्ल्ड चैंपियनशिप 2025 का आयोजन 31 अगस्त को समाप्त हुआ, इसमें भारत ने सिर्फ एक मेडल जीता। टॉप देश चीन रहा, जिसने 2गोल्ड समेत कुल 6 पदक जीते। जापान ने एक गोल्ड समेत कुल 3 मेडल जीते। मलेशिया, साउथ कोरिया और डेनमार्क ने 2-2 मेडल जीते। जबकि थाईलैंड, कनाडा, फ्रांस, भारत और इंडोनेशिया ने 1-1 पदक जीता।

पायलट सहित अन्य विधायकों ने जताया शौक

पूर्व विधायक डॉ. कृष्णा पूनिया व सीएसओ वीरेन्द्र पूनिया के घर जाकर जताई संवेदना

जयपुर, 2 सितम्बर। पत्रकार और पूर्व ब्लाक अध्यक्ष सादुलपुर स्व. सतीश पूनिया के निधन पर कांग्रेस और अन्य नेताओ द्वारा शौक व्यक्त करने का सिलसिला जारी है। मंगलवार को पूर्व केन्द्रीय मंत्री और पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने डा.कृष्णा पूनिया और राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद के मुख्य खेल अधिकारी व द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता वीरेन्द्र पूनिया (भाई) के निवास स्थान पर जाकर उनके देवर के निधन पर शोक जताया और उन्हें श्रंद्धाजली अर्पित की। पायलट ने कृष्णा पूनिया से उनके असामयिक निधन के बारे में जानकारी भी हासिल की और अपनी संवेदना व्यक्त की। सचिन के अलावा विधायक हरीश चौधरी, विधायक मुकेश भाकर, रामनिवास गावडिया, वीरेंद्र चौधरी, सुचित्रा आर्या ने भी मुख्य खेल अधिकारी वीरेन्द्र पूनिया व पूर्व विधायक डॉ. कृष्णा पूनिया के निवास स्थान, वैशाली नगर, जयपुर पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित की।

लवलीना, जरीन विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में भारतीय टीम की अगुवाई करेंगी

बेंगलुरु, 2 सितंबर। टोक्यो 2020 की कांस्य पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन और निखत जरीन 4 सितंबर से इंग्लैंड में शुरू होने वाली विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप 2025 में 20 सदस्यीय भारतीय दल का नेतृत्व करेंगी।

इस खेल की नवगठित वैश्विक शासी संस्था, विश्व मुक्केबाजी द्वारा आयोजित इस चैंपियनशिप का पहला संस्करण एम एंड एस बैंक एरिना में होगा और 14 सितंबर को समाप्त होगा। 65 से अधिक देशों के 550 से अधिक मुक्केबाज, जिनमें 17 पेरिस 2024 ओलंपिक पदक विजेता शामिल हैं, 20 भार वर्गों (10 पुरुष और 10 महिला) में प्रतिस्पर्धा करने के लिए तैयार हैं।

पटियाला स्थित राष्ट्रीय खेल संस्थान में एक सप्ताह के मूल्यांकन के बाद जुलाई में भारतीय टीम का चयन किया गया था। बोरगोहेन 75 किग्रा वर्ग में, जरीन 51 किग्रा वर्ग में, जबकि ओलंपियन पूजा रानी 80 किग्रा वर्ग में मुक्केबाजी करेंगी। पेरिस 2024 के बाद से बोरगोहेन और जरीन की अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में वापसी हो रही है।

अन्य उल्लेखनीय भारतीय मुक्केबाजों में एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता

नरेंद्र बेरवाल (90 किग्रा) और विश्व मुक्केबाजी कप के स्वर्ण पदक विजेता हितेश गुलिया (70 किग्रा) और अभिनाश जामवाल (65 किग्रा) शामिल हैं। चैंपियनशिप नॉकआउट प्रारूप में होगी, जिसमें सेमीफाइनल में हारने वालों को कांस्य पदक दिए जाएंगे। प्रत्येक मुकाबले में तीन-तीन मिनट के राउंड होंगे, जिनका निर्णय "टेन पॉइंट मस्ट" प्रणाली के अनुसार होगा। क्वार्टर फाइनल 10 सितंबर से, सेमीफाइनल 12-13 सितंबर से और फाइनल 14 सितंबर से शुरू होंगे।

चैंपियनशिप की लाइव स्ट्रीमिंग भारत में वर्ल्ड बॉक्सिंग के यूट्यूब चैनल पर उपलब्ध होगी। देश में इसका कोई लाइव टीवी प्रसारण नहीं होगा।

भारतीय टीम - विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप 2025 : महिलाएं: मीनाक्षी हुडा (48 किग्रा), निखत जरीन (51 किग्रा), साक्षी (54 किग्रा), जैस्मीन लेम्बोरिया (57 किग्रा), संजू खत्री (60 किग्रा), नीरज फोगाट (60 किग्रा), सनामाचा चानू (70 किग्रा), लवलीना बोरगोहेन (75 किग्रा), पूजा रानी (80 किग्रा), नुपुर श्योरण (80 किग्रा)

पुरुष: जदुमणि सिंह मंडेंगबाम (50 किग्रा), पवन बर्तवाल (55 किग्रा), सचिन सिवाच जूनियर (60 किग्रा), अभिनाश जामवाल (65 किग्रा), हितेश गुलिया (70 किग्रा), सुमित कुंडू (75 किग्रा), लक्ष्य चाहर (80 किग्रा), जुगनू अहलावत (85 किग्रा), हर्ष चौधरी (90 किग्रा), नरेंद्र बेरवाल (90 किग्रा)

मुख्य प्रारंभिक और अंतिम राउंड शेड्यूल (आईएसटी):

4-10 सितंबर: पुरुष और महिला वर्ग के प्रारंभिक दौर

12-13 सितंबर: सेमीफाइनल

14 सितंबर: फाइनल, 20 विश्व चैंपियन का ताज पहनाया जाएगा।

कमिंस को लगी चोट, न्यूज़ीलैंड और भारत के खिलाफ सीमित ओवरों के मैचों से बाहर

मेलबर्न, 2 सितम्बर। पैट कमिंस को नवंबर में शुरू होने वाली घरेलू एशेज श्रृंखला की तैयारी के दौरान आराम मिलेगा, क्योंकि स्कैन में उनकी पीठ में काठ की हड्डी में खिंचाव का पता चला है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने कहा कि इस ऑलराउंडर को और अधिक प्रबंधन की आवश्यकता होगी, और उन्हें न्यूजीलैंड (अक्टूबर में) और भारत (अक्टूबर-नवंबर में) के खिलाफ आगामी सीमित ओवरों की श्रृंखला से बाहर कर दिया गया है।

यह समस्या ऑस्ट्रेलिया के विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल और इस साल की शुरुआत में वेस्टइंडीज दौरे के बाद नियमित जांच के दौरान सामने आई थी। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने पुष्टि की है कि स्कैन में फ्रैक्चर नहीं पाया गया है, लेकिन हड्डी में खिंचाव इतना गंभीर था कि आराम और पुनर्वास की आवश्यकता थी।

नवंबर 2021 में कप्तानी संभालने के बाद से 32 वर्षीय इस खिलाड़ी ने टेस्ट मैचों का भारी बोझ उठाया है। इस दौरान चोट के कारण उन्होंने केवल दो टेस्ट मैच ही मिस किए हैं, जिससे ऑस्ट्रेलिया ने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का खिताब जीता, इंग्लैंड में एशेज बरकरार रखी और पिछले साल वनडे विश्व कप जीता।

गोल्ड मेडल इंडियन जूनियर ओपन स्क्वैश

राजस्थान की इनाया, शास्वी और लावण्या मुख्य ड्रॉ में पहुंची

जयपुर, 2 सितम्बर। राजस्थान की इनाया अन्द्रावी ने अंडर-11 और शास्वी रमन ने अंडर-13 के अपने क्वालिफायर जीत गोल्ड मेडल इंडियन जूनियर ओपन स्क्वैश चैंपियनशिप के मुख्य ड्रॉ में जगह बना ली। राजस्थान की लावण्या सोढ़ानी ने अंडर-17 के मुख्य ड्रॉ में प्रवेश किया। गर्ल्स में पांच विदेशी खिलाड़ियों ने भी क्वालिफायर के जरिए मुख्य ड्रॉ में प्रवेश किया है। लड़कों के वर्ग में मुख्य ड्रॉ में पहुंचने वाले खिलाड़ियों का फैसला तीसरे राउण्ड के बाद होगा। राजस्थान के अयान कुच्छल, रिशान जालोरी, फरीद अन्द्रावी, समर देवरवाल ने अपने दूसरे दौर के मुकाबले जीत तीसरे राउण्ड में जगह बना ली।

गर्ल्स अंडर-11 में इनाया अन्द्रावी ने संध्या यादव को 3-0 से, अंडर-13 में शास्वी रमन ने रोहाना रामासुब्रहमण्यम

को 3-0 से और अंडर-17 गर्ल्स में लावण्या सोढ़ानी ने रिया महेश्वरी को 3-0 से पराजित कर मुख्य ड्रॉ में प्रवेश किया। बॉयज अंडर-19 में राजस्थान के अयान कुच्छल को अपने प्रतिद्वद्वी के खिलाफ वॉकओवर मिल गया वहीं अंडर-17 में रिशान जालोरी ने मोलेक कर कंगारिया को 3-2 से, अंडर-15 में फरीद अन्द्रावी ने श्लोक सोमानी को 3-0 से हरा तीसरे राउण्ड में जगह बना ली।

स्क्वैश रैकेट फेडरेशन ऑफ इंडिया की उपाध्यक्ष सुरभि मिश्रा ने बताया कि मुख्य ड्रॉ के मुकाबले बुधवार को सायं शुरू होंगे। मुख्य ड्रॉ में अंडर-19 बॉयज में मलेशिया के कोहिन रविन्द्रन को शीर्ष वरीयता दी गई है, वहीं गर्ल्स में भारत की ईशा श्रीवास्तव को टॉप रैंकिंग मिली है। अंडर-17 बॉयज में सुभाष चौधरी और गर्ल्स में आराध्या पोड़वाल, बॉयज अंडर-15 में श्रेयांस झा और गर्ल्स में वसुंधरा नानगरे, बॉयज अंडर-13 में शयन समतानी और गर्ल्स में दिव्यांशी जैन तथा बॉयज अंडर-11 में तिलकवीर कपूर और गर्ल्स में कीर्ति प्रधा जूनिवर बाला को शीर्ष वरीयता दी गई है।

आसिफ ने लिया अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास

इस्लामाबाद, 2 सितम्बर। पाकिस्तान के मध्य क्रम बल्लेबाज आसिफ़ अली ने सोमवार को अपने इंस्टाठााम हैंडल पर अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी। 2021 टी 20 विश्व कप में अफ़ग़ानिस्तान के ख़िलाफ रोचक मुकाबले में उनकी 7 गेंदों पर 25 रनों की पारी उनके अंतर्राष्ट्रीय करियर की सबसे यादगार पारी है। आसिफ ने अपने अंतर्राष्ट्रीय करियर को अपने जीवन का एक गर्व करने योग्य अध्याय करार देते हुए सभी का आभार व्यक्त किया। आसिफ ने कहा, "आज मैं अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा करता हूं। अलहमदुलिल्लाह, पाकिस्तान की जर्सी पहनना मेरे जीवन का सबसे बड़ा सम्मान रहा है और क्रिकेट के मैदान पर अपने देश की सेवा करना मेरे लिए सबसे गौरव की बात रही है।" "मेरे प्रशंसकों, साथियों और कोचों, हर उतार-चढ़ाव में आपके प्यार, विश्वास और समर्थन के लिए धन्यवाद।

अफगानिस्तान की जीत में राशिद खान ने टी-20 विकेटों का विश्व रिकॉर्ड बनाया

शारजाह, 2 सितंबर। राशिद खान ने आधुनिक क्रिकेट के महान खिलाड़ी के रूप में अपनी साख और मजबूत कर ली है। वे संयुक्त अरब अमीरात पर अफगानिस्तान की जीत के साथ पुरुषों की टी20 विकेटों की सूची में शीर्ष पर पहुंच गए हैं। लेग स्पिनर ने एक बार फिर अपने देश के लिए शानदार प्रदर्शन किया और सोमवार रात 38 रनों की जीत में चार ओवर में 11 रन देकर 3 विकेट

लेकर अमीराती मध्यक्रम को ध्वस्त करने में अहम भूमिका निभाई। इस तरह उन्होंने न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज टिम साउदी को पीछे छोड़ते हुए इस प्रारूप में 165 विकेट अपने नाम कर लिए। शरफुद्दीन अशरफ ने खतरनाक बल्लेबाज मुहम्मद वसीम (37 गेंदों में 67 रन) को आउट किया था, और इसके बाद राशिद ने चार गेंद बाद ही साथी बल्लेबाज आसिफ खान (1) को आउट कर मैच मेजबान टीम से छीन लिया। एथन डिसूजा (12) को आउट करने के बाद, आसिफ के विकेट ने राशिद को साउदी की बराबरी पर ला दिया। लेग स्पिनर ने अपने स्पैल की आखिरी गेंद पर ध्रुव पाराशर (1) की गेंद पर बाहरी किनारा लेते हुए रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया।

वनडे विश्वकप और टेस्ट पर फोकस रखने के लिए स्टार्क का ट्वंटी-20 से संन्यास

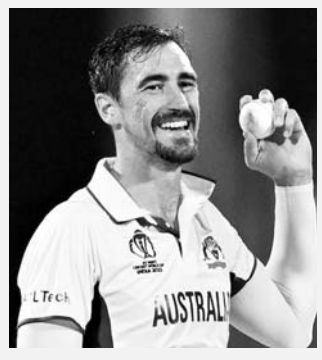

मेलबर्न, 2 सितम्बर। मिचेल स्टार्क ने अगले साल के अंत में ऑस्ट्रेलिया के व्यस्त टेस्ट कार्यक्रम और 2027 के वनडे विश्व कप को प्राथमिकता देने के लिए टी20 अंतरराष्ट्रीय से संन्यास की घोषणा की है। 35 वर्षीय स्टार्क ने 65 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं और यूएई में 2021 टी20 विश्व कप जीतने वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम का हिस्सा थे। उन्होंने आखिरी बार कैरेबियन में 2024 विश्व कप में इस प्रारूप में खेला था। उनके 79 टी20 अंतरराष्ट्रीय विकेट वर्तमान में उन्हें ऑस्ट्रेलिया के लिए दूसरे स्थान पर रखते हैं, उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 20 रन देकर 4 विकेट लेना है जो उन्होंने 2022 में वेस्टइंडीज के ख़िलाफ किया था। स्टार्क ने कहा, "टेस्ट क्रिकेट हमेशा से मेरी सर्वोच्च प्राथमिकता रही है। मैंने ऑस्ट्रेलिया के लिए खेले गए हर टी20 मैच के हर मिनट का आनंद लिया है, ख़ासकर 2021 विश्व कप में, सिर्फ़ इसलिए नहीं कि हम जीते, बल्कि इसलिए भी कि हम एक अविश्वसनीय ठुाप में थे और उस दौरान जो मजा आया वह शानदार था।" 2026 के मध्य से ऑस्ट्रेलिया को टेस्ट क्रिकेट में एक व्यस्त दौर का सामना करना पड़ेगा जिसमें बांग्लादेश के ख़िलाफ घरेलू सीरीज, दक्षिण अफ्रीका का दौरा, न्यूजीलैंड के ख़िलाफ चार मैचों की सीरीज, जनवरी 2027 में भारत में पांच टेस्ट मैच, एमसीजी में इंग्लैंड के ख़िलाफ एकमात्र 150वां वर्षगांठ मैच और फिर 2027 के मध्य में विदेशी धरती पर एशेज सीरीज शामिल है। दक्षिण अफ्रीका, ज़िम्बाब्वे और नामीबिया में आयोजित होने वाला वनडे विश्व कप अक्टूबर और नवंबर 2027 में आयोजित किया जाएगा, जिसमें ऑस्ट्रेलिया गत विजेता होगा।

"शहर चलो अभियान" अंत्योदय की संकल्पना को साकार करेगा

मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने 15 सितम्बर से 2 अक्टूबर शहरी क्षेत्रों में अभियान का निर्णय लिया

जयपुर, 2 सितम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा है कि राज्य सरकार अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक राहत पहुंचाने के लिए कटिबद्ध है। "शहर चलो अभियान" इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो 15 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक प्रदेशभर के शहरी क्षेत्रों में चलाया जाएगा। अभियान के सफल संचालन के लिए मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को प्रभावी कार्ययोजना बनाकर उसे जमीनी स्तर पर लागू करने के निर्देश दिए हैं।

- **मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन विभाग की समीक्षा में 4 से 13 सितम्बर तक प्री कैम्प आयोजित करने के निर्देश दिये, जिनमें अधिकारी वॉर्डों का दौरा कर पार्षदों से चर्चा करेंगे और समस्याओं को चिन्हित करेंगे।**

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन विभाग की समीक्षा बैठक को संबोधित किया और अधिकारियों को निर्देश दिया कि "शहर चलो अभियान" से पहले प्री-कैम्प आयोजित किए जाएं।

मुख्यमंत्री ने मंगलवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन विभाग की समीक्षा बैठक के दौरान कहा कि इस अभियान से शहरी निकायों में बुनियादी सुविधाओं का सुदृढ़ीकरण होगा और सेवाओं को नई गति मिलेगी।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अभियान से पहले 4 से 13 सितम्बर तक प्री-कैम्प आयोजित किए जाएं, जिसमें अधिकारी वार्डों का दौरा कर पार्षदों से चर्चा करें और समस्याओं का चिन्हीकरण करें। इससे मुख्य शिविरों के दौरान लोगों को तत्काल और सुगम राहत मिल सकेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस अभियान के तहत सफाई व्यवस्था में सुधार, नई स्ट्रीट लाइट्स की स्थापना, आवारा पशुओं की पकड़, जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र, सार्वजनिक स्थलों का रखरखाव व सौन्दर्यीकरण, सड़क मरम्मत जैसे कार्य प्राथमिकता से किए जाएंगे। साथ ही पीएम स्वनिधि योजना के अंतर्गत ऋण वितरण, पीएम सूर्यघर योजना के आवेदन प्राप्त करना, सामुदायिक भवनों, आंगनबाड़ी और विद्यालयों की मरम्मत जैसे कार्य भी अभियान के तहत संपादित किए जाएंगे।

उन्होंने यह भी कहा कि सरकार शहरी ही नहीं, ग्रामीण क्षेत्रों के सुनियोजित विकास के लिए भी प्रतिबद्ध है। स्वच्छता, पेयजल, सड़क और सीवरेज जैसी आधारभूत सुविधाओं के विस्तार पर विशेष ध्यान दिया जाएगा, ताकि प्रदेश का संतुलित और समावेशी विकास सुनिश्चित किया जा सके। बैठक में नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) झाबर सिंह खर्रा और विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

चुनाव आयोग का पवन खेड़ा को नोटिस

नयी दिल्ली, 02 सितम्बर। दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय ने दो जगह वोटर सूची में नाम होने के आरोप में कांग्रेस संचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा को नोटिस भेजा है और आठ सितम्बर तक जवाब देने को कहा है।

- **पवन खेड़ा का नाम दिल्ली के दो क्षेत्रों, काका नगर और डी ब्लॉक जंगपुरा में पाया गया है।**

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि खेड़ा का नाम दिल्ली विधानसभा क्षेत्र 40 के काका नगर के पते पर है और दिल्ली विधानसभा क्षेत्र 41 के डी ब्लॉक जंगपुरा के पते पर पाया गया है। खेड़ा को भेजे नोटिस में चुनाव अधिकारी ने कहा है कि लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 के तहत एक व्यक्ति के दो जगह से वोटर लिस्ट में नाम होना दंडनीय अपराध है। चुनाव अधिकारी कार्यालय ने कहा कि इस नियम के तहत उन्हें नोटिस भेजा जा रहा है और इसका जवाब निर्वाचन अधिकारी को आठ सितम्बर सुबह 11 बजे तक मिलना चाहिए।

तेज बारिश से भिवाड़ी में अधिकांश इलाके पानी में डूबे

घरों, दुकानों, बैंकों व शॉपिंग कॉम्प्लेक्स तक में पानी घुसा, सड़कें नदी बनीं

अलवर, 2 सितम्बर। भिवाड़ी में सोमवार रात से लगातार हो रही तेज बारिश ने इस औद्योगिक नगरी को जलमग्न कर दिया है। शहर के अधिकांश इलाके पानी में डूब चुके हैं, जिससे जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है। घरों, दुकानों, बैंकों और शॉपिंग कॉम्प्लेक्स तक में पानी घुस गया है, वहीं सड़कें नदियों में तब्दील हो गईं हैं।

- **भिवाड़ी-धारूहेड़ा सीमा पर बना चार फीट ऊंचा रैंप पानी में पूरा डूबा।**

जानकारी के अनुसार, बारिश का सबसे ज्यादा असर यूआईटी गौरव पथ, सेंट्रल मार्केट, भिवाड़ी बायपास और भगत सिंह कॉलोनी में देखने को मिल रहा है। बस स्टैंड के आसपास भी हालात बेहद खराब हैं। सड़कों पर भरे पानी के कारण गड्ढे दिखाई नहीं दे रहे, जिससे वाहन चालक अंदाजे से गाड़ियां चला रहे हैं। खिजुरिवास के पास टोल टैक्स पर हाइवे क्षतिग्रस्त हो गया है। यहां गहरे गड्ढों में वाहन फंस रहे हैं, जिससे कई किलोमीटर लंबा जाम लग गया है। दोपहिया वाहनों का चलना लगभग असंभव हो गया है।

यूआईटी थाने के सामने डेढ़ से दो फीट तक पानी बह रहा है, जिससे थाना भवन भी जलमग्न हो गया है। भिवाड़ी-धारूहेड़ा सीमा पर बना चार फीट ऊंचा रैंप भी पूरी तरह डूब चुका है। मॉडर्न पब्लिक स्कूल और सुखम टॉवर के सामने करीब पांच फीट पानी भर गया है, जो धारूहेड़ा की ओर फैल गया है। इससे धारूहेड़ा के सेक्टर 4 और 6 भी बाढ़ की चपेट में आ गए हैं।

स्थानीय लोगों का कहना है कि बारिश के पानी के निकास की उचित व्यवस्था न होने के कारण बाढ़ जैसे हालात बने हैं। प्रशासन की ओर से जल निकासी के प्रयास नाकाम साबित हुए हैं। न तो सड़कों पर कोई अधिकारी नजर आ रहा है और न ही सरकारी मशीनरी सक्रिय है।

ऐसे में रोटरी क्लब भिवाड़ी ने राहत कार्य की जिम्मेदारी संभाली है। क्लब की ओर से भिवाड़ी बायपास और भगत सिंह कॉलोनी में ट्रैक्टर लगाए गए हैं, जिनकी मदद से लोगों को पानी से बाहर निकालकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है। अलवर शहर में सुबह से घने बादल छाए हुए हैं। रात को भी बारिश हुई। देर शाम की बारिश से अलवर शहर में कई जगहों पर दो-दो फीट पानी भर गया। बहुत से घरों के अंदर पानी चला गया। कोतवाली थाने के अंदर भी पानी भर गया।

मोदी की पुतिन व जिनपिंग के साथ नज़दीकी पर बौखलाया अमेरिका

वॉशिंगटन, 02 सितंबर। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के व्यापार सलाहकार पीटर नवारो ने एससीओ समिट में शामिल होने के लिए पीएम नरेंद्र मोदी की आलोचना की है।

- **अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप के व्यापारिक सलाहकार ने तीनों नेताओं के मेलजोल पर बड़ी हल्की टिप्पणी की**
- **नवारो ने यह भी कहा कि मोदी को पुतिन व जिनपिंग के नज़दीक देखना बेहद खराब और शर्मनाक था।**

नरेंद्र मोदी की रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ नजदीकी को नवारो ने रणनीतिक भूल बताया है। उन्होंने कहा कि मोदी जिस तरह जिनपिंग और पुतिन के साथ घुले-मिले, वह देखना शर्मनाक था। उनको समझना होगा कि उन्हें हमारे साथ रहना चाहिए। नवारो ने चीन के तियानजिन में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन के दौरान जिनपिंग, मोदी और पुतिन की मुलाकात पर यह टिप्पणी की।

एससीओ समिट पर बयानबाजी करते हुए बौखलाए पीटर नवारो ने बेहद हल्की भाषा का प्रयोग भी किया। नवारो ने कहा, नरेंद्र मोदी की चीन और रूस के राष्ट्रपति के साथ नजदीकी देखना निश्चित रूप से खराब था। मुझे लगता है कि भारतीय पीएम को इससे बचना चाहिए था।

नवारो ने भारत के रुख की तुलना अमेरिका के दूसरे व्यापारिक साझेदारों से की। उन्होंने कहा, भारत ने हमारे साथ जापान, कोरिया, फिलीपींस, इंडोनेशिया और यूरोपीय संघ की तरह बातचीत नहीं की है। उन्हें बस लगता है कि वे हमारे साथ अपनी मनमानी जारी रख सकते हैं। उन्हें समझना चाहिए ट्रंप ऐसा नहीं होने देंगे।

के. चन्द्रशेखर राव की बेटी कविता भारत राष्ट्र समिति से निष्कासित

कविता पर पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल होने का आरोप लगाया गया है। पर मूल वजह कविता द्वारा अपने पिता केसीआर को लिखे गए पत्र को बताया जा रहा है, जो लीक हो गया।

हैदराबाद, 02 सितंबर। तेलंगाना की पार्टी, भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) ने अपनी एमएलसी और पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) की बेटी के. कविता को पार्टी से निलंबित कर दिया है। बीआरएस ने कहा कि हाल के दिनों में कविता के व्यवहार और उनकी गतिविधियां पार्टी के हितों के खिलाफ रही हैं। उन पर पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल होने और संगठन को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया है। बीआरएस ने कहा है कि पार्टी अध्यक्ष चंद्रशेखर राव ने एमएलसी कविता को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने का फैसला लिया है।

- **पत्र में कविता ने अपने पिता को लिखा था, पापा आपको भाजपा के खिलाफ तीखा बोलना चाहिए था, क्योंकि भाजपा की वजह से मुझे कष्ट हुआ था।**

कविता को पार्टी से ऐसे समय में बर्खास्त किया गया है, जब बीआरएस पहले से ही अंदरूनी चुनौतियों का सामना कर रही है। बर्खास्तगी से एक दिन पहले कविता ने उस समय पार्टी के भीतर तूफान खड़ा कर दिया था, जब उन्होंने अपनी ही पार्टी के नेताओं पर केसीआर की छवि को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया। उन्होंने वरिष्ठ नेता टी. हरीश राव और पूर्व सांसद मेघा कृष्णा रेड्डी पर, उनके पिता चंद्रशेखर राव पर भ्रष्टाचार का ठप्पा लगाने का आरोप लगाया और दावा किया कि हरीश राव और संतोष कुमार ने उन्हें हाशिये पर धकेलने की साजिश रची।22 अगस्त को कविता जब विदेश में थीं, तब उन्हें अचानक तेलंगाना बोग्गु घानी कर्मिका संघम (टीबीजीकेएस) की मानद अध्यक्ष पद से हटा दिया गया था। उन्होंने इसे एक साजिश बताया था और कहा था कि यह कदम पूरी तरह से राजनीति से प्रेरित है।कविता ने आरोप लगाया था कि टीबीजीकेएस के लिए चुनाव उनकी बिना जानकारी के पार्टी दफ्तर में हुआ और यह श्रम कानूनों का उल्लंघन भी हो सकता है। उन्होंने कहा, मैंने केवल पार्टी के अंदरूनी कामकाज पर सवाल उठाया, इसी बात की मुझे सजा दी जा रही है। उन्होंने इसके लिए पार्टी के कुछ लोगों को सीधे तौर पर जिम्मेदार ठहराया।

उन्होंने यह भी बताया कि बीआरएस की बैठक के बाद जो पत्र उन्होंने अपने पिता और पार्टी अध्यक्ष को लिखा था, उसका लीक होना उनके खिलाफ माहौल बनने की वजह बना। उस पत्र में कविता ने लिखा था, आप (केसीआर) ने केवल दो मिनट बोला और उसी से कुछ लोग यह अटकलबाजी करने लगे कि भविष्य में भाजपा से गठबंधन होगा। मुझे भी व्यक्तिगत रूप से लगा कि आपको भाजपा के खिलाफ और तीखा बोलना चाहिए था। शायद इसलिए क्योंकि मुझे भाजपा की वजह से ही कष्ट झेलना पड़ा। लेकिन पापा, आपको और सख्त रुख अपनाना चाहिए था।

'अदालत के आदेश ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

भी प्राप्त कर ली है। इसके अलावा याचिकाकर्ता को दी जाने वाले बकाया राशि का भुगतान दो सप्ताह में कर दिया जाएगा। इस पर अदालत ने मामले की सुनवाई 11 सितंबर को तय करते हुए किए जाने वाले भुगतान का साक्ष्य देने और राशि अदा नहीं करने की सूरत में दोनों अधिकारियों को हाजिर होने को कहा है। अवमानना याचिका में अधिवक्ता अजय गुप्ता ने बताया कि अदालत ने याचिकाकर्ता को साल 1997 से नियमितीकरण का लाभ देते हुए उसे बकाया भुगतान करने को कहा था। इसके बावजूद विभाग की ओर से आदेश की पालना नहीं की गई।

अफगानिस्तान...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सामग्री में कंबल, टेंट, स्वच्छता किट, जल भंडारण टैंक, पोर्टेबल वाटर प्यूरीफायर, ओआरएस घोल और चिकित्सा उपभोग्य सामग्रियों सहित 21 टन राहत सामग्री आज काबुल पहुंच गयी।

डॉ. दीपक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के बीच राजनयिक संबंध 1972 में स्थापित हुए थे। दोनों देशों के बीच पिछले छह-सात वर्षों में संबंध काफी मजबूत हुए हैं। विशेष रूप से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की संयुक्त अरब अमीरात यात्रा के बाद इनमें नयी ऊर्जा आयी है। अमीरात के राष्ट्रपति मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान के साथ-साथ वहां के कुछ उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडलों ने भी भारत की यात्रा की है।

आठ साल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

राज्य सरकार मामले में भू-अभिलेख निरीक्षक पद पर पदोन्नति के लिए विभागीय परीक्षा करवाए जाने का निर्देश दिया था। इसके बावजूद बोर्ड ने परीक्षा नहीं करवाई। वहीं बाद में राज्य सरकार ने अवमानना याचिका में सुनवाई के दौरान शपथ पत्र दायर कर कहा कि उन्होंने 7 मार्च 2019 को विभागीय परीक्षा का विज्ञापन जारी कर आदेश की पालना कर दी है। इसके बाद भी यह विभागीय परीक्षा आयोजित नहीं की गई है। जबकि परीक्षा के लिए स्वीकृत पदों पर डीपीसी के जरिए कनिष्ठ कार्मिकों को पदोन्नति दे दी है। इसलिए अदालती आदेशों की पालना करवाई जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने रैवेन्यु बोर्ड के रजिस्ट्रार से शपथ पत्र पेश करने को कहा है।

'पश्चिमी देशों की सारी मेहनत ट्रंप ने बर्बाद कर दी'

वाशिंगटन, 02 सितंबर। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रीय सलाहकार जॉन बोल्टन ने अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनाल्ड ट्रंप के टैरिफ की आलोचना की है। जॉन बोल्टन का कहना है सोवियत संघ से नजदीकी और चीन से बढ़ ते खतरे के बावजूद पश्चिमी देशों ने भारत के साथ रिश्ते मजबूत किए थे, लेकिन ट्रंप के टैरिफ ने दशकों पुरानी सारी मेहनत बर्बाद कर दी।

- **अमेरिका के पूर्व एनएसए जॉन बोल्ट ने कहा, पश्चिमी देशों ने कई दशकों की मेहनत के बाद भारत को रूस से दूर किया था।**
- **जॉन बोल्टन ने कहा, अमेरिका की नीति से हटकर ट्रंप पाकिस्तान व उसके सेना प्रमुख आसिम मुनीर को खुश करने में लगे हैं।**

जॉन बोल्टन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कई पोस्ट शेयर करते हुए ट्रंप की जमकर आलोचना की। बोल्टन का कहना है कि ट्रंप आर्थिक दृष्टिकोण अपनाकर रणनीतिक फायदों को खतरे में डाल रहे हैं।

जॉन बोल्टन ने यहां तक कह दिया कि ट्रंप के कारण चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग को पूर्वी देशों के साथ अपने रिश्ते सुधारने का मौका मिल गया है। जॉन बोल्टन के अनुसार, "पश्चिमी देशों ने भारत को सोवियत संघ, यानी रूस और चीन से दूर रखने में दशकों लगा दिए थे। डॉनल्ड ट्रंप ने अपनी विनाशकारी टैरिफ नीति के कारण सारे प्रयासों पर पानी फेर दिया।"

प्रमुख अमेरिकी वकील ने कहा कि ट्रम्प के फैसले का नुकसान पूरे देश को भुगतना होगा। ट्रम्प ने अपने निजी फायदे के लिए भारत-पाकिस्तान संघर्ष रुकवाने का दावा किया। ये ट्रम्प की विदेश नीति का वो पहलू है जिसे अभी तक नहीं उठाया गया।

उन्होंने कहा कि ट्रम्प, अमेरिका की विदेश नीति से अलग हटकर पाकिस्तान और सेना प्रमुख आसिम मुनीर को खुश करने की कोशिश कर रहे हैं, जबकि अमेरिका हमेशा से भारत के साथ अच्छे रिश्ते रखना चाहता है। भारत से अच्छे रिश्ते बनाने में अमेरिका को फायदा है।

प. बंगाल विधानसभा में भारी हंगामा

कोलकाता, 02 सितंबर। पश्चिम बंगाल विधानसभा में मंगलवार को जमकर हंगामा हुआ। नेता प्रतिपक्ष और भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी को विधानसभा अध्यक्ष बिमान बनर्जी ने एक दिन के लिए निलंबित कर दिया। यह विशेष सत्र बंगाली भाषी प्रवासियों के कथित उत्पीड़न की निंदा करने वाले प्रस्ताव पर चर्चा के लिए बुलाया गया था। चर्चा के दौरान शिक्षा मंत्री ब्रत्य बसु ने भाषण दिया। तभी शुभेंदु अधिकारी ने बीच में खड़े होकर विरोध जताया और आरोप लगाया कि मंत्री ने भारतीय सेना के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की है।

- **नेता प्रतिपक्ष और भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी एक दिन के लिए विधानसभा से निलंबित।**

शुभेंदु अधिकारी ने सरकार के खिलाफ नारे लगाए और मांग की कि शिक्षा मंत्री ब्रत्य बसु की टिप्पणी को कार्यवाही से हटाया जाए। लेकिन अध्यक्ष ने यह मांग खारिज कर दी। अध्यक्ष ने कहा, आप लगातार भाषणों में बाधा डाल रहे हैं और अपनी सीट छोड़ रहे हैं। मुझे मजबूरन आपको दिनभर के लिए निलंबित करना पड़ रहा है। इस फैसले पर सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के विधायक मेज थपथपाकर खुशी जताने लगे।

इसके बाद भाजपा विधायकों ने जोरदार नारेबाजी करते हुए सदन से वॉकआउट कर दिया। इस दौरान भाजपा विधायकों ने, "हमें नहीं चाहिए यह तुष्टिकरण वाली ममता सरकार" सहित कई नारे लगाये।

अपने भाषण में शिक्षा मंत्री ब्रत्य बसु ने कहा कि सेना ने गांधी प्रतिमा (मायो रोड) के पास टीएमसी का एक धरना पंडाल हटाया था। उन्होंने इस घटना की तुलना 1952 के भाषा आंदोलन से की, जब पूर्वी पाकिस्तान (अब बांग्लादेश) में लोग अपनी मातृभाषा और पहचान की रक्षा के लिए शहीद हुए थे। उनकी इसी टिप्पणी को शुभेंदु अधिकारी ने सेना का अपमान बताया।

'कांग्रेस ने सुनियोजित तरीके ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कांग्रेस नेतृत्व की आलोचना की। आप ने यह भी आरोप लगाया कि कांग्रेस ने आप के शीर्ष नेताओं के खिलाफ जानबूझकर वरिष्ठ नेताओं को मैदान में उतारा। केजरीवाल के खिलाफ संदीप दीक्षित, सिसोदिया के खिलाफ फरहाद सूरी तथा आतिशी के खिलाफ अलका लांबा को उतारा गया। आप ने इसे कांग्रेस की सुविचारित रणनीति का प्रमाण बताया। बात यहीं नहीं रुकी, दिल्ली में भाजपा सरकार के शपथ ग्रहण समारोह की एक विवादास्पद तस्वीर भी वायरल हुई, जिसमें कांग्रेस नेता देवेन्द्र यादव मंच पर आप की बागी सांसद स्वाति मालीवाल के साथ खड़े दिखाई दिए।

चन्द्रबाबू नायडू के राजनीतिक...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

महत्वाकांक्षा की ओर संकेत करते हुये कहा, "अगर परिस्थितियाँ अनुकूल हुईं, तो नायडू एक व्यापक गठबंधन के सर्वसम्मति चेहरे के रूप में उभर सकते हैं।" राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि नायडू का दिल्ली की राजनीति में किंगमेकर की भूमिका निभाने का इतिहास रहा है। बीते तीन दशकों में अनेक राजनीतिक तूफानों को झेलने के बाद उन्होंने एक रणनीतिकार और सर्वाइवर होने की प्रतिष्ठा अर्जित कर ली है। क्षेत्रीय हितों और राष्ट्रीय राजनीति के बीच संतुलन बनाने की उनकी क्षमता उन्हें गठबंधन राजनीति के दौर में अक्सर अपरिहार्य सिद्ध कर चुकी है।

जहां एक ओर टीडीपी अपने नेता के 30 साल पूरे होने का गौरवपूर्ण जश्न मना रही है, वहीं विश्लेषकों का मानना है कि नायडू की यह उपलब्धि राष्ट्रीय राजनीति में एक नए अध्याय की शुरुआत हो सकती है। मोदी सरकार के लिए, जो पहले ही राजनीतिक उथल-पुथल से गुजर रही है, अमरावती से उठते संकेत एक और नई चुनौती बन सकते हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने कन्हैयालाल हत्याकांड के आरोपी की जमानत बरकरार रखी

उदयपुर के बहुचर्चित कन्हैयालाल हत्याकांड के आरोपी मोहम्मद जावेद को हाई कोर्ट ने जमानत दी थी

उदयपुर, 2 सितम्बर (का.स.)। सुप्रीम कोर्ट ने उदयपुर के चर्चित कन्हैयालाल हत्याकांड के आरोपी मोहम्मद जावेद की जमानत को बरकरार रखा है।

- **कन्हैया लाल के पुत्र यश तेली और राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर आरोपी की जमानत रद्द करने की मांग की थी।**

मोहम्मद जावेद को राजस्थान हाईकोर्ट द्वारा जमानत दी गई थी और सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के फैसले को रद्द करने से इन्कार कर दिया। अदालत ने कहा कि आरोपी की उम्र अपराध के समय मात्र 19 साल थी और मुकदमा अभी शुरुआती चरण में है, ऐसे में हाईकोर्ट द्वारा दिए गए जमानत मंजूर करने के आदेश में हस्तक्षेप की जरूरत नहीं है।

उल्लेखनीय है कि पीड़ित कन्हैयालाल के बेटे यश तेली और राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआई) ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर जावेद को हाईकोर्ट द्वारा दी गई जमानत रद्द करने की मांग की थी। उनका तर्क था कि हाईकोर्ट ने आरोपी के खिलाफ मौजूद अहम सबूतों को नजरअंदाज़ किया है। उन्होंने कहा कि आरोपी पर हत्या की साजिश रचने में मदद का गंभीर आरोप है।

आपको बता दें कि जून 2022 में उदयपुर के टेलर कन्हैयालाल की दुकान में आरोपियों मो. रियाज और मो. गोस ने दिनदहाड़े गला काटकर उसकी हत्या कर दी थी। हत्या का वीडियो भी सोशल मीडिया पर प्रसारित किया गया था।

हत्या का कारण यह बताया गया कि कन्हैयालाल ने भाजपा की तत्कालीन राष्ट्रीय प्रवक्ता नुपुर शर्मा के पैगंबर मोहम्मद संबधी बयान के समर्थन में सोशल मीडिया पर पोस्ट डाली थी। जांच में सामने आया कि कई अन्य लोगों ने हमलावरों को सहयोग 13दया, जिनमें से जावेद पर हत्यारों को कन्हैयालाल की गतिविधियों की जानकारी देने का आरोप है।

5 सितंबर, 2024 को राजस्थान हाईकोर्ट ने जावेद को यह कहते हुए जमानत दी थी कि उसके खिलाफ पर्याप्त सबूत नहीं हैं।

सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की बैंच ने कहा कि मुकदमे में कुल 166 गवाह हैं, जिनमें अब तक केवल 8 की गवाही हुई है।

सुनवाई लंबी चल सकती है, इसलिए आरोपी को जमानत से वंचित करना उचित नहीं होगा।

अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि हाईकोर्ट की टिप्पणियों से निचली अदालत प्रभावित न हो और जावेद को दी गई जमानत का मतलब यह नहीं कि उसे किसी अन्य राहत का हकदार माना जाए। एनआईए और पीड़ित पक्ष की याचिका खारिज कर अदालत ने निचली अदालत को निष्पक्ष सुनवाई का निर्देश दिया।

चीन, रुस नॉर्थ कोरिया व ईरान,...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

चीन के सामने झुकता हुआ दिखाई दे रहा है। कम से कम फिलहाल के लिए तो रूस चीन से मिले पैसों, हथियारों और पुर्ज़ों के बिना शायद ही टिक पाए। उत्तर कोरिया तो रूस को यूक्रेन में ज़मीन पर लड़ाई लड़ने के लिए अपने सैनिक तक दे रहा है। ईरान पर भी रूस बहुत ज़्यादा निर्भर है, खासकर यूक्रेन में युद्ध के लिए ड्रोन मुहैया कराने के मामले में। इस पूरे घटनाक्रम में भारत, रूस और चीन के साथ खड़ा दिखता है, लेकिन इस नए गठबंधन में वो मुख्य खिलाड़ी नहीं हो सकता है। दरअसल, इस गठबंधन का असली केन्द्र चार देश हैं, चीन, रूस, उत्तर कोरिया और ईरान।

इस एस.सी.ओ. बैठक ने अमेरिका के प्रयासों और उसकी स्थिति को भारी चोट पहुंचाई है। अमेरिका ने रूस को दुनिया से अलग-थलग करने की रणनीति अपनाई थी, लेकिन हुआ बिल्कुल उल्टा। अब रूस अकेला नहीं है, बल्कि उल्टा अमेरिका ही अकेला पड़ता दिख रहा है।

भारत की स्थिति कुछ अलग है। अमेरिका के अहंकारी रवैये के कारण भारत को इस नए वैकल्पिक समूह में शामिल होना पड़ा, लेकिन फिर भी वह उसका मुख्य हिस्सा नहीं है।

भारत ने चीन द्वारा खड़े किए जा रहे इस नए वैश्विक ढांचे की बैठक में ज़रूर हिस्सा लिया, लेकिन वह अभी भी इस गठबंधन के बाहर ही खड़ा है और दोनों नए ध्रुवों से कुछ दूरी बनाए हुए है। वहीं अमेरिका के साथ भी उसके रिश्ते ट्रंप की अक्खड़ और हुक्म देने वाली शैली के कारण बिगड़ चुके हैं।

चीन के नेतृत्व वाली "कोर फॉर्मेशन" से भारत की दूरी उस समय साफ नज़र आई जब चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने पुतिन, उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन और ईरान के राष्ट्रपति के साथ खड़े होकर अपनी सैन्य ताकत का प्रदर्शन किया। भारत बीजिंग में बैठकर चीन की ऐसी सैन्य परेड का हिस्सा नहीं बन सकता। भारत के लिए ज़रूरी है कि वह अपनी सैन्य शक्ति को इतना मज़बूत करे कि चीन की ताकत का सामना कर सके और अपनी सीमाओं की रक्षा कर सके।

भारत और चीन के बीच दोस्ती के दिखावे के बावजूद तनाव के मुद्दे बने हुए हैं, जिन्हें हमेशा के लिए नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता। ठीक वैसे ही जैसे रूस और चीन के बीच अनंत दोस्ती के वादे भी असली मतभेदों को छुपा नहीं सकते। इस बैठक ने दिखा दिया है कि दुनिया के रणनीतिक ढांचे में बड़ा बदलाव हो रहा है। इस नए ढांचे में भारत अलग-थलग लेकिन मज़बूत शक्ति केंद्र बनकर खड़ा है। जबकि, पश्चिमी देश और चीन की अगुवाई वाला नया गठबंधन अब दो ध्रुवों के रूप में उभर रहे हैं। इस नए ढांचे का सबसे अहम पहलू यह है कि रूस अब एक बड़े खिलाड़ी और पश्चिमी गठबंधन को संतुलित करने वाली ताकत की भूमिका से पूरी तरह बाहर हो चुका है। वह अब चीन का अधीनस्थ बन गया है, चाहे बाहर से कुछ और दिखाने की कोशिश क्यों न हो।

पश्चिमी मीडिया पहले ही इस नए गठबंधन को "अस्थिरता की धुरी" कहने लगा है, जिसमें चीन, रूस, उत्तर कोरिया और ईरान मुख्य भूमिका में हैं।

यह पूरा घटनाक्रम दिखाता है कि कोई देश कितनी जल्दी और कितनी बुरी तरह गिर सकता है। कभी निकिता ख्रुश्चेव से लेकर लियोनिद ब्रेज़नेव के दौर में रूस दुनिया की महाशक्ति था, हथियारों और विज्ञान-तकनीक दोनों में श्रेष्ठ। लेकिन आज वह ताकत खत्म हो चुकी है। शीतयुद्ध का दौर रूस के लिए कहीं ज्यादा गरिमा और ताकत वाला था, बनिस्बत आज के, जब अपने एकमात्र सहारे के रुप में वो चीन से दोस्ती दिखाने को मजबूर है। आज का रूस भूल गया है, जॉन मिल्टन की "पैराडाइज़ लॉस्ट" की वह अमर पंक्ति, जिसमें शैतान कहता है, नरक में राजा बनना बेहतर है, बजाय इसके कि स्वर्ग में नौकर बना जाए। यूरोपीय संस्कृति और सोच से जुड़े रहने वाला रूस अब एक अलग ही रास्ते पर चल पड़ा है और एक बीते हुए साम्राज्य के गलत सपनों के पीछे भाग रहा है।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, जी-1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौन सिटी, जिला करौली से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2008/27147 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908